

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

स∘ 3]

नई विल्ली, शनिवार, जनवरी 15, 1977/पोष 25, 1898

No. 31

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 15, 1977/PAUSA 25, 1898

इस भाग में भिन्न पृथ्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

मारा II---खण्ड 3----उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) चारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य श्रेंड प्रशासनों को छोड़कर) केश्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए चौर जारी किए गए साधारण नियम जिनमें साधारण प्रकार के बावेश, उपनियम द्वादि सम्मिलित हैं

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

NOTICE

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 29th November, 1976:-

Issue N	Io. No. and Date	Issued by	Subject
1	2	3	4
293. ₹	ता॰ का॰ नि॰ 785 (ग्र) दिनांक 3 सितम्बर, 1976	राजस्य भीर वैकिंग विभाग	राजस्व ग्रीर वेंकिंग विभाग की ग्रामिसूचना स० 208 सीमा शुक्क नारीका 2-8-1976 में संशोधन।
	G.S.R. 785(E), dated 3rd Sept., 1976	Deptt. of Revenue and Banking	Amendments to Deptt. of Revenue and Banking No. 206—Customs of 2-8-1976.
294. र	सा॰ का॰ नि॰ 786 (घ) विनोव 4 मिलम्बर, 1976	ः सचार मंत्राभय	भारतीय डाकबर (नवा संशोधन) नियम, 1976
	G.S.R. 786(E), dated 4th Sept., 1976	Ministry of Communication	Indian Post Office (9th Amendment) Rule, 1976.
295	पा० का० ति० 787 (ग्र) विनांश 6 सितम्बर, 1976	राजस्व और बैंकिंग विभाग	राजस्य ग्रौर बैकिंग विभाग (राजस्वपक्ष) की श्रधिसूचना सं० 207/76— केन्द्रीय उ० मरूक में संशोधन।
	G.S.R. 787(E), dated 6th Sept., 1976	Deptt. of Revenue and Banking	Amendment to Deptt. of Revenue and Banking (Revenue Wing) No. 207/76—Central Excises of 25-6-1976.
296.	मा० का० नि० 788 (झ) दिनोर 7 सितस्बर, 1976	मंत्रिमंद्रल सचिवालय	भारतीय प्रशासन सेवा (सवर्ष सं - का नियनन) ब्राट्य रह्यां संशोधन विनियस्, 1976
	G.S.R. 788(E), dated 7th Sept., 1776	Cabinet Secretariat	Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) 18th Amendment Regulations, 1976.
124 C	GI/76—1.	(125)	

1	2	3	4
	गा० का० नि० 789 (घ्र) दिनांक	मस्त्रिमङ्कल सम्बिवालय	भारतीय प्रशासन सेवा (बेनन) बीसवा संशोधन, नियम, 1976
	7 सितम्बर, 1976 G.S.R. 789(E), dated 7th Sept., 1976	Cabinet Secretariat	Indian Administrative Service (Pay), 20th Amendment Rules, 1976.
	सा० का० नि० 790 (ग्रा) दिनांक 7 सितस्थर, 1976	तंदै व	भारतीय पुलिस सेवा (संबर्ग सब्या नियतन) तेरह्वा संशोधन विमियम, 1976
	G.S.R. 790(E), dated 7th Sept., 1976	Do.	Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) XIII Amend, ment Regulations, 1976
	मा० का० नि० 791 (घ) विनांक	तदैध	भारतीय पुलिस सेवा (बेसरा) पन्द्रह्वा संबोधन विनियम, 1976
	7 सितम्बर, 1976 G.S.R. 791(E), dated 7th Sept., 1976	Do.	Indian Police Service (Pay) XV Amendment Rules, 1976
297	. सा० का० नि० 792 (म्र) विनांक	पैट्रोलियम मंस्रालय	वेट्रोलियम श्रौर प्राकृतिक गैम (ब्रिसीय सशोधन) नियम, 1976
	8 सितम्बर, 1976 G.S.R. 792(E), dated 8th Sept., 1976	Ministry of Petroleum	Petroleum and Natural Gas (Second Amendment) Rules, 1976.
298	सा० का० नि० 793 (ग्र)	राजस्व श्रीर वैंकिंग विभाग	राजस्य ग्रीर बैंकिंग विभाग की ग्रविसूचना सं० 198/76—केन्द्रीय उत्पाद
	विनांक 9 सितम्बर, 1976 G.S.R. 793(E), dated 9th Sept., 1976	Department of Revenue and Banking	Deptt. of Revenue and Banking No. 198/76—Central Excises, dated 16-6-1976.
299	. सा० का० नि० 794 (का)	वित्त मन्नाल य	नियंश्रक और महालेखापरीक्षक के (कर्लब्य, शक्तिया और सेवा की शत)
	विनांक 9 सितम्बर, 1976 G.S.R. 794(E), dated 9th Sept., 1976	Ministry of Finance	षधिनयम, 1971 The Comptroller and Auditor Generals (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.
300	.स(० का० नि० 795 (भा)	मंत्रिमंडल समिवालय	भारतीय वन सेवा (संवर्गकी संदया का नियतन) औंचा संशोधन विनियम,
	विनांक 9 सितम्बर, 1976 G.S.R. 795(E), dated 9th Sept., 1976	Cabinet Secretariat	1976 Indian Forest Service (Fixation of Cadre Strength) Fourth Amendment Regulations, 1976.
	सा० का० नि० 796 (ध)	—	भारतीय वन सेवा (वेतन) संगोधन निवम, 1976
	दिनांक 9 सितम्बर, 1976 G.S.R. 796(E), dated 9th Sept., 1976	Do.	Indian Forest Service (Pay) Amendment Rules, 1976.
301	. सा० का० नि० 797 (म)	राजस्व ग्रीर वैंकिंग विभाग	भारत सरकार के वित्त मक्षालय (राजस्व और बीमा विभाग) की प्रधि-
	दिनांक 10 सितम्बर, 1976		सूचना मं० 39/फा० सं० 40/2,'63-—मी० शृत्क दिनांक 22-5-1976 में संशोधन।
	G.S.R. 797(E), dated 10th Sept., 1976	Department of Revenue and Banking	Amendment in the notification of Govt. of India, Min. of Fin. (Deptt. of Revenue and Insurance) No. 39/F. No. 40/2/63—Cus. IV, dated 22-5-1976.
	सा० का० नि० 798 (म)	त ³ व	भारत सरकार के विश्व मत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधि-
	दिनांक 10 सितम्बर, 1976 G.S.R. 798(E), dated 10th Sept., 1976	D ₀ .	सूचना सं॰ 40/फा॰ सं॰ 40/2/63—सी॰ गल्फ 22-5-1976 में मंगोधन Amendment in the notification of the Govt. of India, Min, of Fin. (Deptt. of Revenue and Insurance) No. 40/F. No 40/2/63—Cus. IV of 22-5-1976.
302.	G.S R. 799(E), dated 13th Sept., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Corrigenda in the English version of the Sugarcane (Control) Amendment Order, 1976.
303	. सा ः काः निः 800(अ) ृ्दिनांकः 13 सिनम्बर, 1976	ईस्पात भीर का न मन्नालय	श्री एच॰ भाषा को 16 सितम्बर 1976 को होने बाले इडियन आवरम एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड के बार्षिक माधारण सम्बिबेशन के लिए सभापति नामित करना !
	G.S.R. 800(E), dated 13th Sept., 1976	Ministry of Steel & Mines	Appointment of Shri H. Bhaya as the Chairman of the annual General Meeting of the Indian Iron and Steel Company Ltd. to be held on 16-9-76.
304	. सा॰ का॰ नि॰ 801 (छ)	राजस्व श्रौर वैकिंग विभाग	प्रतिरिक्त उत्पाद शुरेक (विशेष महत्व का माल) प्रधिनियम 1957
	विनोकः 14 सितम्बर, 1976 G.S.R. 801(E), dated 14th Sept., 1976	Department of Revenue and Banking	Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957.

1	2	3	4
305	सा• का∘ नि• 802 (म)	कृषि भौर संचाई संझालय	भानस्मक जस्तु भौधनियम, 1955
	विनाक 15 मितम्बर, 1976 G.S.R. 802(E), dated 15th Sept., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Essential Commodities Act, 1955.
306	सा० का० नि० 803 (भ) दिनाक 15 सिनम्बर, 1976	निर्माण भीर भावास सम्रालय	नगर भृमि (अधिकतम सीमा भीर विनियमन) सातवा सणो ान नियम, 1976।
	G.S.R. 803(E), dated 15th Sept., 1976	Ministry of Works and Housing	Urban Land (Ceiling and Regulation) Seventh Amondment Rules, 1976.
307	सा० का० नि० 804 (ग्र)	कृषि श्रीर सिचाई मंत्रालय	मन्न-क्षेत्रीय गेष्ट्र ग्रीर गेहूं उत्पाद (संचलन का नियन्नण) নূৰ্মন্য নামা- धन মাইমা, 1976
	दिनाक 15 मिनस्थर, 1976 G.S.R. 804(E). dated 15th Sept., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Inter-Zonal Wheat and Wheat Products (Movement Control) Third Amendment Order, 1976.
308.	सा ० क ¦० नि० 805 (म)	राजस्य श्रीर बैंकिंग विभाग	राजरव भ्रीर बेंकिंग विभाग की उन मिश्रस्चनामी को, जो इसमें उपायश्च
	दिनांक 16 सितम्बर, 1976 G.S.R. 805(E), dated 16th Sept., 1976	Department of Revenue and Banking	सारणी के स्तम्भ (2) में विनिधिष्ट है, में संशोधन। Amendment in the Deptt. of Revenue and Banking, specified in Col. 2 of the Table.
309.	सा० का० नि० 805 (ग्र.) दिनांक 18 सिनम्बर, 1976	-त वेब-	भारत सरकार के वित्त संज्ञालय (राजस्थ धीर बीमाविभाग) की मधिसूचना स० 1457 [फा० 389-टी मार (एफ० टी०)/71] तारीख 1 श्रक्तूबर,
	(2 E D 904/D)	Do.	1971 में समोधन। Amendment in the notification of the Govt. of India, Min.
	G.S.R. 806(E), dated 18th Sept., 1976	ъ0.	of Fin. (Deptt. of Revenue and Insurance) No. G.S.R. 1457 [7/F. 389—TR(FIT)/71] dated 1st October, 1971.
310	सा० का० नि० 807 (घ) दिनांक 18 सितम्बर, 1976	क्वियार सिचाई मंद्रालय	भारत सरकार के भूतपूर्व काल भीर कृषि मंत्रालय (खाश विभाग) की ग्राधसूचना से० सा० का० नि० 1169 विनांक 2 जुलाई,
	G.S.R. 807(E), dated 18th Sept., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	1963 में संगोधन। Amendment in the notification of the Govt. of India in the late Min. of Food and Agri. (Deptt. of Food) No. G.S.R. 1169, dated 2nd July, 1963.
311	सा ० भा ० नि० ৪ 0 8 (ম)	विदेश मंत्रालय	मंयुक्त राष्ट्र (विशेषाधिकार एव उन्मुक्तिया) प्रस्नितिथम 1947
	विनांक 20 सितम्बर, 1976 G.S.R. 808(E), dated 20th Sept., 1976	Ministry of External Affairs	United Nations (Privileges and Immunities) Act, 1947.
312.	सा० का० नि० 809 (घ)	कृषि ग्रीर सिचाई मंत्रालय	विल्ली रोलर मिल्स गेहू उत्पाद (मिल-बाह्य भौर फुटकर) कीमन नियक्षण
	पिनांक 20 सितंब्बर, 1976 G.S.R. 809(E),		(दिशीय समोधन) प्रार्वेग, 1976 Delhi Roller Mills Wheat Products (Ex. mill and Retail) Price Control (Second Amendment) Order, 1976.
313	dated 20th Sept., 1976 শাত কাত নিত ৪10 (ম)	Irrigation राजस्य ग्रीर वेक्शिंग विभाग	उत्पाद प्रकार और नमक अधिनयम, 1941 की प्रथम धनस्की की मद
	विनांक 21 सिनम्बर, 1976		न० 1 की उप-मद स० (1) के अन्तर्गत भ्राने वाली चीनी में उल्पाद गुरुक से छूट।
	G.S.R. 810(E), dated 21st Sept, 1976	Department of Revenue and Banking	Exemption on Sugar from Duties of Excise falling under sub- item (1) of Item No. 1 of the first schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944.
314	मा० का० नि० 811 (भा) दिनाक 22 सितम्बर, 1976	कृषि और सिंबाई सत्नालय	केन्द्रीय भा ण्डागारण नियम (तृतीय संशोधन) नियम, 1976
	G.S.R. 811(E), dated 22nd Sept., 1976	Ministry of Agriculture and lrrigation	Central Warehousing Corporation (Third Amendment) Rules, 1976.
315	सा० का० नि० ता2 (घ)	राजस्य स्मीर वैक्थिय विभाग	भारत सरकार के राजस्व ग्रीर बैकिंग विभाग की दिनौंक 1-7-76 की
	दिनोक 23 सिलम्बर, 1976		ग्रधिमृष्यना सं० ३६०——मी० शु० [मा० का० नि० ४३६ (ग्र)] में संकोधन।
	G.S.R. 812(E), dated 23rd Sept, 1976	Department of Revenue and A Banking	Amendment in the notification of Govt. of India in the Deptt. of Revenue and Banking No. 360—Cust. [G.S.R. No. 436(E)], dated 1-7-1976.
316	सा० का० नि० 813 (घ) दिनांक 24 सिनम्बर 1976	जिल महालय	डाकयर बचत बैक (चौथा संशोधन) नियम, 1976
	G.S.R. 813(E), dated 24th Sept. 1976	Ministry of Finance.	Post Office Savings Banks (Fourth Amendment) Rules, 1976.

1	2	3	4
317.	सा॰ का॰ नि॰ 814 (ग्र) विनांक 24 सितम्बर, 1976	कृषि भौर सिचाई मंत्रालय	उर्वरकों के विकय के लिए धनिवार्थ रूप से मुख्य शर्ते।
	G.S.R. 814(E), dated 24th Sept., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Certain conditions for compulsory linking of the sale of ferti- liser.
318	सा० का० नि० 815 (म)/ भा० व० /ईक,	त र्वे ब -	र्टका (नियक्षण) सणोधन भावेस, 1976
	दिनोक 24 सितम्बर, 1976 G.S.R. 815(E)/Ess. Com./ Sugarcane, dated 24th Sept., 1976	Do.	Sugarcane (Control) Amendment Order, 1976.
319	सा० का० नि० 816 (घ)/घानश्यक वस्तु/बोनी, दिनांक 24 सितम्बर, 1976	নৰীৰ	तमिल नाडु राज्य के भीतर निर्वात पास प्रत्रिया द्वारा चीनी के विनिर्माण की बाबत गन्ना भाय्क्त (बीनी निष्टेशक) द्वारा भी किया जाएगा।
	G.S.R. 816(E)/ESS Com./ Sugar, dated 24th Sept., 1976	Do.	Cane Commissioner (Director of Sugar) empowered to manufacture of sugar by vacuum pan process in the State of Tamil Nadu.
320	सा० का० नि० 817 (घ) दिनोक 25 सिसम्बर, 1976	पूर्लि विभाग	मैंसर्स शाकीमार बर्क्स लिं० 4गार्डन रीच रोड, किंडर पोर, कलकत्ता के भाष 15 दम बोलार्ड पुल के कोर्ट नाजल टग तथा 5 टन बोलार्ड पुल के कोर्ट भाजल टग के लिए ठेका।
	G.S.R. 817(E), dated 25th Sept , 1976	Department of Supply	Contracts with Messrs Shalimar Works Ltd, Calcutta for the supply of two Kort Nozzle Tugs of 15 Ton Bollard Pull and One Kort Nozzle Tug of 5 Ton Bollard Pull.
321.	सा॰ का॰ नि॰ 818 (ब) विनोक 25 मितम्बर, 1976	राजस्य ग्रीर वैकिय विभाग	वित्त मज्ञास्य (राजस्य भीर बीमा विभाग) की मधिस्वाना स० 43/74, वारीख 1 मार्च 1975 में निस्नलिखित संबोधन।
	G.S.R. 818(E), dated 25th Sept., 1976	Department of Revenue and Banking	Amendments to Notification of Min. of Finance (Deptt. of Revenue and Ins.) No. 43/74—Central Excises of 1-3-74.
	सा० का० लि० 819 (म) दिनांक 25 सिसम्बर, 1976	~~ तदेव ~~	बिक्त मत्रालय (राजस्व भीर बीमा विभाग) की भ्राधिस्थाना सं० 40/75 विनोक 1 मार्च, 1975 में संशोधन।
	G.S.R. 819(E), dated 25th Sept. 1976	Do.	Amendment to Notification of Min. of Fin. (Deptt. of Revenue and Ins.) No. 40/75—Central Exclses of 1-3-1975.
322	सा० का० नि० 820 (भ) विनाक 27 सितम्बर, 1976	विधि-स्याय भौर कम्पनी कार्य महालय	कम्पनी (निक्षेपो का प्रतिग्रहण) द्वितीय मशोधन नियम, 1976
	G S.R. 820(E), dated 27th Sept, 1976	Ministry of Law, Justice and Company Affairs	Companies (Acceptance of Deposits) Second Amendment Rules, 1976.
323.	सा० का० नि० 821 (घ) विनोक 27 सितस्बर, 1976	मित्रमङल मिषालय	भारतीय प्रशासन मेवा (गवर्ग सख्या का नियनन) तेईसवां सक्षोधन विनियम,
	G.S.R. 821(E), dated 27th Sept., 1976	Cabinet Secretariat	Indian Administrative Serivce (Fixation of Cadre Strength) 23rd Amendment Regulations, 1976
	सा० का० नि० 822 (ग्र)	~ —ल दैब ——	भारतीय प्रशासन सेवा (वेशन) ध्वकीसवां सणोधन नियम, 1976
	चिनाक 27 सितम्बर, 1976 G.S.R. 822(E), dated 27th Sept., 1976	Do.	Indian Administrative Service (Pay) Twenty first Amendment Rules, 1976.
324	দা ং কা ং দি 823 (ম)	कृषि ग्रौर सिचाई मस्रालय	कीटनाणी प्रधिनियम, 1968 में कुछ पदार्थ सम्मिलित करना।
	विनांक 28 सितम्बर, 1976 G.S.R. 823(E), dated 28th Sept., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Inclusion of certain substance in the schedule of Insecticide Act, 1968.
325	सा० का० ति० 824 (घ) विनोक 29 मितम्बर, 1976	विक्तं मंद्रालय	राष्ट्रीय अञ्चल पत्त (पांचवां) निर्णय निकम, 1973 मे ग्रीर ग्रागे महाधन
	G S.R. 824(E), dated 29th Sept, 1976	Ministry of Finance	Further amendment to National Savings Certificates (V-Issue) Rules, 1973

1	2	3	4
326	सा ॰ का॰ नि॰ 826 (ग्र) आ॰ २०/शर्करा दि नाक 29 सितम्बर 1976	कृषि भीर सिचाई संक्षालय	कृषि भीर सिंजाई मंद्रालय (खाद्य विभाग) के नारीख 3 अगस्त 1976 के प्रशिस्थन। स० मा० का नि० 748 (भ)/मा० व०/शकरामें शुद्धि।
	G.S.R. 825(E)/ESS. Com./ Sugar, dated 29th Sept., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Corrigenda to Notification No. G.S.R. 748(E)/Ess. Com./ Sugar dated 3rd August, 1976 of Min. of Agriculture and Irrigation (Deptt. of Food).
327.	मा० का० नि० 827 (म)। भा० न०/ईख दिनांक 30 मितम्बर 1976	नदेव	ईक की कीमत को उस न्यूनतम कीमन के रूप में नियत करमा जो अनुसूची के स्तम्भ (2) में तत्संबंधी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट नियति पाल प्रतिया जाने ईख के कारखाने के न्यामियो हारा देश होगा।
	G.S.R. 827(E)/ESS. Com./ Sugarcane, dated 30th Sept., 1976	Do.	Fixation of Minimum Price of Sugarcane and shall be payable by the owners of the vacuum pan process sugar factories specified in the corresponding entry in col. (2) of the Schedule.
328	सा० का० नि० 828 (भ्र) विनाक 30 मितम्बर, 1976	राजस्य ग्रीर बैकिंग विभाग	चीमी पर उत्पाद शृत्क से सारणी के स्तम्भ (2) में वर्णित प्र बिस्ट में विनिधिष्ट से छूट
	G.S.R. 828(E), dated 30th Sept., 1976	Department of Revenue and Banking	Exemption on sugar from Excises, described in Col. (2) of the Table.
329	सार कार्यान्य 829 (घा) विमान ३० सिनम्बर, 1976	सिक्षातकासमाजकल्याण मन्नालय	भारत सरकार, जिक्षा तथा समाज कल्याण सत्नालय (जिक्षा विभाग) की मधिसूचना सख्या जी एस प्रार/2383, 9 सितम्बर, 1975 में संबो- धन।
	G,S.R. 829(E), dated 30th Sept., 1976	Ministry of Education and Social Welfare	Amendment in the notification of the Govt. of India in the Min. of Education and Social Welfare (Deptt. of Education) No. G.S.R./2383 dt. 9-9-75.
330.	सा० का० नि० ४३० (म्र) दिनांक । म्र न्त्र ार, 1976	राजस्य धौर वैकिंग विभाग	सारणी में विनिर्विष्ट प्रत्येक विदेशी करेसी में संपरिवर्तन विनिधम की दरें।
	G.S.R. 830(E), dated 1st Oct., 1976	Department of Revenue and Banking	Rate of exchange for conversion of each of the foreign Currency shown in the Table thereto.
331	सा० का० नि० 831' (म दिनांक 4 मन्तूबर, 1976	विवेश मंत्रालय	पास पोर्ट नियम, 1967 में भागे सणोधन।
330	G.S.R. 831(E), dated 4th Oct., 1976	Ministry of External Affairs	Further Amendment to Passports Rules, 1967.
392.	G.S.R. 832(E), dated 6th Oct., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Rice and Paddy (Southern Zone) Movement Control Order, 1976.
333.	सा० का० नि० ४८४ (म) दिनांक ७ मन्तूबर, १५७६	राजस्य श्रीर बैंकिंग विभाग	केन्द्रीय उत्पाद, शृह्क (24वां संशोधन) नियम, 1976
	G.S.R. 833(E), dated 7th Oct., 1976	Department of Revenue and Banking	Central Excise (Twenty-fourth Amendment) Rules, 1976.
	मा० का० नि० 834 (भ) दिनांक 7 भक्तुबर, 1976	— ~ ন ীষ —~	केन्द्रीय उत्पाद शुरुक प्रक्षिकारियो का लाईसेम नवीकृत करने का प्रधिकार सौपना ।
	G.S.R. 834(E), dated 7th Oct., 1976	Do.	Authorisation of Certral Excise Offices to renew licences by the Central Board of Excise and Customs.
334	मा० का० नि० 835 (घ) विनांक 8 धक्तुबर, 1976	क्रृषि प्रौर सिचाई महालय	उन्हरी चाबल क्षेत्र (मंचलम नियन्नण) सणोधन ग्रादेण 1976
	G.S.R. 835(E), dated 8th Oct., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Northern Rice Zone (Movement-Control) Amendment Order, 1976.
	सा० का० नि० 836 (भ) दिनांक 8 भक्तूबर, 1976	— - तदेब 	केन्द्रीय सरकार द्वारा भनुसूची मे की गई भावेशों का श्रावकथक/वस्तु प्रक्षिनियम 1953 का विकाणिकत करना।
	G.S.R. 836(E), dated 8th Oct., 1976	Do	Central Govt. Rescinds Orders of Essential Commodities Act, 1953 as shown in the Schedule thereto.
335	मा॰ का॰ नि॰ 837 (घ) दिनाक 8 मक्तूबर, 1976	विधि, स्थाम श्रीर कम्पनी कार्य मुजालय	1976 के प्रक्तूबर के 15वेंदित को उसतारीख़ के रूप में निर्यक्ष करती है जिसको उक्त प्रधिनियम की धारा 2 से लेकर 6 लक (धोमों सम्मिलित करके) भीर धाराये 9 भीर 11 के उपबन्ध प्रवक्त होंगे।
	G.S.R. 837(E), dated 8th Oct , 1976	Ministry of Law, Justice and Company Affairs	Appointment of 15th Oct., 76 as the date on which the provisions of sections 2 to 6 (both inclusive), and sections 9 and 11 of the Advocates Admendment Act, 1976 shall come into force.

1	2	3	4
336	सा० का० नि० 838 (घ) दिनांक ৪ घ्रस्तूबर, 1976 G.S.R. 838(E),	नौबहन भीर परिबहन मंद्रालय Ministry of Shipping and	मुस्बाई पत्नन के न्यामी बोर्ड (न्यामियीं को कीन ग्रीर वर्ती का मंदाव) मंद्योगी नियम, 1976 Board of Trustees of the Port of Bombay (Payment of Fee
	dated 8th Oct., 1976	Transport	and Allowances to Trustees) Amendment Rules, 1976.
337.	सा० का० नि० 839 (भ) दिनांक 8 मक्तूबर, 1976	ন ই ৰ 	महास पत्तन के त्यामी बोर्ड (त्यामियों की फीस ग्रीर मत्तों का सदाय) संशोधन नियम, 1976
	G.S.R. 839(E), dated 8th Oct., 1976	Do.	Board of Trustees of the Port of Madras (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Amendment Rules, 1976.
338	मा० का० नि० 840 (भ्र) दिनांक 8 श्र क्तूब र, 1976	−− नदेब~	भलकत्ता पत्तन के ल्यासी बोर्ड (त्यामियो की फीस ग्रौर भत्तो का सदाय) संशोधन नियम, 1976
	G.S.R. 840(E), dated 8th Oct., 1976	Do.	Board of Trustees of the Port of Calcutta (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Amendment Rules, 1976
339.	सा० का० मि० 841 (भ) दिमोक 12 श्रक्तुबर, 1976	विधि, न्दाय श्रीर कम्पनी कार्वे मज्ञालय	मित्रिधान (जम्मू-कश्मीर को लागू हाना) सृतीय संशोदन द्यादेश, 1976
	G.S.R. 841(E), dated 12th Oct., 1976	Ministry of Law, Justice an Company Affairs	d The Constitution (Application to Jammu and Kashmir) 3rd Amendment Order, 1976.
	सा० का० नि० 842 (घ) विनोक 11 प्रस्तूबर, 1976	राजस्य ग्रीर वैकिंग विभाग	राजस्ब और बैंकिंग विभाग (राजस्व पक्क) की श्रीक्षसूत्रना सं० 227 सीमा मुल्कः, तारीका 2 भगस्त, 1976 में सकोधन।
	G.S.R. 842 (E), dated 12th Oct. 1976	Deptt, of Revenue and Banking	Amendments to Notifn. No. 227-Customs dated 2nd August 1976 of Deptt. of Revenue and Banking (Revenue Wing),
341	मा० का० नि० 843 (ग्र)	कृषि ग्रीर सिचाई मंत्रालय	उर्बरक का सास्य रूप से जिलरण ।
	विनाक 13 भक्तूभर, 1976 G.S.R. 843(E), dated 13th Oct., 1976	Min. of Agriculture and Irrigation	Equitable distribution of Essential Commodities i.e. fertiliser etc.
342.	G.S.R. 844(E), dated 13th Oct., 1976	Do.	Inter-Zonal Wheat and Wheat Products (Movement Control) 4th Amendment Order, 1976.
	G.S.R. 845(E), dated 13th Oct., 1976	Do.	Inter-Zonal Wheat Products (Movement Control) Order, 1976.
343	सा० का० नि० 846 (घ) दिनांक 14 अन्तूबर, 1976	राजस्य ग्रीर बैकिंग विभाग	राजस्य ग्रीर वैकिंग विभाग के प्रधिमूचना स॰ 369- सीमा शुस्क तारीख 2 श्रगस्त, 1976 में संबोधन।
	G.S.R. 846(E), dated 14th Oct., 1976	Deptt. of Revenue and Banking	Amendment to Notfn. No. 369-Customs of 2nd August, 1976 of Deptt. of Revenue and Banking.
344.	मा ० का० नि० 847 (ग)	भिवेम संज्ञालय	राजनियक एथ कोसली घ्रधिकारी (सुल्क) संशोधन नियम, 1976
	विनाफ 15 श्रक्तूबर, 1976 G.S.R. 847(E), dated 15th Oct., 1976	Ministry of External Affairs	Diplomatic and Consular Officers (Fees) Amendment Rules, 1976.
	मा० का० नि० 848 (घ) विनोक 15 भक्तूबर, 1976	मन्नि मण्डल सचिवालय	भारतीय प्रशासन सेवा (सवर्ग सक्या का निर्दारण) वाईसंबा सनोधन, विनियम, 1976
	G.S.R. 848(E), dated 15th Oct., 1976	Cabinet Secretariat	Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Twenty Second Amendment Regulations, 1976.
	सा० का० नि० 849 (घ) दिनीक 15 अक्सूबर, 1976	শ্ র্ত্তন	भारतीय प्रजासन सेवा (बसन) बीसवा सणीधन नियम, 1976
	G.S.R. 849(E), dated 15th Oct., 1976	Do.	Indian Administrative Service (Pay) 20th Amendment Rules, 1976.
346.	मा० का० नि० 850 (ग्र) विनांक 18 श्रक्तूबर, 1976	गृह मल्लालय	म्रान्छ प्रवेश, लोक नियोजन (स्थानीय क। इसी का गठन ग्रीर सीधी भर्ती का विनियमन) सर्लोधन, श्रादेश, 1976
	G.S.R. 850(E), dated 18th Oct., 1976	Ministry of Home Affairs	Andhra Pradesh Public Employment (Organisation of Local Cadres and Regulation of Direct Recruitment) Amendment Order, 1976.
	सा० का० नि० 851(ग्र) दिनाक 18 श्रक्युबर, 1976	नोबद्धन भ्रीर पश्चिह्न मधालय	म्यु मगसीर पत्तन (बाट की प्रयोग की दरे) नियम, 1976
	G.S.R. 851(1), dated 18th Oct., 1976	Min. of Shipping and Transport	Port of New Mangalore (Rates for the use of the Wharf Rules, 1976.

1	2 3		f
348	मा का वि 852 (आ) दिनाक 20 अक्लूब्र्ग, 1976 G.S.R. 852(E), dated 20th Oct., 1976	कृषि भ्रीर मिनाई महालय Min, of Agriculture and Irrigation	भूतपूर्व कृषि मंत्रालम (बाख विभाग) भारत सरकार की प्रधिसूचना मं मा का नि 37 दिनाक 2 जनवरी, 1965 में संशोधन। Further amendment to Notfa, No. G.S.R. 37 of 2-1-1965 of late Min. of Food and Agriculture (Deptt. of Food).
349.	सा० का० नि० 853 (भ) विनोक 27 भक्तूबर, 1976	मित्रमंडल सचिद्रालय	भारतीय प्रशासन मेवा (पदोन्निति द्वारा नियुक्ति) छट। संशोधन विनियस् । १७७६।
	G.S.R. 853(E), dated 27th Oct., 1976	Cabinet Secretariat	Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) 6th Amendment Regulations, 1976.
350	सा० का० नि० 854 (घ) दिनांक 27 अक्तूबर, 1976	कृषि ग्रीर सिंचाई मझालय	उर्वरक (निसंक्षण) प्रादेश, 1957 में स्नीर स्नागें संशोधना
	G.S.R. 854(E), dated 27th Oct., 1976	Min. of Agriculture and Irri gation	- Further Amendment to the Fertiliser (Control) Order, 1957.
351.	सा० का० नि० 855 (म) विनांक 29 मस्तूबर, 1976	राजस्य ग्रीर वैकिंग विभाग	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नसक प्रधिनियस, 1944 की प्रथम भ्रनुसूची की सद सं० 68 के भ्रन्तर्गत भाने वाले फोटो ससाधन सारणी से भिन्न सभी मामको को, उन पर उद्गुप्रहणीय उत्पाद शुल्क ने छुट ।
	G.S.R. 855(E), dated 29th Oct., 1976	Deptt. of Revenue and Bankin	Exemption on all goods except photo processing chemicals falling under Item 68 of the First Sch. of Central Excises and Salt Act, 1944.
352	सा० ना० नि० 856 (ग्र) दिनांक 30 ग्रन्सूबर, 176	मस्त्रिसण्डल मचिवालम	भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ग सक्या नियनन) प्रस्ट्रहका संबोधन, विनियम 1976।
	G.S.R. 856(E), dated 30th Oct., 1976	Cabinet Secretariat	Indian Police Service (Fixation of Cuded Strength) 15th Amendment Regulations, 1976.
	सा० का० नि० 857 (ग्र) विमांक 30 श्रक्तुबर, 1976	तदैब	भारतीय पुलिस सेशा (बेतन) छटबां सशोधन, नियम, 1976
	G.S.R. 857(E), dated 30th Oct., 1976	Do.	Indian Police Service (Pay) 6th Amendment Rules, 1976.
353.	. सा॰ का॰ नि॰ 858 (थ) दिनांक 30 स्रक्तूनर, 1976	राजस्य भीर वैकिंग विचाय	केन्ग्रीय उत्पाद-मुल्क भीर नमक अक्षिनियम 1944 की प्रवस अनुसूची की सद हर 27 के भन्तर्गत भाने वाली एल्युमिनियम बायर रॉडों की कूछ बातों के अभीन उत्पाद शुल्क से खूट।
	G.S.R. 858(E), dated the 30th October, 1976	Department of Revenue and Banking	d Certain conditions of exemption of all minimum vire rods falling under Item No. 27 of the 1st Schedule of Central Excises and Salt Act, 1944.
354	सा० का० नि० ४३९ (म) दिनांक 1 नवस्मर, 1976	मक्किमङल भविचालय	पिषश्मी बंगाल के परामर्ग से भारतीय प्रणामन सेवा (वेतन) नियम, 1954 में क्षीर भागे संशोधन करने के लिए निस्नलिखिल नियम अनाती है।
	G.S.R. 859(E), dated the 1st Nov. 1976	Cabinet Secretariat	West Bengal hereby makes the following Rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954.
355	6 सा∙ का० नि• ৪৬0 (घ) दिनौक 1 नवम्बर, 1976	राजस्य श्रीर वैकिंग विभाग	राजस्य धीर मिका विभाग को नारीमा 1 धनतूबर, 1976 की श्रश्चिसूचना स॰ 414-मीमा मुल्क [भा॰ फ॰ टि॰ ৪३० (घ)] मे निम्न- लिमात संशोधन।
	G.S.R. 860(E), dated the 1st Nov., 1976	Department of Revenue and Banking.	Following Amendment in the notification of the Govt. of India in the Department of Revenue and Banking No. 414-Cus. [G.S.R. No. 830(E)], dated the 1st October, 1976.
356.	. सा० का० सि० ७८१ (घ्र) दिनांक । नवश्वर, 1976	राजस्य और बैकिंग विश्वास	केन्द्रीय सरकार उन्ने भिक्षितियम की प्रथम भनुसूची का मद सं । की उपमद सं (1) के भन्तर्गन भाने बाली और मूस्यानुसार शुरूक से प्रभार्य चीनी के लिये तीन सी पैतीस रुपये प्रति क्षिबटल नियस करती है।
	G.S.R. 861(E), dated the 1st Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	d Central Govt. hereby fixes a Tariff value of three Hundred and Thirty-five Rupees per quintal for sugar falling under subitem (1) of item No. 1 of the First Schedule to the said Act and chargeable with duty ad-valorem.

1	2 .	3	4
	मा ॰ का ॰ नि ॰ ৪६२ (श्र) दिनाक । नवम्बर, 1976 G.S.R. 862(E), dated the 1st Nov., 1976	राजम्ब ग्रीर बैंकिंग विमाग Department of Revenue and Banking	उत्पार मुक्त और नमक पर्धिनियम, 1944 की प्रथम श्रन्तुमूची की सब सं ा की उपभद (1) के अन्तर्गत चीनी पर छ्ट। Exemption on Sugar falling under Sub-item (1) of item No. 1 of the First Schelule to the Excises and Salt Act, 1944.
357.	सा० का० नि० 863 (अ) दिनांक 1 नवम्बर, 1976 G.S.R. 863(E), dated the 1st Nov., 1976	—-न देव Do.	इन नियमो का नाम सीमा-शुस्क दैश्कि (बैंकाक करार के प्रधीन माल का भवधारण) नियम, 1976 है। These Rules may be called the Tariff (Determination of Origin of Goods under the Bangkok Agreement) Rules, 1976.
	सा॰ का॰ नि॰ 864 (म) विनांक 1 नवम्बर, 1976 G.S.R. 864(E), dated the 1st Nov., 1976	वि ब	सीमा-मुक्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम धनुसूची के भारणी के स्तम्भ (2) में जिनिविष्ट माल के आवात पर छूट। Exemption of goods specified in column (2) of the Table annexed hersto and falling under the Heading Number of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975, For Imports.
358.	सा का वि वि 865 (भ्र) वितोक 2 नवम्बर, 1976 G.S.R. 865(E), dated the 2nd Nov., 1976	कृषि भ्रौर सिंचाई मंत्रालय Ministry of Agriculture and Irrigation	के द्रीय सरकार अनुसूची के स्तम्भ (2) में जिनिर्विष्ट मृत्य की तुरन्त प्रभावी के रूप में निवत करती है। Central Govt. hereby fixes with immediate effect, the price specified in column (2) of the Schedule annexed here
359.	मा० का० नि० 866 (ग्र) विनोक 4 नवस्वर, 1976 G.S.R. 866(E), dated the 4th Nov. 1976		ছন নিষ্দা का নাম ঘীৰ্ণাঘ দ্বীৰ সমাজন নামদ্বী (নানাগ্ৰন) নিষ্দা, 1976 है। These Rules may be called the Drugs and Cosmetics (Amendment) Rules, 1976.
360	मा० का० नि० 867 (म्र) दिनांक 5 नवस्वर, 1976 G.S.R. 867 (E), dated the 5th Nov., 1976.	राजम्ब भीर बेंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	मीमा-गुल्क टैरिफ प्रधिनियम, 1975 की प्रथम प्रनृसूची के श्रद्ध्याय 32 के अन्तर्गन टिटेनियम डाडप्राक्साईड के आयान पर छूट। Exemption on Titanium dioxide, for Imports, falling within Chapter 32 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975.
361.	सा • का • नि • 868 (ऋ) वितोक 5 नवस्वर, 1976 G.S.R. 868(E), dated the 5th Nov., 1976	गृह मंत्रालय Ministry of Home Affairs	राष्ट्रपति यह बोबित करते हैं कि संबिधान के प्रमुख्छेद 31 द्वारा प्रवत्त प्रधिकारों के प्रवर्तन के लिए किसी व्यक्ति (किसी विवेशी सहित) की न्यायालय की सहायता लेने के प्रधिकार से निरस्त रहेंगे। President hereby declares that the right of any person (including a foreigner) shall remain suspended to move any Court, for the enforcement of the rights conferred by Article 31 of the Constitution.
362	साठ काठ निठ 869 (अ) दिनांक 5 नवस्वर, 1976 G.S.R. 869(E), dated the 5th Nov., 1976	उद्योग मंत्रालय Ministry of Industry	केन्द्रीय सरकार वि बर्न एष्ड कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता तथा वि इण्डियन स्टैण्डं बैगन कम्पनी लि॰, कलकत्ता के प्रधिरक्षक एवं कार्यकारी उपाध्यक्ष श्री एन॰ प्रारं॰ भागवें को 30 नवस्थर 1976 को उक्त कम्पनियों की होने वाली धाम वार्षिक बैठक का घष्ट्यक नामित करती है। Central Govt. hereby nominates Shri N.R. Bhargava, Custodian and Executive Vice-chairman of the Burn and Co. Ltd., Calcutta, and the Indian Standard Wagon Co. Ltd., Calcutta, to be the Chairman of the Annual General Meetings of the said Companies, to be held on the 30th Nov., 1976.
363	सा० का० नि० 870 (भ) दिनांक 6 नवस्वर, 1976 O.S.R. 870(E), dated the 6th Nov., 1976	राजस्व और बैंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	केन्द्रीय सरकार निवेश करती है कि उक्त अधिनियम की दिनीय अनुमूची में निम्नलिखिन संगोधन किए जाएं। Central Govt. hereby directs that the following further amendment be made in the Second Schedule to the said Act.
364	मा० का० ति० 871 (अ) दिनांक 9 नवस्थर 1976 G.S.R. 871(E), dated the 9th Nov., 1976	राजस्व श्रीर वैकिंग विभाग	केन्द्रीय सरकार भारत के राजस्य और बैंकिंग विभाग की मिश्चसूनना सं । 198/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नारीच 16 जून, 1976 में निम्नलिखिन समोधन करती है। Contral Govt. hereby makes the following further amendment to the Notification of the Govt. of India in the Department of Revenue and Banking No. 198/76-Central Excises, dated the 16th June, 1976.

_1	2	3	4		
365	. सा० का० नि० 872 (म्र) दिनांक 10 नवम्बर, 1976 G.S.R. 872(E), dated the 10th Nov., 1976	राजस्य भौर बेंकिंग विभाग Department of Revenue and Banking	केन्द्रीय उत्पाद शुरूक ग्रीर नमक ग्रिश्वनियम 1944 की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 14छ के भन्तर्गत सस्फूरिक श्रम्ल पर छूट। Exemption on Sulphuric Acid falling under Item No. 14G of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944.		
	सा० का० नि० 873 (ग्र) विनांक 10 नवस्वर, 1976	तदैव	केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के विक्त मंत्रालय (राजस्य धौर बीमा विभाग) की घछिसूचना सं० 170/75 केन्द्रीय उत्पाद मुल्क तारीख 26 जुलाई 1975 को विखण्डित करती है।		
	G.S.R. 873(E), dated the 10th Nov., 1976	Do.	Central Govt. hereby rescinds the notification of the Govt. of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 170/75-Central Excises, dated the 26th July, 1975.		
366.	G.S.R. 874(E), dated the 11th, Nov., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	A Corrigenda issued by the Govt. of India Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food), dated the 29th Sept., 1976.		
367.	सा० का० नि० 875 (घ) दिगोक 11 नवस्त्रर, 1976	विधि त्याय ग्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय	इस भावेश का नाम परिषय्-क्षेत्र परिसीमन (उत्तर प्रवेश) संशोधन भावेश 1976 है।		
	G.S.R. 875(E), dated the 11th Nov., 1976	Ministry of Law, Justice and Company Affairs	This order may be called the Delimitation of Council Constituencies (Uttar Pradesh) Amendment, Order, 1976.		
368.	सा० का० नि० 876 (म) दिनोक 12 नवस्बर, 1976	राजस्व मीर वैंकिंग विभाग	सीमा-शृह्कः टैरिफ प्रधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूधी के ग्रध्याय 91 के ग्रस्तर्गत बेल घड़ियों के संघटक युऔं भीर कैसों को, जब उन का ग्रायात पूर्ण रूप से बेल घड़ियों के विनिर्माण पर छूट।		
	G.S.R. 876(E), dated the 12th Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	Exemption on Component parts and cases of Braille Watches, solely imported for the manufacture of Braille Watches, falling within Chapter 91 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975.		
369.	सा० का० नि० 877 (म)	राजस्य भीर वैंकिंग विभाग	उक्त ग्रव्धिनियम की ब्रितीय श्रनुसूची में संशोधन।		
	दिनांक 13 नवम्बर, 1976 G.S.R. 877(E), dated the 13th Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	Amendment in the Second Schedule to the said Act.		
370.	सा० का० मि० 878 (भा)	 तदैव	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भौर नमक मधिनियम, 1944 की प्रथम मनुसूची		
	दिनांक 13 नवस्वर, 1976 G.S.R. 878(E), dated the 13th Nov., 1976	Do.	की मद संख्या 21 के भन्तर्गत ऊनी कपड़ों पर छूट। Exemption on Woollen fabrics falling under item No. 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944.		
	सा० का० नि० 879 (झ) विनांक 13 नवम्बर, 1976	~~तदैव~~	केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक भीर नमक भ्रधिनियम, 1944 की प्रथम भ्रनुसूची की मद सं० 21 के श्रधीन भीर इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्म (1) में विनिर्विष्ट ऊनी कपक्षो पर छूट।		
	G.S.R. 879(E), datd the 13th Nov., 1976	Do.	Exemption on Woollen fabrics falling under Item No. 21 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 and specified in Column (1) of the Table annexed hereto.		
371.	सा० का० नि० 880 (घ) विनोक 15 नवम्बर, 1976	कृषि भौर सिचाई मंत्राक्षय	भारत सरकार के कृषि भौर सिचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग) के झावेश सं० 845 (ई) तारीख 13 भक्तूबर, 1976 के साथ प्रकाशित धन्त:- क्षेत्रीय गेंहूं उत्पाद (संचालन नियंत्रण) झावेश, 1976 को विखंडित करती है। केन्द्रीय सरकार।		
	G.S.R. 880(E), dated the 15th Nov., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Central Govt. hereby rescinds the Inter-Zonal Wheat Products, (Movement Control) Order, 1976, Published with the order of the Govt. of India in the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) No. 845 (E) dated the 13th October, 1976.		
37 2.	सा० का● नि० 881 (म) दिनोक 16 नवम्बर, 1976	राजस्व भीर बैकिंग विभाग	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 की प्रथम अनुसूची की मद सं० 22 की उपमव (3) के अन्तर्गत हाई ईसिटी पालिए-		
	G.S.R. 881(E), dated the 16th Nov., 1976	Ministry of Revenue and Banking	थीलिन के बुने हुए फैबिकों पर छूट। Exemption on high Density Polyethelene Woven fabrics, falling under sub-Item (3) of item No. 22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944.		

973	सा० का० नि० 882 (म)	राष्ट्रस्य सौर वैकिय विभाग	केट्यीय उत्पाद शुरुक स्रोर नमक ग्रधिनियम, 1944 की प्रथम अनुसूची		
313	विनांक १७ लंबस्थर, 1976	राजस्य भार धाकार स्वकाश	की मद सख्या 17 की उपमद (1) के अन्तर्गत नीचे सारणी के स्तरा (2) में विनिद्धित ऐसे मृद्रण कागज को जिसमें सान्त्रिक काण्ठ लुगई की मात्रा रेणे (फाइचर) की माद्रा ने पचाल अतिकात से कम निर्द हो, तबा जो ऐसे पदार्थ का हो जो प्रस्थेक वर्गे मीटर 65 ग्राम		
	G.S.R. 882(E), dated the 17th Nov., 1976	Ministry of Revenue and Banking			
374	सार • कां¤ नि० 883 (घा) दिनांक 18 नवस्वर, 1976	स्क्रिमंडच समिनालय	इन विनियमो का साथ भारतीय शृत्तिस क्षेत्र (श्वीम्नति द्वारा नियुक्ति) तीसरा संशोधन विनियम, 1976 है।		
	G.S.R. 883 (E), dated the 18th Nov., 1976	Cabinet Secretariat	These regulation may be called the Indian Police Service (Appointment by Promotion) third Amendment Regulations, 1976.		
	G.S.R. 884(E), dated the 18th Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	Corrigondum in G.S.R. 833(E), dated the 7th October, 1976.		
	G.S.R. 385(E), dated the 16th Nov., 1976.	D o.	Corrigendum in G.S.R. 834(E), dated the 7th October, 1976.		
375.	सा ० का७ नि० ७४७ (छ) चिनोक 18 नवम्बर, 1976	तदैव	सा० का० नि० ৪33 (ग्रा) तथा सा० का० नि० 834 (ग्रा) का शुद्धिः पत्र		
378.	सा० का० निं∙ 887 (धा) विनोक 19 नवस्त्रर 1976	कृषि और सिंचाई अंक्रालय	इस घादेश का नाम शर्करा (1976-77 में उत्पादित शर्करा कीमत धब धारक) घादेश 1976 है।		
	G.S.R. 887(E), dated the 19th Nov., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	This order may be called the Sugar (Price Determination for 1976-77 Production) Order, 1976.		
57 7.	सा ० का० नि० 888 (धा) विमोक्त 20 नथस्वर 1976	कृषि भीर सियाई संज्ञालय	केन्द्रीय सरकार श्री ए० सी० तिवारी संयुक्त मचित्र, समिन्तित विक्त, भारत मरकार, कृषि भौर मिश्राई मंत्रालय (खाद्य विधाग), नई दिस्ली को श्री टी० सी० देल के स्थाम पर भारतीय खाद्य निगम के निदेशक बोर्ड में एक निदेशक के रूप में नियुक्त करती है। भौर भूतपूर्व खाद्य नथा कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) भारत सरकार की भौधसूचना संख्या सा० का० नि० 37, दिनांक 2 जनवरी, 1965 में संगोधक करती है।		
	G.S.R. 888(E), dated the 20th Nov., 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Central Govt. Appointment of Shri A.C. Tiwari, Joint Secretary, Integrated Finance, Govt. of India, Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food) New Delhi as a Director of the Board of Directors of the Food Corporation of India Vice Shri T.C. Dutt, and makes the following further Amendments in the Notification of the Govt. of India in the late Ministry of Food and Agriculture (Department of Food No. G.S.R. 37 dated the 2nd Jan., 1965.		
	G.S.R. 889(E), dated the 20th Nov., 1976	Department of Revenue and Banking.	Corrigendum in G.S.R. 769(E), dated the 28th August, 1976.		
378.	सा० का० नि० 890 (भ) विनांक 20 नक्ष्यर, 1976	राजस्य ग्रोर वैकिंग विधान	सा० का० नि० 769 में शुंखि पक्ष तारीख 20 ग्रगस्त, 1976 को		
379	सा॰ का॰ नि॰ 891 (घ) विनोक 22 नवम्बर, 1976	राजस्य ग्रीर वैकिंग विभाग	केन्द्रीय उत्पाद शुरूक नमक प्रधिनियम, 1944 की प्रथम की धमुसूची की भव सं० 1 की उपमद (1) के भन्तगैत चीनी पर छुट।		
	G.S.R. 891(E), dated the 22nd Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	Exemption on Sugar falling under Sub-Item (1) of Item No 1 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act 1944.		
380.	G.S.R. 892(E), dated the 22nd Nov. 1976	Ministry of Agriculture and Irrigation	Corrigendum in G.S.R. 815 (E)/ESS. Com./Sugarcane dated the 24th Sept., 1976.		

1	2	3	4
381.	सा० का० ति० 893 (भ) दिनाक 22 नवस्वर, 1976 G.S.R. 893(E), dated the 22nd Nov. 1976	राजस्व भौर बैकिन विभाग Department of Revenue and Banking	केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के राजस्व ग्रीर बैंकिंग विभाग की सारीख 1 मक्त्रवर, 1976 की भ्रधिसूच्या में संगोधन करती है। Central Govt. hereby makes the following Amendment in the notification of the Govt. of India in the Department of Revenue and Banking dated the 1st October, 1976.
382	सा० का० नि० 894 (घ) विनाक 23 नवम्बर, 1976 G.S.R. 894(E), dated the 23rd Nov., 1976	मिलाग्डल भविद्यालय Cabinet Secretariat	में विनियम भारतीय पुलिस सेवा (संवर्ध सच्या का नियतन) सोलहवां संबोधन विनियम, 1976 है। These regulations may be called the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Sixteenth Amendment Regulations, 1976.
	सा० का० नि० 895 (ग्र) दिनाक 23 नवस्थर, 1976	तदेव -	ये नियम भारतीय पुलिस सेवा (बेतन) सम्रह्मां सन्नोधन नियम, 1976
	G.S.R. 895(E), dated the 23rd Nov., 1976	Do.	These Rules may be called the Indian Police Service (Pay) Seventeenth Amendment Rules, 1976.
383.	सा० का० नि० 896 (म) दिनांक 23 नवम्बर, 1976	राजस्य मौर वैकिन विभाय	(राजस्य पक्क) की व्यक्षिस्थना स॰ 388 सीमाशुस्क, तारीख 2 मगस्त, 1976 में संबोधन ।
	G.S.R. 896(E), dated the 23rd Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	Amendment in (Revenue Wing) No. 388 Customs, dated the 2nd August, 1976.
384.	सा० का० मि० 897 (म) चिनांक 24 नवस्थर, 1976	राजस्य भौर वैंकिंग विभाग	1 नवम्बर, 1976 की प्रधिसूचना सं० 432- सीमाशुक्त [सा० का० नि० 860 (अ)] तथा तारीख 22 नवम्बर, 1976 की प्रविसूचना सं० 438-सीमा शुक्त [सा० का० नि० 893 (प्र)] हारा तथा संगोधित तारीख 1 प्रकृष्ट, 1976 की प्रधिसूचना सं० 414 सीमा- शुक्त [सा० का० नि० स० 830 (प्र)] में संगोधन।
	G.S.R. 897(E), dated the 24th Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	Amp 14mont in Notification No. 414-Cus. [G.S.R. No. 830(E)] dated the 1st October, 1976 as amended by Notification No. 432-Cus. [G.S.R. No. 860(E)], dated the 1st Nov., 1976, and 438-Cus. [G.S.R. No. 893(E)], dated the 22nd Nov., 1976.
385.	सा० का० नि० 898 (घर) विकास 2.5 सवस्वर, 1976	गृह मर्तालय	इस मादेश का नाम भाग्ध प्रदेश शिक्षा संस्था (प्रवेश-विनिवसन) द्वितीय संशोधन भावेश, 1976 है।
	G.S.R. 898(E), dated the 25th Nov., 1976	Ministry of Home Affairs	This order may be called the Andhra Pradesh Educational Institutions (Regulation of Admission) Second Amendment order, 1976.
386.	सा० का० नि० 899 (म) दिनांक 26 नजम्बर, 1976 G.S.R. 899(E),	राजस्य घौर वैंकिंग विभाग Department of Revenue and	केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त करार के सभी उपबन्धों को मार- तीय संघ में लागू किया आए। Central Govt. hereby directs that all the Provisions of the said
387-	dated the 26th Nov., 1976 सा॰ का॰ नि॰ 900 (म)	Banking स्वास्थ्य भीर परिवार नियोजन मल्लालय	Agreement shall be given effect to in the union of India. इन नियमो का नाम खाद्य अपमिश्र निवारण (संशोधन) नियम, 1976
	विनोक 27 मवस्वर, 1976 G.S.R. 900(E), dated the 27th Nov., 1976	Ministry of Health and Family Planning	These Rules may be `called the Prevention of Food Adulteration (Amendment) Rules, 1976.
.388	मा ० का० नि० 901 (म)	प्रिक्षा, तथा समाज करयाण मंत्रालय	निम्नलिखित सारणी के कालम 1, 2 तथा 3 में यथानिदिण्ट कमका:
	दिनांक 27 नवस्थर, 1976	والمراجع المراجع المرا	तारीख, समय तथा स्थान निर्धारित है।
	G.S.R. 901(E), dated the 27th Nov., 1976	Ministry of Education and Social Welfare	Appointment the date time and place as specified in columns 1, 2 and 3 of the Table given below.
389-	सा॰ का॰ नि॰ 902 (भ)	राजस्य ग्रीर वैकिंग विभाग	सीमा-शुस्क टैरिफ प्रधिनियम, 1975 की प्रथम प्रनुसूची के प्रधीन (एक
	विनांक 27 नवस्वर, 1976 G.S.R. 902(E), dated the 27th Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	हजार स्पर्ये सक) की दान की बस्तुमो पर छूट। Exemption on Articles of Gift (upto rupees One Thousands in value) under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975.
390.	सा० का० मि० 903 (ग्र) विकाक 29 नवस्यर, 1976	राजस्य गीर बैंकिंग विभाग	भ्रधिसूचना सं० 228 सीमा शुल्क तारीख 2 भ्रगस्त, 1976 में संशोधन।
	G.S.R. 903(E), dated the 29th Nov., 1976	Department of Revenue and Banking	Amendment in the notification No. 228 Customs dated the 2nd August, 1976.

गृह मंश्रालय

मई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1976

सा० का० कि० 69:—राष्ट्रपति, सविधान के धनुच्छेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुये, गृह मंद्रालय मे विशेष कार्य प्रधिकारी (ए० एन० एल०) के पद की भर्ती को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम एतद्द्वारा अभाते हैं, प्रधात्—

- 1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ ---(1) इन नियमों का नाम गृह मलालय में विशेष कार्य प्रधिकारी (ए० एन० एल०) भर्ती नियम, 1976 है।
- (2) ये नियम शासकीय राजपन्न में प्रकाशित होने की तारीख को प्रयुत्त होगे।
- 2 पदो की संख्या, वर्गीकरण श्रीर बेतनमानः उक्त पद की सख्या, असका वर्गीकरण श्रीर उसका बेतनमान वेहोगे जो इन नियमों के साथ संलग्न श्रनुसूची के कालम 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।
- 3. भर्ती की पश्चिति, श्रायु-सीमा, योग्यताएं श्रावि.—उक्त पद पर भर्ती की पश्चिति, श्रायु-सीमा योग्यताएं और उससे संबंधित श्रन्य बातें वे होगी जो उक्त श्रनुक्षुची के कालम 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4. शिथिल करने की शक्ति → अहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावश्यक या समीचीन है वहा वह उसके लिये जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध करके, सब लोक सेवा श्रायोग के परामर्ण से, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्गया प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबस, श्रादेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।
- 5. प्रपदाद .— इन नियमों की किसी बात का, इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के धनुसार अनुसूचित जातियों तथा धनुसूचित आदिम जातियों और अन्य विशिष्ट वर्गों के व्यक्तियों के लिये अपेक्षित आरक्षणों और अन्य रियायतो पर, कोई प्रभाव नहीं पहुँगा।

अनुसूची गृह मंत्रालय में विशेष कार्य मधिकारी (ए० एन० एल०) के पद के लिये मर्ली मियम

पद का भाम	पद्यों की वर्ग संख्या	किरण	वेतनमान	चयन पद है भयवा गैर-चयम पद		मायु मपेक्षित शैक्षि	वाले उम्मीववारो से कतथा ग्रन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6		7
विशेष कार्य भक्षिकारी (ए०एन० एल०)	1 सामान्य ग्रुप	ंकेन्द्रीय सेवा 'ए'	1100-50-160	0 लागूनही होता	लागू नही	होता लागूनही	ा होता
क्या सोधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित भ्रायुतथा योग्यताएं पदोस्रति धाले उम्मीदवारों पर भी लागू होगी।	परित्रीक्षाकी मर्घा यदिकोई हो ।	धे भर्ती की विशि द्वारा, या स्थामान्तरण विभिन्न विधिय वाली रिक्तियो	प्रतिनियुक्ति/ द्वारा तथा ोसेभरी जाने	यदि पदोक्षति/प्रतिनियिषे द्वारा भर्ती होनी जिनसे पदोक्षति/प्रतिनिय् किया जाना है।	हो तो वे ग्रेड	पदोश्चति समिति हो	भर्ती के लिये संघ
8	9	1	0	11		12	13
लागू महीं होता	लागू नही होता	प्रतिनियुक्ति ए स्थानान्तरण	ार स्थानान्तरण/ द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरणः— केन्द्रीय सरकार/राज्यसंघ शासित क्षेत्रों के पदों पर कार्य का वित्तममान के पदों पर किया वाले वित्तममान के पदों पर 8 वर्ष की निधिकारी जो झंडर द्वीप समूह तथा लक्ष्म प्रमानानिक समस्य स्थितियों से परिषि नियुक्ति की झंडर वर्ष के परिषि नियुक्ति की स्थितियों से परिषि नियुक्ति की स्थितियों हो परिषि वर्ष से झिका मही ही	अधीन सावृश्य हो, या 700- उसके समकक्ष गर 4 वर्ष की गा 650-1200 सनमान के पदों यमित सेवा वाले गान व निकोबार स्वद्वीप मे व्याप्स गामो क परि- गत हो (प्रति- ग्र सामान्यतः 3	लागू नही होता	किसी राज्य सरकार/ संघ पासित क्षेत्र के प्रधीन कार्य कर रहे किसी प्रधिकारी या केन्द्रीय सरकार के प्रधीन काम कर रहे युप 'बी' के प्रधि- कारी की नियुक्ति करते समय संघ लोक सेवा श्रायोग से परा- मर्श करना श्रीवस्थक होगा।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 23rd December, 1976

- G.S.R. 69.—In exercise of the powers conferred by the provieso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Officer on Special Duty (ANL), Ministry of Home Affairs, namely:—
- 1. Short title and comencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Home Affairs, Officer on Special Duty (ANL), Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attach-

- ed thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.— The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.
- 4. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 5. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE Recruitment Rules for the Post of Officer on Special Duty (ANL) in Ministry of Home Affairs

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or Non- Selection Post	Age limit direct rec			nal and other qualifi- equired for direct recruits
1	2	3	4	5	6			7
Officer on Special Duty (ANL)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 1100-50-1	1600 Not Applicable	Not appl	licabl e	N	ot Applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	n, by direct rec motion or by transfer and of the vaca	rectt, whether tt. or by pro- y deputation/ l percentage ancies to be ious methods	In case of rectt. by prodeputation/transfer from which promotion for/deputation to be a	grades on/trans-	If a D what i compos	s its	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.
8	9	1	0	11		1	2	13
Not Applicable	Not Applica	•	on deputa-	holding analogous or with 4 years repvice in posts in to of Rs. 700-1300 or lent or with 8 year service in posts in of Rs. 650-1200 or lent and conversan	Central Govern- erritories posts gular serthe scale requivate scale requivate with the problems vailing in Nicobar hadweep, jon shall	,	plicable	Consultation with the U.P.S.C. will be necessary while appointing an officer under a State Government/Union Territory of a Group B Officer under the Centra Govt,

नई दिल्ली , 30 दिसम्बर, 1976

सा० का० कि० 20. राष्ट्रपति, संविधान के अनुकड़ेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, खुफिया म्यूरो (लेखापाल और कनिष्ट लेखापाल) भर्ती नियम, 1973 में और संगोधन करने के लिए किम्नलिखित नियम बनाते हैं, भर्यात ——

- (1) इन नियमो का नाम खुफिया ब्यूने (लेखापाल घोर कनिष्ट लेखापाल) भर्ती (संशोधन) नियम, 1977 है।
 - (2) ये राजपस्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- बुफिया ब्यूगो (लेखापाल झौर कनिष्ट लेखापाल) भर्ती नियम,
 1973 की अनुसुखी में लेखाकाण के पद सम्बन्धित प्रविष्टियों में,—
 - (1) स्तम्भ 11 में, प्रविष्टि (क) के स्थान पर निम्निर्माण रखा जाएगा, ग्रंथीत —

"(क) प्रोक्सति

- (i) ऐसे किन्छट लेखापाल जिन्होंने, खुफिया अपूरों में किन्छट लेखापाल के रूप में कमसे-कम मात वर्षे सेवा की हो, जिसमें से कम-से-कम तीन वर्षे स्थायी ग्रामेलन के पण्चान् की गई हो ग्रीर जिन्होंने प्रधीनम्य लेखा-सेवा या कोई समतुख्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो----80 प्रतिशत;
- (ii) ऐसे कलिक्ट लेखापाल जिल्होने, खुफिया स्पूरो मे अनिक्ट लेखापाल के रूप में कम-से-कम मात क्षे सेवा की हो, जिसमें में कम-से-कम तीन वर्ष, स्थायी अञ्चलम के पण्यात् की गई हो—20 प्रतिशत"।
- "(2)" स्तम्भ" 12 मे, विद्यमान प्रविष्ट के स्थान पर निम्निक्षित रखा जाएगा, प्रथति .—

"समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में संयुक्त उप-सिवेशक की पत्ति से अनिम्न कोई अधिकारी अध्यक्ष होना और संयुक्त महायक निवेशक की पिक्त संग्रन्तिन्न दो अधिकारी सवस्य होगे।"

> [संख्या 5/एस॰ ग्रो॰/(सी)/75 (19)-पर्स-I] पी॰ कें॰ जैंगै॰ कैंमल, भवंर समिव

New Delhi, the 30th December, 1976

- G.S.R. 70—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Intelligence Bureau (Accountants and Junior Accountants) Recruitment Rules, 1973, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Intelligence Bureau (Acountants and Jungor Accountants) Recruitments (Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette
- 2. In the Schedule to the Intelligence Bureau (Accountants and Junior Accountants) Recruitment Rules, 1973, in the entries relating to the post of Accountant,—
- (1) In column 11 for the existing entry "(a)" the following shall be substituted, namely:—

"(a) Promotion

(i) Junior Accountants who have rendered not less than seven years service as Junior Accountant in the Intelligence Bureau out of which not less three years has been rendered after permanent absorption and have pased the Subordinate Accounts Service or an equivalent examination—80 per cent

- (ii) Junior Accountants who have rendered not less than seven years service as Junior Accountant in the Intelligence Bureau out of which not less than three years has been rendered after permanent absorption—20 per cent".
- (2) In column 12 for the existing entry the following shall be substituted, namely:—
 - "Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of an officer not below the rank of Joint Deputy Director as Chairman and two officers not below the rank of Joint Assistant Director as members".

[No. 5/SO/(C)/75(19)-Pers-1] P. K. G. KAIMAL, Secy

वित्त मंत्रासय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नर्ष्ट्र विल्खी, 17 विसम्बर, 1976

सा॰ का॰ नि॰ 71 सविधान के अनुष्छेद 309 के परम्तुक के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एत्सद्वारा इंडिया सिक्यूरिटी प्रेस (श्रेणी I तथा श्रेणी II के पद) भर्ती नियमावली, 1968 में भ्रोर मागे संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रयति —

- 1 (1) इस नियमावली को इंडिया सिक्यूरिटी प्रेस (श्रेणी I भौर श्रेणी II के पद) भर्ती (संबोधन) नियमावली, 1976 कहा फाएना;
- (2) ये सरकारी राजपत्न में इतके प्रकाशित किए जाने की तारीख से लागु होने।
- 2. इडिया सिक्य्रिटिटी प्रेस (श्रेणी I तथा श्रेणी II के पद) भर्ती नियमावली, 1968 की धनुसूची में समृद्ध II के धन्तर्गत कालम 12 में सहायक स्टाम्य नियंत्रक के पद से सम्बक्षित मद सक्या 8 में वर्तमान प्रवृद्धियों के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पणी दर्ज की जाए, प्रथीत्-

"हिष्पणी: जब भी विभागीय पदोन्नात समिति को पदकम में सीधे भर्ती किए गए कर्मचारी के स्थायीकरण के मासके पर विचाद करना. हो तो सघ लोक सेवा सायोग के प्रध्यक्ष या किसी सबस्य का इस कार्य में सहयोग प्राप्त किया जाएगा भीर वह विभायीय पदोन्नान समिति की बैठक की प्रध्यक्षता करेगा।"

[सक्या एफ० 5(45)-75-करेंसी] एस० के० सल्होजा, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE (Deptt. of Economic Affairs)

New Delhi, the 17th December, 1976

- G.S.R. 71.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the India Security Press (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—
- 1 (1) These rules may be called the India Security Press (Class I and Class II Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. In the Schedule to the India Security Press (Class I and Class II Posts, Recruitment Rules, 1968, under Group II, in item 8 relating to the post of Assistant Controller of Stamps, in column 12, after the existing entry, the following Note shall be inserted, namely:—

"Note: Whenever the Departmental Promotion Committee is to consider the case of confirmation of a

direct recruit in the grade, the Chairman or a Member of the Union Service Commission will be associated with it and he will preside over the meeting of the Departmental Promotion Committee."

[No. F. 5(45) 75-CY]

L. K. MALHOTRA, Under Secy.

योजना मंत्रालय (सांवियकी विमाग)

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1976



सा० का० नि० 72.—संविधान के धनुक्छेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा राष्ट्रपति एमत्द्वारा सांवियकी विभाग तथा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण निर्देशालय (चतुर्थ श्रेणी पव) भर्ती नियम, 1970 का अधिक्रमण करते हुए राष्ट्रपति एतत्वारा योजना मञ्जालय सांवियकी विभाग, के श्रेष्ठ संकार्य प्रभाग, रा० प्र० मर्वे० सं० के मक्यालय में कतिपय वर्ग 'डी०' के पदो पर भर्ती पद्धति को विमयमित करने वाले निम्नलिखन नियम बनाते हैं, प्रयति:—

- 1 संक्षिप्त शीर्षक तथा कार्रभ (1) ये नियम राष्ट्रीय प्रतिवर्श सर्वेक्षण संगठन,क्षेत्र सकार्य प्रभाग (मुख्यालय में वर्ग 'डी॰' के पव) भर्ती नियम, 1976 कहलाए जाये ।
 - (2) ये नियम भारत के राजपत्न में अकाशित होने की तारी खा से सामू होगे।
 - 3 अनुप्रयोग '—ये नियम इससे उपाबद अनुसुबी के कालम 1 में विनिर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।
- 3 पद-संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान:—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे संखयन वेतनमान वे होगे जो उक्त धनुसूची के 2 से लेकर 4 सक के कालमों में दिए गए है।
- 4. भर्ती की पद्धति, ग्रायु-मीमा भीर ग्रन्य ग्रहेंताएं भादि:—-उक्त पदो पर भर्ती की पद्धति, भायु-सीमा, महेंताएं और उनसे सम्बद्ध अन्य काते वे होंगीजो पूर्वीक्त ग्रनुसूची के 5 से लेकर 13 तक के कालमो में विनिर्दिष्ट हैं।
 - 5 निरहैंनाएं:---(क) कोई व्यक्ति जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह करता है या विवाह की संविद्या करता है जिसका कि एक पित/जिसकी कि एक पत्नी की विवाह को संविद्या करता है जिसका कि एक पत्नी की विवाह को संविद्या करता है जिसका कि एक
 - (ख) कोई व्यक्ति जो कि पति/पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता है / करती है प्रथवा विवाह की संविदा करता है/ करती है ।

सेवा में नियुक्त का पान नहीं होना:

बणतें कि केन्द्रीय सरकार यदि इस बात से संतुष्ठ हो जाए कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के ग्रन्य पक्षकार पर लागू होने धाले बैवाहिक कानून के शन्तर्गत इस प्रकार का विवाह धनुत्रीय है तथा ऐसा करने के लिए कुछ ग्रन्य कारण भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे भकती है।

- 6. स्ट्रेट देने की गक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना भावध्यक का समीवील है वहां यह उन कारणो से जो लेखबढ़ किए जायेंगे भावेश द्वारा व्यक्तियो भ्रथवा पदो के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन निवसों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेंगी।
- 7. ज्यावृत्तिः— इन नियमो में से कोई भी नियम, इस बारे में ममय समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आवेशो के अनुसार अनुभूचित जातियों भीर अनुभूचित जन-जातियों और अन्य विशेष प्रवर्गी के व्यक्तियों के लिए प्रदान किए जाने वाले भारक्षणों भीर अन्य रियायतो पर प्रभाव नहीं डालेगा।

मनुसूकी

पद का नाम	पदो की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	प्रवरण पदम्रथंका अप्रवरण पद	सीधी भर्ती वाले व्यक्तियो के लिए द्यायु सीमा	सीधी भर्ती वालो के लिए अपेक्षित शैक्षित भीर म्रन्य महेताएं
1	2	3	4	5	G	7
1 दफ्तरी पुस्तका- लय परिचर	16	सामान्य सेवा वर्गे 'डी०' (श्रराजपन्नित)	200-3-206-4-234- द० रो०-4-250	भप्रवरण	25 वर्ष से ग्राधिक नहीं	मिडिल पास
2. चपरासी	35	यथोपरि	19 6-3-220-ব ০বাঁ০ 3-232	लागूनही होता	–थमोपरि∽	यथोपरि-
3 फ राश	2	–यथोपरि–	–यथोपरि−	–य थो परि	यद्योपरि	वाष्ठमीय : प्राइमरी पाम
4. जमादार (स्वीपर) 2	⊸यथोपरि–	–यथोपरि–	–यथोपरि⊶	–यथोपरि∽	<i>–थ</i> थोपरि–
5 चौ कीदार	2	–यथोपरि⊶	यथोपरि	–यघोपरि−	–ग्रथोपरि−	—यथोपरि— वाछनीय —-प्रांडमरी वासं, अंॐ डील-डील

क्या सीधी भर्ती वालों के लिए निर्धा- रित भागुतथा शैक्षिक भहुंताएं पद्मोन्नति किए जाने वाले व्यक्तियों के संबंध में भी लागू होंगी	परिवीक्षाकी भवधि यदि कोई हो	पदोन्नति से मथवा प्रतिनियुक्ति/	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किए	समिति विश्वयमान है	वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने में सर्घ लोक सेवा भागोग से परामर्श करन है
8	9	10	11	12	13
1. नहीं	2 वर्ष	स्थामान्तरण द्वारा और दोनों के न होने पर सीधी भर्ती ारा	की हो स्थानांतरण. केन्द्रीय या राज्य सरकार के झक्षीन इसी प्रकार के या समकक्ष पदों पर कार्य कर रहे तथा कालस 7	वर्ग 'डी' (ध्रराजपन्निस)	
2 लाग् महीं होता	2 वर्ष	(क) 25 प्रतिशत स्थानांतरण के द्वारा जिसके न होने पर सीधी भर्ती द्वारा (खा) 75 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा जिसके न होने पर	स्थानातरणं :केन्द्रीय सरकार ग्रथना राज्य सरकारों के ग्रधीन कार्य कर रहेस्बीपरों, फराशों ग्रौर चौकीदारों तथा वर्गे 'डी' के ग्रस्य सम- कक्ष कर्मेचारियों का स्थानांतरण, जो प्राथमिक साक्षरतः रखते हो	कार्यं करता हो) सदस्य-सभिव	लागृमही होता
		स्थानतिरण द्वारा	तथा साधारण परीक्षा के द्वारा हिन्दी पढ़ने की योग्यता का प्रमाण दे सके तथा जिन्होने मूल केटर में 5 वर्ष की सेवा की हो		
3. लागू नहीं होता	2 বর্ষ	सीधी भर्ती के द्वारा जिसके न होने परुस्थानान्तरण द्वारा	स्थानीतरण — केन्द्रीय सरकार के प्रधीन इसी प्रकार के अथवासमकक्ष पदों पर कार्य कर रहे तथा काल्य 7 में विनिधिष्ट प्रहेता रखने वाले व्यक्तियों का स्थानांतरण	लागूनहीं होता	लाग् नहीं हीता
4. ययोपरि	2 वर्ष	–यथोपरि	–यद्योपरि∽	यथोपरि	य थोप रि
5. यशोपरि-	2 वर्षे	यथोपरि	–यथोपरि∽	~य यो परि~ूँ	~यथोपरि∽

MINISTRY OF PLANNING (Department of Statistics)

New Delhi, the 20th December, 1976

- G.S.R. 72.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Directorate of National Sample Survey (Class IV posts) Recruitment Rules, 1970, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certian Group 'D' posts in the Headquarters Office of Field Operations Division, National Sample Survey Organisation, Department of Statistics, Ministry of Planning, namely:—
- 1. Short title and commencement—(1) These jules may be called the Field Operations Division, National Sample Survey Organisation (Group 'D' posts in the Headquarters Office) Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

- 4. Method of recruitment, age limit and qualifications etc The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other, matters relating thereto shall be specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.
 - 5 Disqualifications.-No person,
 - (a) who has entered into a contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operations of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders assued by the Central Government from time to time in this regard.

			SCHE	EDULE				
Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non- Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational cations re- recruits		ualifi- direct
1		3	4	5	6	7		
I. Dastry/Library Attendant	16	General Central Group D Non-Gazotted	Rs. 200-3-206-4- 234-EB-4-250.	Non- Selection	Not exceeding 25 years	Middle Scho	el Standard Pa	'ass
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of Promotees	Period of probation	on ment whether direct recruit or by prom or by deput or transfer percentage of vacancies to	r by promotion or ment transfer grade otion promotion or ation transfer to be a and	r deputation es from whi r deputation	ich ists what is	ommittee ex- its composi-	Circumstances which Union I Service Comm is to be cons in making re ment	ussion sulted
8	9	10		11		2	13	·
No	2 years	By prom failing which transfer and ing both by recruitment	fail- quarters Off direct derod at les in that grad Transfer: Transfer of similar or under the	porsons hold equivalent po Central or St t and possess	ad- (Non-Gazet en- mental Pro- ice mmittoo rector (Headquart ing Administra sits ate An officer t ing from anoth in ment prefe duled Caste Accounts-or trative Off with Grou	tive OfficerMember to be co-opted	Not Applicab	ole

SCHEDULE.

1	2	3	4	5	6	7
2. Peon	35	General Central Group D (Non-Gazetted)	Rs. 196-3-220-EB- 3-232.	Not Applicable	Not exceedi 25 years	-
3. Farash	2	-do-	-do-	Not Applicable	-do-	Desirable: A pass in primary school standard
4. Sweeper	2	-do-	-do-	Not Applicable	-do-	-do-
5. Chowkidar	2	-do-	-do-	Not Applicable	-do-	Desirable: A pass in primary school standard A good physique.
8	9			.1	12	13
Not Applicable	2 years	(a) 25% by tra			Not Applica	ble Not Applicable
		fer, failing wi by direct recoment (b) 75% by di recruitment ing which transfer	ruit- Chowkidar valent Gro irect under the fail- ment or S by who posses racy and give to read in simple test	weepers, Farashos, and other equi- oup D employees Central Government is elementary lite- we proof of ability in Hindi through a and have put in evice in the parent		
Not Applicable	2 years	by direct recoment (b) 75% by directuitment ing which transfer	ruit- Chowkidar valent Gro irect under the fail- ment or S by who posses racy and give to read in simple test 5 years ser cadre. Transfer: Transfer of similar or under the ment and	and other equi- tup D employees Central Govern- state Government s elementary lite- re proof of ability h Hindi through a and have put in rvice in the parent	Not Applica	ble Not Applicable
Not Applicable	2 years 2 years	by direct recoment (b) 75% by directuitment ing which transfer Direct Recoment failing w	ruit- Chowkidar valent Gro irect under the fail- ment or S by who posses racy and give to read in simple test 5 years ser cadre. Transfer: Transfer of similar or under the ment and	and other equi- top D employees Central Govern- state Government is elementary lite- re proof of ability a Hindi through a and have put in vice in the parent persons holding equivalent posts Central Govern- possessing qualifi-	Not Applica	

[No. A-12018/1/70-NSS.I(ii) Vol. I]

सा॰ का॰ कि॰ 73:—सिवधान के ब्रमुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्दारा योजना संवालय, सोख्यकी विभाग के भ्रंतर्गत राष्ट्रीय प्रतिवर्ण संगठन , क्षेत्र संकार्य प्रभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों में किनपय 'डी' वर्ग के पदो पर भर्ती पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रधात्.——

- सिक्षाप्त शीर्षक तथा प्राचन.→─(i) ये नियम क्षेत्र संकार्यं प्रभाग, राष्ट्रीय प्रतिवर्श सर्वेक्षण संगठन (क्षेत्रीय कार्यालय में "डी" वर्ग के पव) भर्ती नियम,
 1976 कत्रे जायें।
 - (ii) येनियम भारत के राजपन्न मे प्रकाणि रेहोने की नारीख सेलागृ होगे ।
 - 2. प्रमुख्योग .---ये नियम इससे उपाजक प्रमुखी के कालम 1 में विनिविष्ट पदों पर लागू होंगे।
- 3 पव-संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमानः:~--उक्त पदो की सख्या, उनका वर्गीकरण और उनसे संलग्न वेतनमान वे होगे जो उक्त अनुसूची के 2 से लेकर 4 तक के कालमों में विए गए हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और श्रन्य अर्हताएं श्रादि उक्त पर्श पर भर्ती की पद्धति, श्रायुसीमा, श्रहंताए और उनसे सम्बद्ध भन्य बार्ते वे होंगी जो पूर्वोक्त श्रमुख्यी के 5 से लेकर 13 तक के कालमों में विभिविष्ट हैं।
 - 5 निर्रहेनाएं:—(क) कोई व्यक्ति जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह करना है या विवाह की संविदा करना है जिसका कि एक पत्नी जीवित हो, सेवा मे नियुक्ति का पास नही होगा, श्रयवा
 - (ख) कोई व्यक्ति जो कि पति/पत्नी के जीवन रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करना है/करती है अथवा विवाह की संदूदा करता है/करसी है: सेवा में नियुक्ति का पान्न नहीं होगा।

यशर्ते कि केन्द्रीय सरकार यदि इस बात से सतुष्ट हो जाए कि ऐसा व्यक्ति तथा विवाह के घन्य पक्षकार पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के भ्रतर्गत इस प्रकार का विवाह भ्रतुक्षेय है तथा ऐसा करने के लिए भ्रन्य कारण भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

6. छूट देने की शक्तिः → जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना मावश्यक या सभीचीन है वहा वह उन कारणों में जो लेखबढ़ किए जायेंगे भादेश द्वारा व्यक्तियों अथवा पदो के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी णिणिल कर मकेगी।

7 व्यावृत्ति — इन नियमो मे से काई भी नियम, इस बारे में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा आरी किए गए ग्रादेशों के ग्रनुसार ग्रानुसूचित जातियों ग्रीर भनुपूचित जन-जातियों ग्रीर भन्य विशेष प्रदर्गों के व्यक्तिया के लिए प्रदान किए जाने वाले ग्रारक्षणों ग्रीर ग्रन्य रियायतो पर प्रभाव नहीं डालेगा।

	·			अनुसूची				_			
पदंकानाम	पद्यों की <i>व</i> सक्या	र्गीकरण	वित्नमान	प्रवरण पद प्रथवा अप्रवरण पद	सीधी भर्ती वाने के लिए ग्रायु-स		सीधी भ गैक्षित			लिए झ भहेंत	
1	2	3	4	5	6		_ _	7			
। दफ्सरो	धर्ग	प्रकेन्द्रीय सेवा कर ं 'डी' (ग्रगज- व्रत)	, 200-3-226-4 द०गे०-4-250	- 2 उ. 1-भ्राप्रवरण	2.5 वर्ष से श्रा	 धिक नही	मिडिल	स्कूल	 पास		
3 चारशमी ——— - ∕	210	थोपरि- हर	२ १९६-३-२२०- व ३-२३२ ————	० गो०-ग्रप्रवरण	-यथोपरि 	_	<u>-</u> य	योपरि-			
क्या सीधी भर्ती बालों के लिए निर्धा- रित ग्रायु नथा गैंक्षिक ग्रह्नाए पद्मोन्नति किए जाने वाले व्यक्तियों के सबध में भी लागू होगी	परियोक्षा क प्रबंधि, यदिकोर्ड प्रो		तथा विभिन्न भरा जानेवाली	पदाश्चित/प्रीतिनियुक्त/र भर्गी किए जाने पर र पदोश्चित/प्रतिनियुक्त/ किए जाने है	ये ग्रेड जिनसे	यदि विभा समिति वि तो उसक है	खवामान	ेहै प क्या	——— परिस्थि भर्ती कर लोक सेव परामर्ग	ने मे ग्राधाय	सब् ोग रे
8	c)	1	0	11		- 	1 2		 -	1.	 З
मही	2 वर्ष	पदोम्नानि द्वारा हि स्थानीनरण द्वार पर सीधी भर्गी	ा, दोना के न होने	पदोन्नित — सपरासियों करके जिन्होने उक्तः कम 3 वर्ष की स्थानातरण — केन्द्रीय/र मधीन इसी प्रकार है कर रहे सथा काल विष्ट ग्रहना रखमे का स्थानांतरण।	ग्रेड मे कम में मेवा की हों। गम्य सरकार के केपद पर कार्य म 7 मे विनि-	मामान्य वर्ग डी० (विभागीय ममिति महायक विभा प्राच्य/ व के विभा प्राधिकारी जित वि यदि उपम प्रानुसूचित व्यक्ति के जाए— स क्षेत्रीय का मय का मदस्य	(प्रराजपां पदीः उक्त क्षेट नवेशक श्रीय स गो से क्षा क्षा क्षा क्षा जानि तरणीः दस्य यंलय के	तित) श्रिति श्रिति श्रितार एक स्ट्रिया- जाए, तो के र्दा	उपमध्य	नष्टी	1
लागृनद्वी होता	2 वर्ष	भती द्वारा	न होने पर सीधी गर्म सीधी भर्ती न होने पर	स्थानातरण ——केन्द्रीय र राज्य सरकार के फराश, जीकीदार के भन्य समकक्ष का स्थानातरण ज साक्षरता रखते हो व परीक्षा के द्वारा वि याग्यता का प्रमाण जिन्होन सूल कैंडर की सेवा पूरी कर	अधीन स्वीपर, और वर्ग 'डी' कर्मजारियों नो प्राथमिक तथा साधारण हेन्दी पकृने की देसके तथा में 5 वर्ष	लागू नही	ंहोता	,	पागृनही	ा होता	

1	2	3	4	5	6		7	
उ चौ कीदार	18	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग 'डी' ग्रराजपन्निस	ৰ্ 196-3-220- 3-232	— भ्रावर्ण ————————————————————————————————————	2.5 वर्ष से भधिक नहीं		— प्राइमरी धील- डो ल —	स्कूल पास
8		9	10	11		12	1	3
लागू नहीं होता।	2 বর্জ		द्वारा जिसके न होन नान्तरण द्वा रा	स्थानांतरण — केंन्द्रीय स राज्य सरकार के व इसी प्रकार के प्रथ पदो पर काम कर जो कालम 7 में ि साए रखने हो, का	त्त्रयालया में वा समकक्ष रहे ज्यक्ष्मियो नर्धारित झई-	नहीं होता	পায় નર્શ	ो होता

[स॰ ए॰ 12018/1/70 रा॰प्रा• सर्वे॰ (i1) खण्ड-1] बी॰ डी॰ ग्राहजा, भनर समिव

- G.S.R. 73.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Group D posts in the Regional Offices of Field Operations Division, National Sample Survey Organisation in the Department of statistics, in the Ministry of Planning, namely.—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Field Operations Division, National Sample Survey Organisation (Group D posts in the Regional Offices) Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed thereto.
- 3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit and qualifications etc—The method of recruitment to the said posts age limit, qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

- 5 Disqualifications.—No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.
- 7. Saving—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or Non- Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifi- cations required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Daftry	30	General Central Service Group D Non-Gazettod	Rs. 200-3-206-4- 234-EB-4-250.	Non- Selection	Not exceeding 25 years	Middle School Standard Pass.
2. Peon	210	-do-	Rs. 196-3-220-EB- 3-232.	Not applicable	-do-	-do-
3. Chowkidar	18	General Central Service Group D (NonGazetted)	-do-	-do-	-do-	Desirable: A pass in primary School Standard A good physique.

Whether age and educational quali- fications prescrib- od for direct re- cruits will apply in case of Promo- tees	Period of probation	Method of recruit- ment whether by direct recruitment or by pro- motion or by deputa- tion or transfer and percentage of the va- cancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion or deputation or transfer grades from which promotion or deputation or transfer to be made	motion Committee exists	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruit- ment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By promotion failing which by transfer, failing both by direct recruitment.	Promotion: By promotion of peons who have rendered at least 3 years service in that grade Transfer: Transfer of persons holding similar posts under the Central/State Government and possessing qualification prescribed in column 7.	Departmental Promotion Committee: Assistant Director of the Region- Chairman An officer to be coopted from State/Central Go- vernment Departments	Not applicable
Not Applicable	2 years	 (a) 25% by transfer, failing which by direct recruitment (b) 75% by direct recruitment, failing which by transfer 	Transfer: Transfor of Sweepers, Farashes, Chowkidars and other equivalent Group D employees under the Central Govt. or State Government who posses elementary literacy and give proof of ability to read in Hindi through a simple test and have put in 5 years service in the parent cadre.	Not applicable	Not applicable
Not applicable	2 years	Direct recruitment failing which by transfer.	Transfer: By transfer of persons holding similar or equivalent posts under the Central Government or State Government offices and possessing qualifications prescribed in Column 7.	Not applicable	Not applicable

[No. A-12018/1/70-NSS, I(ii) Vol. I] V.D. AHUJA, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1976

सा० का० नि० 74:—-राष्ट्रपति, सिवधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए योजना आयोग में प्रमुख (मानीटरी, मूल्यांकन और सूचना) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनिर्धामन करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हे प्रथीत् :—

- ा. सक्षिप्त नाम भौर प्रारूप:---(1) इन नियमो का सक्षिप्त नामयोजना भायोग प्रमुख (मानीटरी मूल्योकन भौर मूचना) भर्ती नियम, 1976 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
- पद संख्या, वर्गीकरण भौर वेतनमान:--उक्त पद की मख्या, उसका वर्गीकरण श्रौर उसका वेतनमान में होगे जो इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिधिष्ट है।
- 3 भर्ती की पढ़ित, मायु-सीमा, प्रह्नाएं मादि:—-उक्त पद पर भर्ती की पढ़ित, मायु-सीमा, प्रह्नाएं भौर उससे सब्धित मन्य बाते वे होगी जो पूर्वोक्त भनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 नक में विनिविष्ट हैं।
 - निर्रहताएं:--वह व्यक्ति,---
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पनि या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (अप) जिसने अपसे पति या श्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो ; उक्त पद पर नियुक्ति का पास नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति श्रौर विवाह के ग्रन्थ पक्षकार को लागृ स्वीय विधि के प्रधीन प्रनुर्शय है प्रौर ऐसा करने के लिए ग्रन्य श्राक्षार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

- 5. शिथिल करने की शक्ति'~-जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना धावण्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबढ़ करके तथा संघ लोक सेवा धायोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, धादेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।
- 6. व्यावृत्तिः-−६न नियमों की कोई भी जात ऐसे ग्रारक्षणों श्रीर ग्रन्थ रियायलो पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में ु समय-समय पर निकाले गए श्रावेशों के श्रनुसार ग्रनुसूचित जातियों, श्रनुसूचित जनजातियों भीर श्रन्थ विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना भ्रमेक्षित हैं।

ग्रन् म् ची									
पद का नास	पदों की सख्या		वेतनमान	चयन पद सथवा स्रचयन पद		सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियो के लिए गैक्षि क स्रौर झन्य श्रहेताएं			
1	2	3	4	5	6	7			
	गक	साधारण केन्द्रीय सेव। समृह 'क' राजपिंद्यत	2000-125/2-2250 ₹	o लागू नही होता	15 वर्ष से अनिधक (सरकारी सेवकों के लिए शिथिलनीय) टिप्पणः-आगु सीमा अवधारिन करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाने अध्धियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और लक्षद्वीप के मंघ राज्य क्षेत्रों में रहने हैं) आवेदन प्राप्त करने की अतिमनारीख होगी।	श्रावश्यक — (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय में व्यवसाय-प्रबंध या संत्रिया धनुसंधान या सांख्यिकी या गणित या प्रखं- शास्त्र में मास्टर की उपाधि या धनित्री में उपाधि या समतुत्य। (2) किसी सरकारी सगठन या श्रनुसंधान मस्था या सुस्थापित श्रीद्योगिक सगठन में किसी उत्तरदायी हैसियन में 10 वर्ष का श्रनुभव, जिसमें से कम में कम 5 वर्ष का श्रनुभव, निम्न- लिखित में में एक या श्रीधक क्षेत्रों में होना चाहिए —— (क) परियोजनाओं की मानीटरी श्रीर मूल्यांकन। (ख) साधन—प्राधारित परियोजना का विष्त्रेषण। (ग) मानीटरी श्रीर सूचना पद्धतियो की श्रीकल्यना श्रीर विकत्म। (ख) निष्पादन श्रीर प्रगति रिपोटों का मूल्याकन समस्या वाल क्षेत्रों को पित्रवान ग्रीर प्रवध की श्राधृनिक नकनीकों की सहायता से सणोधक कार्रवाई के लिए सुक्षाय।			
						क लिए सुक्षाय । (अहंताए, अत्यया सुभ्रहित अभ्याययो की दणा में सच लोक सेवा भ्रायोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती हैं, विशेषकर अनुभव संबंधी ग्रहेना, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के भ्रभ्या- थियों के सबंध में उनके लिए			

वाछनीय :---

की जा सकेगी।

(1) ज्येष्ठ प्रक्षिकारियों के लिए प्रक्रिक्षण प्रोग्रामी का विकास, सगठन और संवालम करना।

ब्रारक्षित पदों के लिए शिथिल

(2) प्रभिकलिन पञ्चति का ज्ञान।

सीधे भर्ती किए जान बाले व्यक्तिया के लिए बिहिन मायु भीर पैक्षिक श्रहेनाए प्रोचनि की देशा लायु होगी या नही	परिवीक्षा को ग्रवधि यदि कोई हा	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति हारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियो द्वारा भरी जाने वासी रिक्तियों का प्रतिणत	प्रोन्ननि/प्रतिनियाक्त/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दणा में ये श्रीणया जिनसे प्राप्ननि/प्रतिनियक्ति/स्थानान्तरण की जः।एसी/किया जाएसा	योद्र विभागीय प्रोप्तिन समिति है तो उसकी सरखना	भनी करने में जिन परिस्थितियों में सध लोक भेषा धायोग में परामर्श किया जाएगा
8	- · · ·	10	11	1 2	13
भायु—नहीं प्रेक्षिक भ्रहेताए—नही	2 व र्ष	— — — प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसमें भ्रत्पकालिक सिवदा सम्मिलित है) या प्रोध्निति, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानात्तरण (जिसमें स्राप्तकार्णिक सिंबदो सस्मिलित हैं) या प्राप्तिन सदण पद धारण करने वाले ऐसे प्रशिक्षारी जिन्होंने केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों या विश्वविद्यालयों या मान्यता-प्राप्त अनुसंधान सर्थान्यों या लोक उपक्रमों के प्रश्रीत 1500-2000 रुठ वेतनमान के या समन्तुल्य पदो पर कम में कम 5 वर्ष सेवा की हो और जिनके पाम स्तस्भ 7 के प्रधीन मीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित महंताए हो। योजना धायोग के ऐसे निवेशकों पर भी विचार किया जाएगा जिन्होंने उम श्रीगी में नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा की हो, भौर जिनके पाम स्तस्भ 7 में सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित महंताएं और अनुभव हो। यदि किसी निवेशक का उस पर पर नियुक्ति के लिए चयन हो जाता है तो वह प्रोन्तित कारा भरा गया समझा जाएगा। (प्रतिनियुक्ति की प्रविध सामान्यतः	लागू नही होना	प्रत्येक ग्रवसर पर चयन सघ लोक सेवा ग्रायोग के परामर्ग से किया जाण्गा ।

[फा० सं० ए० 12018/4/76-प्रशा०-1] जी० एन० गप्न, निदेशक

New Delhi, 21st December, 1976

- G.S.R. 74.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, regulating the method of recruitment to the post of Chief (Monitoring, Evaluation and Information) in the Planning Commission, namely:—
- 1. Short title and commencement,—(1) These rules may be called the Planning Commission Chief (Monitoring, Evaluation and Information) Recruitment Rules, 1976.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of posts, Classification and Scale of pay:—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in Columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.
 - 4. Disqualification.—No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with any person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person; shall be eligible for appointment to the said post;

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, fo reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

systems.

Post or Non-vedection post 1					SCHEDUI	Æ	
Chief (Monitoring One General Central Rs. 2000-125/2: Not Not exceeding 45 years Evaluation and Service 2250 applicable (Relaxable for Government servants) Gazetted Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates (other than those in the Union Territories of the Andaman and Nicobar Islands and the Lakshadweep.) A company of the Compa	Name of post		Classification	Scale of pay	Selection Post or Non- selection	-	
Evaluation and Service 2250 applicable (Relaxable for Go- Information) Group A Service Vernment servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates (other than those in the Union Territories of the Andaman and Nicobart Islands and the Lakshadweep.) A monitoring and Evaluation of Territories of the Andaman and the Lakshadweep.) A monitoring and Evaluation of Territories of Performan and the Lakshadweep. A monitoring and Evaluation of projects. (b) Analysis of resource based project net-work based on PERT or CP. (c) Design and developme of monitoring and information systems. (d) Evaluation of performan and and progress report identification or proble areas and suggestions. For corrective action with thalf of modern technique of management. (Qualifications relaxable the discretion of the Uni Public Service Commission in the case of candidate otherwise well qualified; particular, the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular, the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular, the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular the qualification regarding experience is resuble in the case of candidate otherwise well qualified; particular the qualification regarding experience in the case of can	1	2	3	4	5	6	7
in the case of candidat otherwise well qualified; particular, the qualificatio regarding experience is rel xable in the case of cand dat belonging to the Schedul Castes and the Schedul Tribes for posts reserved f them). Desirable: (i) Developing, organisin and conducting trainin	Chief (Monitoring Evaluation and		General Central Service Group A	Rs. 2000-125/2-	Not	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates (other than those in the Union Territories of the Andaman and Nicobar Islands and	Essential: (i) Master's Degree in Dusiness Administration or Operations research or Statistics or Mathematics or Economics or a Degree in Engineering from a recognised University or equivalent. (ii) 10 years' experience in a responsible capacity in a Government Organisation or Research Institution or well established industrial organisation, out of which at least 5 years should be in one or more of the following fields:— (a) Monitoring and Evaluation of projects. (b) Analysis of resource—based project net-work based on PERT or CPM (c) Design and development of monitoring and information systems. (d) Evaluation of performance and progress reports identification or problem areas and suggestions for corrective action with the half of modern techniques of management. (Qualifications relaxable at the discretion of the Union
(i) Developing, organising and conducting training							Public Service Commission in the case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualifications regarding experience is relaxable in the case of cand dates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes for posts reserved for them).
officials.							(i) Developing, organising and conducting training programmes for senior

Whether age and Period educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case or Promotees	on, whether by direct recruit- ment or by deputation or	promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or	Committee,	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8 9	10	11	12	13
Age: No 2 years Educational Qua- lifications: Yes.	Transfer on deputation (including short-term contract) or promotion, failing which by direct recruitment.	Fransfer on deputation (including short-term contract) or promotion: Officers holding analogous posts or with at least 5 years' service in posts in the scale of Rs. 1500-2000 or equivalent under the Central Government or State Governments or Universities of Recognised Research Institutions or Public Undertakings possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 7. Directors of the Planning Commission with 3 years' service in the grade rendered for appointment thereto on a regular basis and possessing the qualifications and experience prescribed for direct recruits as given in column 7 will also be considered. In case a Director is selected for appointment to the post, it will be treated as having been filled by promotion. (Period of deputation or contract shall ordinarily not exceed 5 years).	Not applicable	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service. Commission.
1			[File	No. A-12018/4/76-Adm. I]

[File No. A-12018/4/76-Adm. I] G. N. GUPTA, Dir.

नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

(बाट मीर माप निवेशालय)

नई विल्ली, 5 दिसम्बर, 1976

सा॰ का॰ पि॰ 75.—राष्ट्रपति, सिवधान के धनुष्छेद 309 के परन्सुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान में समूह 'ग' और समूह 'ख' पदों पर भरती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्निलिखित नियम बनाते हैं, प्रयोग्ः—

- 1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :---(1) इन नियमो का नाम भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान (समूह 'म' भीर समूह 'म' पव) मर्ती नियम, 1978 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख का प्रमृत होंगे।
 - 2. लागू होना:--ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिविष्ट पदों को लागू होगे।
- 3. पद संख्या वर्गीकरण भौर वेतनमान:--उक्त पदों की संख्या उनका वर्गीकरण भौर उनके वेसनमान वे होंगे जो उक्त भनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिद्धित्द हैं।
- 4. भर्ती की पद्धति, भायु-सीमा, श्रह्नंताएं, भावि:---उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, भायु-मीमा, श्रह्नंताएं भौर उनसे संबंधित भन्य वाते में होंगी जो उक्त अनुसूची कें-- क्वेन्स- के से -- 1-3 तक में-किर्निकिट हैं:4 124 G1/76---4

- निरर्हताएं :---वह व्यक्ति---
- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है:

उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पान नहीं होगाः

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुतेय हैं और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट वे सकेगी ।

- 6. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना झावस्थक या समीजीन है, वहां वह उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबढ़ करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की वाबत, झादेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।
- 7. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे मारक्षणो मौर मन्य रियायतो पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में सभय-समय पर निकाले गए मादेशों के मनुसार मनुसूचित जातियों, मनुसूचित जनजातियों और मन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपमन्ध करना मरेकित है।

				धनुसूची		
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	च्यन पद सथवा सच्यन पद	सीधे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए द्यायु सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक भीर मन्य महंसाएं
1	2	3	4	5	6	7
1. प्रधान लिपिक- एवं-नेखाकार	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (ग्रराज- पतित) (लिपिक- वर्गीय)	425-15-500-व० रो०-15-560-20- 700 र०	भज्ञयन	18 मीर 25 वर्ष के बीच	श्रीवश्यकः निस्ति मान्यताप्राप्तः विश्वविद्यासय की उपाधि या समतुत्य। वाछनीयः लेखा श्रीर साधारण वित्तीय नियमों का ज्ञान।
2. चिम्च अणी चिपिक	तीन	"	260-6-290-वर्गे० 6-326-8-366- वर्गे०-8-398- 10-400 वर	- भ्रज्यम	18 घीर 25 वर्ष ने भीच	2.(1) मैद्रिक या समसुख्य परीक्षा उत्तीणं। (2) टंकण में 30 शब्द प्रति मिनट की स्पूनतम गति, परन्तु (का) ऐसे व्यक्ति को, जिसके पास टंकण में उक्त प्रहेता न हो, इस शर्त के प्रधीन नियुक्त किया जा सकेगा कि वह उस वेतनमान में वेतन वृद्धि प्राप्त करने के लिए या स्थाधीवत्ता के लिए या उस श्रेणी में प्रष्टि के लिए तब तक पाझ नहीं होगा, जब तक वह टंकण में 30 शब्द प्रति मिनट की गति प्राप्त नहीं कर लेता। (खा) शारीरिक कप से बसुविधा- ग्रस्त ऐसे व्यक्ति को ग्रन्थवा जिएकीय पद प्रारण करने के लिए प्राहित है किन्तु उसके पास टंकण में उक्त ग्रहेता नहीं है, इस मर्स के क्रवीन नियुक्त किया जा सकेगा कि ग्रहुविधावस्य व्यक्ति में तक्ता के लिए विशेष रोजगाक व्यक्ति में तक्ता के लिए विशेष रोजगाक व्यक्ति में सम्बद्ध विकित्सालय को सं मा जहां ऐसा बोर्ड नहीं है, वहां सिविस सर्जन यह प्रमाणित कर दे कि उक्त प्रसुविधा- प्रस्त व्यक्ति टाइप कर सकने के योध्य स्थित टाइप कर सकने के

सीधे मर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए विहित मायु भीर गैक्षिक महैताएं प्रोक्ति की दशा में लागू होंगी या नहीं		या प्रोक्षति द्वार स्थानास्तरण द्वा	ायाप्रक्तिमियुक्ति/ रातयाविभिन्न भरी जाने वाली	प्रोक्राति/प्रितिनयुष्ति/स्थ भर्तीकी दशा में वे श्रे प्रोक्रति/प्रितिनयुक्ति/स्थ जाएगी/किया जाएगा	रिणया जिनसे		तर्गाय प्रोक्सति तो उसकी	भर्ती करने में किन परिस्थिति में संघ लोक सेवा धायोग से परानर्श किया जाएगा
8	9		10	11	1		12	13
नहीं	दो वर्ष		जिसके न हो सकने नर्नीद्वारा ।	प्रीचित : भारतीय विधिक माप रांची में काम करने श्रेणी लिपिक जिनके में नियमित श्राह्मार पश्चात् दस वर्ष का श	वाले ऐसे निम्न पास उस श्रेणी पर नियुम्ति के	विभागीय (1) नि श्रीर पूरि श्र प्रधाना विधित्र संस्थार सवस्य (3) भार रांभी निवेश एण्ड	प्रोफ्ति समित्र देशक बाट माप, नागरिक गेर सहकारिता य— मध्यका । वार्ये एवं- चार्ये, भारतीय उमाप जिज्ञान त, रांची— । । पकर कार्यालय के सहायक क (डस्स्यू० एम०) की	; ; ; ;
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीम्री भर्ती द्वारा		लागू नहीं होता		लागू नह	हीं होता	लागू नहीं होता
1 0		4	5	6	7			8
1 2 3. मण्डारी		्र साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (घराज- पब्रित) (ग्रलिपिक- वर्गीय)	260-6-290-य० र 6-326-8-366- य०रो०-8-390-10 400य०	ो० सागू नहीं होता	18 मी र 25 बीच	वर्ष के	स्थानीय 3 वर्ष क बांछनीयः	ासमतुख्य 2. भंडार श्रीप कथ को संभालने क ग्रिनुभव। के ग्रनुरक्षण का ग्रन्छ
4. प्रयोगशाला परिषर	एक र	सा धारण के न्द्रीय सेवा समूह ^{'घ'} (धराज- पत्रित)	210-4-250-व०रे 5-270 रु०	ro- प्रच यन	18 मी र 25 बीध	के वर्षके	माधायकः 1. मिडिल क गाला उप	क्षा उत्तीर्ण 2. प्रयोग स्करों धौर रासायनिक ण में 3. वर्ष का
5. दफ्तरी	एकः		200-3-206-4-2 य० रो०-4-250 र		18 भौर 25 व बीच	वर्षके	मिडिल कक्षा	उत्तीर्ण ।
6. घनुमिपिक प्रचासक	एक ः	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'घ' (ग्रराज- पश्चित)	210-4-250-ৰ ০ ই 5-270 ৰ ০	ो०≁ भ्रचयम	18 झौर 25 व बीच	वर्ष के	सम्भालने । वाछमीयः	उत्तीर्णं। धनुलिषिकों के का 3 वर्षे का धनुषय . उनके पुजों धौर धनु ज्ञान।
7. रसोइया	दो ः	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'घ' (धराज- पत्रित)		34- लागू नहीं होसा	18 भीर 25 व बीच	ार्ष के	बांछनीय:	में तीन वर्ष का धनुभव । भोजन बनाने का शाम का उत्तीर्ण ।

	8	9		11	12	13
	लागूनही होता	दो वर्ष	मोघी भर्ती द्वारा	लागू मही होता	नागू नहीं हो ता	लागू नही होता
4.	भायुः नहीं यैक्षिक प्रहेंताः हा	दो वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा, जिसके नहों सकने पर प्रोघित द्वारा दोनों के नहों सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	भारतीय विधिक माप विज्ञान सस्थान रांची में काम करने वाले ऐसे दफतरी जिल्होंने उस श्रेणी में उ वर्ष सेवा की हो। स्थानान्तरणः राज्य सरकार के श्रश्चीन सवृश पद धारण करने वाले श्रिश्चकारी	सम्ह 'ध' पदो के लिए विभागीय प्रोस्ति समिति: 1. श्राचार्य प्रधानाचार्य भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान, रांची भाष्यज्ञ 2 सहायक श्राचार्य, भारतीय विधिक	लागृनही होता
					माप विज्ञान संस्थान, राची सदस्य 3 लेखा द्राधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय रांची मे प्रशासन-भार-माधक सदस्य	
5.	म्रापुः नहीं गैकिक महँनाः हां	दो दर्ष	स्थानास्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रोन्नति द्वारा, दोनों के न हो सकने पर सीधी भर्नी द्वारा।	प्रोक्सितः ऐसे अपरामी जिनके पाम उस श्रेणी में नियमित प्राधार पर नियुक्ति के पश्चात 3 वर्ष का धनुभव हो स्थानान्तरणः राज्य सरकार के प्रधीन सवृण पव धारण करने वाले नपरासी।	समृह 'घ' पढो के लिए, विभागीय प्रोश्निति समिति: 1 श्राचार्य-एवं-प्रधानाच भारतीय विधिक माप विज्ञान संस्थान रांची . ग्रध्यक्ष सहायक ग्राचार्य भारतीय विधक माप विज्ञान संस्थान रांची मदस्य जेलेखा श्रिधकारी, सहालेखाकार का कार्यालय रांची में प्रशासन-भार-साधक	
6.	भ्रायुः नहीं मैक्षिक घटुँनाः हो	वो वर्ष	—–यथोधस—–	प्रोमितः चफ्तरी, जिनके पास ग्रनुर्लिप- करण कार्य म उस श्रेणी में 3 वर्ष का ग्रमुभव हो । स्थानान्तरणः राज्य सरकार के ग्रश्चीन सद्या पद धारण करने वाले व्यक्ति ।	यधोक्त	लागू मही होसा

_								
	1	2	3	4	5	6		7
8.	चपरासी	एक	साधारण केन्द्रीय मेवा समूह 'घ' (श्रराज- पक्षित)	196-3-220-द०-रो०- 3-232 मपर्य	लागू नही होता	18 से 25 वर्षके अभिष	श्रावश्यकः मिडिल कक्षा	उत्तीर्ण ।
9.	चौकीदार	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'घ' (धराज- पक्षित)	196-3-220 द ०-रो० 3-232 ५०	लागू नही होता	18 से 25 वर्ष के बीच	बाछनीय प्राथमिक स्तर	: उत्तीर्ण ।
10.	झाडू कर्ष	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ष' (श्रराज- पत्नित)	196- 3-220-द०रो० 3-232 र ०	लागू नहीं होता	18 से 25 वर्षके बीच	बाछनीयः प्राथमिक स्ट	तर उत्तीर्गा।
1 J.	मानी	दा	माधारण केन्द्रीय सेवा समूह'घ'(श्रराज- पन्निम)	196-3-220- ব ০ টা০ 3-232 চ০	लागू नही होता	18 से 25 वर्ष के बीच		•
12	छास्रायास सेवक	वो	साधारण केन्द्रीय सेदा समृह 'घ' (अराज- पन्नित)	196-3-220 - च०रो० 3-232 ह०	लाग् नही होता	18 से 25 वर्षके कीच	वाला कर ग्रीर लिख कर चुक को साफ करता हो बांछनीय:	ा और स्वस्थ शरी मिन, जो हिस्सी प ासकता हो तथा भौज ने के पश्चात् पौत करने से सकोश्च । स्तर उसीर्ण।
							,	
_ 0	8		9	10	11	,	12	13
नागू नागू	नहीं होता नहीं होता नहीं होता नहीं होता	दो वर्ष दो वर्ष दो वर्ष दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वार भीधी भर्ती द्वार मीधी भर्ती द्वार मीधी भर्ती द्वार	रा ला ए ला	गू नहीं होता गू नहीं होता गू नहीं होता गू नहीं होता गू नहीं होता	लागू नह लागू नह लागू नहीं लागू नहीं	ीं होता ो होता	लागू नहीं होता लागू नहीं होता लागू नहीं होता लागू नहीं होता

[फाइल मध्या डब्स्यू० एम० 26(24)/75] वी० एल० गर्गे, झबर सचिव

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES & COOPERATION (Directorate of Weights & Measures)

New Delhi, the 8th, December, 1976

G.S.R. 75.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating method of recruitment to Group 'C' and Group 'D' posts in the Indian Institute of Legal Metrology, namely:

1. Short title and commencement: (1) These rules may be called the Indian Institute of Legal Metrology (Group 'C' and Group 'D' posts) Recruitment Rules, 1976.

- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application: These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.
- 3. Number of posts, classification and scales of pay: The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc: The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.
 - 5. Disqualification: No person--
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax: Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

7. Saving: Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

			SCHED	ULE		
Name of the post	No. of posts	Classificatio	n Scale of pay	Wheth er selection post or non-selec- tion post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifi- cations required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Head Clerk cum-Accoun tant	One		Rs.425-15-500-EB- 15-560-20-700.	Non- selection	Between 18 and 25 years	Essential: Degree of a recognised University or equivalent. Desirable: Knowledge of Accounts and General Financial Rules.
2. Lower Division Clerk	Threc		Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	Not applicable	Between 18 and 25 years	1. Matriculation or equivalent examination. 2. Minimum speed of 30 words per minute in type-writing provided,— (a) that a person not possessing the said qualification in type-writing may be appointed subject to the condition that he will not be eligible for drawing increment in the pay scale or for quasi-permanency or for confirmation in the grade till he required a speed of 30 w. p. m. in type-writing. (b) that a physically handicapped person who is otherwise qualified to hold a clerical post but does not possess the said qualification in type-writing may be appointed subject the condition that the Medical Board attached to the Special Employment Exchange for handicapped or where there is no such Board, the Civil Surgeon certificates that the said handicapped person is not in fit condition to be able to type.
3, Store Keeper	On=	General Central Services Group 'C' (Non- Gazetted) (Non- Ministerial)	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	• •	Between 18 and 25 years	Essential: 1. Matriculate or equivalent 2. 3 years experience in handling stores and local purchase. Desirable: A fair knowledge of maintenance of store accounts
4. Laboratory Attendant	One	General Central Services Group 'D' (Non- Gazetted)	Rs. 210-4-250-EB-5- 270	Non-Selection	Between 18 and 25 years	Essential: 1. Middle Class pass 2. 3 years experience in maintenance of laboratory equipments and chemicals
5. Daftry	One	General Central Services Group 'D' (Non- Gazetted)	Rs. 200-3-206-4-234- EB-4-250	Non-Selec- tion	Between 18 and 25 years	Middle Class Pass

Methods of recruitment, In case of recruitment by pro- If a Departmental Circumstances in which Whether age and Period of whether by direct recruit- motion/transfer, grades from Promotion Com- Union Public Service probation. educational quawhich promotion to be made mittee exists, what Commission is to be lifications prescri- if any ment or by promotion or consulted while making is its composibed for the direct transfer & percentage of recruitment the vacancies to be filled recruits will apply by various methods in the case of promotecs 13 8 9 10 11 12 DPC for Group Not applicable 1. No By promotion, failing Promotion: Two years which by direct recruit- Lower Div. Clerk working in 'C' posts: (i) Director. the Indian Institute of Legal ment. Metrology, Ranchi, with Weights & ten years experience in the Measures, Minisgrade after appointment try of Civil thereto on regular basis. Supplies & Cooperation-Chairman. (ii) Professorcum-Principal. Indian Institute of Logal Metrology, Ranchi-Member. (iii) An officer of the rank of the Assistant Director (W&M) from Income-Tax Office, Ranchi-Member. 2. Not applicable By direct recruitment Not applicable Two years Not applicable Not applicable 3. Not applicable Two years By direct recruitment Not applicable Not applicable Not applicable By transfer, failing which Daftry working in the Indian DPC for Group Not applicable 4. Ago: No Two years Educational quaby promotion, failing Institute of Legal Metrology, both by direct recruitment. Reacht with 3 years service (i) Professor-cum liffication: Yes in the grade. Transfer: Officers Principal, holding analogous post under Indian Institute State Government. of Legal Metrology, Ranchi-Chairman, (ii) Assistant Professor, Indian Institute of Legal Metrology, Ranchi-Member. (iii) Accounts Officer, incharge of Administration, in the office of the Accountant General, Ranchi ---Member, --do-----do--5. ---do---do--do--do--

6. Duplicating Machine Opera- tor	One	General Central Services Group 'D' (Non- Gazetted)	Rs. 210-4-250-EB-5- 270.	Non -velection		en 18 5 years	
7. Cook	Two	General Central Services Group 'D' (Non- Gazetted)	Rs. 200-3-206-4-234- EB-4-250.	Not Applicable	Between 25 years	18 and	- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
8. Peon	One	General Central Services Group 'D' (Non- Gazetted)	Rs. 196-3-220-EB- 3-232	Not applicable	Botween 25 years	18 and	Essential: Middle Class Pass
9. Watch man	One		Rs. 196-3-220-EB- 3-232	Not appli- cable	Between 25 years	ı 18 and	d Desirable: Primary Standard Pass.
10. Sweeper	One	General Central Services Group 'D' (Non- Gazetted)	Rs. 196-3-220-EB-3- 232	Not appli- cable	Between 25 vears		I Desirable: Primary Standard Pass.
11. Mali	Two	General Central Services Group 'D' (Non- Gazetted)	Rs. 196-3-220-FB-3- 232	Not applicable	Between 25 years		 Essential: Knowledge of various plants and flowers and their plantation administration. Experience in gardening. Desirable: Primary Standard Pass.
12. Hostel Servant	Two	General Central Services Group 'D' (Non- Gazetted)	Rs. 196-3-220-EB-3- 232	Not appli- cable	Between 25 years	18 and	Essential: A man of good health and sound physique, able to read and write Hindi and should not hesitate cleaning the dishes after meals. Desirable: Middle Class Standard Pass.
8	9	10		11		12	2 13
Age: No Educational Quali- fication: Yes	Two ye	by promoti	ct recruitment, in, th appoi Trans Peons posts	vith 3 years ex e grade after ntment	regular thereto, alogous State	(i) Prof Princi Indian of Leg Legy, Chair (ii) Assi fessor Institu Legal	or Group Not applicable sts; fessor-cum- sipal, n Institute gal Metro- Ranchi- rman, stant Pro- r, Indian sute of Metrology, hi—Member.
Not applicable	Two ye	ars By direct rec				Office of Ad tion, i office Accou eral, i Memb	er, incharge iministra- in the of the untant Gen- Ranchi— ber, pplicable Not applicable
Not applicable Not applicable Not applicable Not applicable Not applicable Not applicable	Two yes	By direct recears	ruitment Not appruitment Not appruitment Not appruitment Not appruitment Not appruitment	plicable plicable plicable plicable		Not app Not app Not app Not app	pplicable pplicable pplicable pplicable pplicable pplicable pplicable pplicable Not applicable Not applicable Not applicable
							[File No. WM-26(24)/25] B.L. GARG. Under Sery.

विवेश मंत्रालय

नर्छ दिल्ली, I नवम्बर, 1976

सां॰ का॰ नि॰ 76 --सविधान के अनुच्छेद 309 के उपबंध द्वार। प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुंग, राष्ट्रपति इसके द्वारा बिटेश मंत्रालय में वर्ग (ग एवं घ) पदो की भरती की विधि के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं ---

- ा लघु शोर्षक और धारम्भ (1) ये नियम विदेण महालय (वर्ग ग एथ घ) पदो पर भरती के नियम, 1976 कहनाएंगे।
 - (2) में सरकारी राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से लागृ हो जाएगे।
- 2 प्रयुक्ति ये नियम पराग्न ग्रानुसूची के कालम 1 में लिखित पदो पर लागू होगे।
- 3 सख्या, वर्गीकरण ग्रौर वेतनमान.— पदो की संख्या, उनका वर्गीकरण ग्रौर उनसे सबद्ध वेतनमान इससे सलग्न उक्त श्रनुभूची के कालम 2 से 4 में
- 4 भरती का तरीका, पायु सीमा धौर भ्रन्य भ्रहेंताएं भ्रादि -- भरती का तरीका, ग्रायु सीमा, महेंताएं तथा उससे संबद्ध भ्रन्य मामले उक्त मनुसूची के क। लम 5 से 13 मेलिखे धनुसारहोंगे।
 - इयोग्यताए कोई व्यक्ति ---

क्या सोधे भर्ती वालों परित्रीक्षा भवधि, क्या भर्ती का तरीका, सीबे भर्ती

- (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह कर लिया हो प्राथवा विवाह करना तथ कर लिया हो, जिसका पति/पत्नी जीवित है, ग्राथवा
- (ख) जिसने, पति/पत्नी जीवित रहते हुए, किसी ध्यक्ति से विवाह कर लिया हो, किन्ही भी उक्त पदों पर नियुक्ति के योग्य न होगा; बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार ने, यदि वह संतुष्ट हो कि विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह से संबद्ध अन्य पक्त पर लागू निजी कानृन के अधीन किया जा सकता है और ऐसा करने के भ्रान्य भ्राघार है, इन नियमों के लागू होने से किसी व्यक्ति को छूट दे दी हो।
- 6 ढील देने का प्रधिकार जहां केन्द्रीय सरकार का यह मन है कि ऐसा करना भावस्थक भयवा उचिन है, सो वह, भ्रादेश द्वारा, लिखित में कारण बताकर, किसी श्रेणी ग्रयवा वर्ग के क्यक्तियों ग्रथवा पदों के बारे में इन नियमों की किन्ही व्यवस्थाओं में ढील दे सकती है।
- 7. ग्रपवाद --- इन नियमों की किसी बात का ग्रनुसूचित जातियों तथा जनजातियों ग्रीर व्यक्तियों के ग्रन्थ विशिष्ट वर्गों के लिए किए गए भारकण भ्रयवा दी गई रियायतों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में भमय-समय पर जारी किए गए भादेशों के भ्रमुक्ष्य कोई प्रभाव नहीं पड़िया।

ग्रनुसुची

पदकानाम	पद संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	वरण श्रयवा झन्य पद	रण सीधे भर्ती के लिए श्रायुसीमा	सीधे भर्ती वालों के लिए गैक्षिक एवं भ्रन्य भहेताएं
1	2	3	4	5	6	7
 वरिष्ठ जेस्टेटमर चालक 	7 (सात)	सामान्य केन्द्रीय सेवा (वर्ग-ग) गैर लिपिक	260-6-326-द० रो० 8-350 ४०	लागू नही होता	लागू नहीं होता	सागू नहीं होता
 वरिष्ठ पुस्तकालय परिचर 	1	~बही−	–जही-	–वही	वही	लाग् नहीं होता
3 बढर्स	1	व हीं	–वही	–वही–	20 झौर 35 वर्ष की झायु के बीच	श्राठमी कक्षा की शिक्षा बांछतीय। बढ़ईगिरी में बक्षता चित श्रावश्यक ।
4 चौकीदार	5 (पांच)	सामान्य केन्द्रीय सेवा (वर्ग-ष) गैर लिपिक	196-3-220- व ० रो०- 3-232 र ०	–षही–	18 फ्रीर 35 वर्षकी ग्रायुके भीच	हिन्दी का ज्ञान ।

यदि भर्ती पदोन्नति/प्रतिनियुमित/

यदि कोई विभागीय

के लिए निर्धारित आय तथा गैक्षिक श्रहेंनाएं पदोश्रति पाने वालों पर भी लागू होंगी	ु यदि कोई हो	द्वारा श्रथवा पडोक्षति श्रथवा प्रतिनियुक्ति भीर स्थानांतरण क्षारा है भीर श्रन्य तरीकों से भरे जाने के लिए रिक्तियों का प्रतिशत	स्थानांतरण द्वारा की आमी है तो वे वर्गे कौन से है जिनसे पदोन्नति/प्रति- नियुक्ति/स्थानौतरण किया जाना है	पदोन्नति समिति है, तो उसकी रखना क्या है	भर्ती करने के लिए संघ लोक सेवा झायोग से परामर्श करनी है
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नसि द्वारा	विदेश मंत्रालय में भ्रवर जेस्टेटनर चालकों में में पदोन्नति हारा, जिनकी वर्ग में तीन वर्ष की सेवा हो भ्रोर जो प्रेस्टेटनर मधीन चलाने में दक्ष हों।		लागृ नहीं होला
क्षागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोश्लनि द्वारा	विदेश मंत्रालय में अवर पुस्तकालय परिचरां में से पदोक्षति द्वारा, जिनकी वर्ग में पौच वर्ष की सेवा हो और जिल्हें पुस्तकालय के कार्य का अनुभव हो।	ग्रवर सचिधसदस्य	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीब्रे भर्ती द्वारा	लागू नही होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
लागुनहीं होता	वो वर्ष	सीधे मर्ती द्वारा	लागू नहीं होता		लागूनहीं होता

र्सि**॰ 106/पीर्**/76] एन० श्रीनिवासन, सबर सिव

परिस्थितया, जिनमें

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 1st November, 1976

- GS.R. 76.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules for the method of recruitment to Group (C&D) posts in the Ministry of External Affairs, namely:—
- 1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Ministry of External Affairs (Group C and D) posts Recruitment Rules, 1976.
- 2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- (2) Application.—These rules shall apply to posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Number, classification and scale of pay.—The number of posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the said Schedulc annexed here o.
- 4. Method of recruitment, age limit and other qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and

other matters connected therewith shall be specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

- 5. Disqualification.—No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that the matriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage, and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do. it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons or posts.
- 7. Saving.—Nothing in these rules—shall affected reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDUT	.E
POINT	-1

				SCHED	CILE				
Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay		Whether selection post or non-selec- tion post	Age limi direct re ment		Educatio tions for	nal and other qualifica- direct recruits
1	2	3	4		5		6		7
Senior Gesterner Operator	(Seven)	General Central Services (Group C) Non- Ministerial	Rs. 260-6-32 8-350	6-EB-	Not appli- cable	Not app	licable	Not app	licable
2. Senior Library Attendant	1 (One)	General Central Services (Group C) Non- Ministerial	Rs. 260-6-326 8-350	5-E B-	Not appli- cable	Not a pp	licable	Not ap	plicable
3. Carpenter	1(One)	General Central Services (Group C) Non- Ministerial	Rs. 260-6-326 350	6-EB-8-	Not appli- cable	Between 35 yea		able.	School Standard desir- Proficiency in the Carpen- trade essential.
4. Chowkidar	5(Five)	General Central Services (Group D) Non- Ministerial	Rs. 196-3-220 232)-EB-3-	Not applicable	Between 35 years		Knowle	edge of Hindi.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	on, by direct r promotion of tion/transfer	& the per- vacancies to	deputat from w	of rectt. by pr tion/transfer, hich promotic ransfer to be	grades on/depu-		C exists its com-	Circumstances in which U.P.S.C. is to be con- sulted in making rectt
8	9	10)	·	11			12	13
Not applicable	2 years	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·		Junio in th Affai vice clenc	mior Gestetner Operator — the Ministry of External U ffairs with three years ser-		Deputy Secretary —Chairman Under Secretary —Member Under Secretary —Member.		Not applicable
Not applicable	2 years	By promotic	n	Junio in l Affai in th	motion from or Library A Ministry of irs with 5 years grade ar rience in the c.	ttendants External rs service nd having	Chair Under Mem	Secretary iber Secretary	Not applicable
Not applicable Not applicable	2 years 2 years	By direct red By direct red		Not ap	plicable			plicable plicable	Not applicable Not applicable

वेद्रोलियम मंत्रालय

नई विल्ली, 26 नवम्बर, 1976

सा० का० नि० 77:—संविधान के ध्रतुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्न शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपत्ति पेट्रोलियम संभ्रालय में गेस्टेटनर प्रवालक के श्रेणी 'ग' के पद की नियुक्ति पर्द्धित को नियमित करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं :—

- 1. संक्षिप्त शीर्षक भौर प्रारम्भ --(1) ये नियम पेट्रोलियम मंत्रालय (श्रेणी 'ग' पव) नियुक्ति नियम, 1976 कहलाये जा सकेंगे,
- (2) ये सरकारी गजट में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- 2. संख्या, वर्गीकरण ग्रीर वेतनमान :--पद संख्या इसका वर्गीकरण ग्रीर वेतनमान, इन नियमों के गाथ मंग्नग्न ग्रनुसूची के कालम 2 सै 4 के श्रनुसार होगे ।
- 3. नियुक्ति की पर्धति, भायु सीमा, शैक्षणिक योग्यताए भावि :—उक्त पद पर नियुक्ति की पर्धति, भायु सीमा, शैक्षणिक योग्यता भीर सससे सम्बन्धिन भ्रत्य मामले उपरोक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 के भनुसार होगे !
 - अनहंताए :--कोई भी व्यक्ति,
 - (कं) जिसने निभी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह किया हो प्रथवा विवाह करने के निये अनुबन्ध किया हो जिसका/जिसकी पति/परनी जीवित हो, प्रथवा,
- (ख) जिसने जीवित पति/परेनी के होते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह किया हो भ्रयवा विवाह करने के लिए भ्रनुबद्ध हो, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पाल नहीं होगा।

ब गर्ते कि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट होकर किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे दे कि ऐसे व्यक्ति पर लागू व्यक्तिगत कामून के अन्तर्गत ऐसा विवाह अनुत्रोग है और ऐसा करने के लिये अन्य कारण भी हैं।

- 5. छूट देने का प्रधिकार :—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह विभाग हो कि ऐसा करना प्रावश्यक प्रथवा उचित है, वह ऐसा करने के कारणों को विश्वित रूप में रिकार्ड करके एक ग्रादेश व्वारा किसी श्रेणी प्रथवा वर्ग के व्यक्तियों के सम्बन्ध में इन नियमों के किसी भी प्रावधान में छूट दे सकती है।
- 6. बचाव :--केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये धादेशों के धनुसार धनुसूचित जाति, धनुसूचित जनजाति धीर भन्य विशेष वर्ग के व्यक्तियों को दिये जाने वाले धारक्षण भीर धन्य छूटो पर इन तिपयों का कोई प्रभाव नहीं पहेगा।

				अनुसूची			_
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमाम	क्यायह प्रवरण पद है भ्रयकागैर प्रवरण पद	सीधी भर्ती के भायु सीम		िके लिये घपेक्रित धौर ग्रन्थ योग्यताएँ
1	2	3	4	5	6		7
गेस्टेटनर ग्रोपरेटर	श्रेणी	न्य केन्द्रीय सेवा 'ग' घराजपद्वित जवासीय	ह० 260-6-326 इ०रो०-8-350	- गैर-प्रवरण	18-25 वर्ष (सरकारी कर्म के लिये खूट	बारियो पास) (2) वि सुस्सी	खुन से चलमे बाक्सी केटिंग मशीन की ने का एक वर्ष का
क्या सोधी भर्ती के लिये निर्धारित प्रायु भौर शैक्षणिक गोग्यतार्ये पदोन्नत बाले ज्यक्तियों के मामने में नागू होगी	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हा	भ्रयका पदीन्न प्रतिनिपुषित/	ति द्वारा ग्रयका स्थानान्तरण द्वारा सरीकों सेकी जाने	यदि भर्ती पद्मेश्वति/! स्थानास्तरणद्वाराकी ज ग्रैम से	• '	यदि डी० पी० सी० हो तो उसका गठन कैसे किया गया	ऐसी परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिये सब लोक सेवा भ्रायोग से परामशंकरणी पड़े
8	9		10	11		12	13
मायु नहीं शैक्षणिक योग्यताए हों	2 वर्ष	पदोन्नति द्वारा सीघी भर्त	•	रिकार्ड मार्टर धौर वफ्नरी से पदौर्शित न होने पर धन्य र जमाबारो में से प जिनको गेस्टेटनर का ज्ञान हो धौर रि रूप से दफ्तरी जमार 6 वर्ष की नौकरी	त द्वारा ऐसा स्पत्तरियों भौर अदोन्नति द्वारा मणीन चलाने जनकी नियमित दार के ग्रेड में	1 निवेशक (प्रशा०) प्रथम उप-मण्डिक (प्रशा०) 2. धवर सण्डिक (प्रशा 3. धन्य मंज्ञालयों से एक धवर सण्डिक भी नामित किया जाना है।	r ´

MINISTRY OF PETROLEUM

New Delhi, the 26th November, 1976

- G.S.R. 77.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'C' post of Gestetner Operator in the Ministry of Petroleum, namely:—
 - 1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Ministry of Petroleum (Group C Post) Recruitment Rules, 1976.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number classification and scale of pay:—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.:—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.
 - 4. Disqualification :- No person,
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax: —Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees 8 9 Age: No Two years By dispersion, by dispersion, if any promotion/it age to the first tage be first tage tage.	4 Central Rs. 260-6-326-EB roup 8-350.	selection direct post or non-selection post 5 6 B- Non-Selection (relax)	years (i) Pass	onal and other qualifica- quired for direct recruits
Gestetner 1 General C Service G 'C' Non-gazetted M terial. Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees 8 9 Age: No Two years By	Central Rs. 260-6-326-EB roup 8-350.	B- Non-Selec- 18-25 tion (relax		
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees Service Great 'C' Non-gazetted Method for Method probation, by diffications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees 8 9 Age: No Two years By	roup 8-350.	tion (relax		
educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees 8 9 Age: No Two years By de promotion, if any promotion/it any tage be first tage tage tage tage tage tage tage tag		servan	ornment (ii) Sho its.) exp	s in the Middle School amination. ould have one Year's ericance in operating elec- duplicating Machines.
Age: No Two years By	nirect rectt, or by denotion or by deputa- from	case of rectt. by promotion eputation/transfor, grades of which promotion/depution/transfer to be made	what is its com-	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
	10	11	12	13
	aich by direct recruit- tent. t	y promotion from Recor Sorter/Selection Grade Da try failing which fror amongst Daftries and Ja madars who have proficier cy in handling the Gestet ner Machine and put in years' regular service the Grade.	f- (Admn.) or n Deputy Secretary a- (Admn.) 1- 2. Under Secre- tary (Admn.)	

शिक्षा और समाज कल्यारा मंक्षालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 4 नचम्बर, 1976

साकार्तमः 78 .--संविधान के अमुन्छेद 309 के उनवंधों में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति एतद्व्वारा शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग) के राजा राम मोहन राय राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र, नई दिल्ली में प्रमुख प्रलेख ग्रधिकारी के वर्ग 'क' के पद के मिद् भर्ती को प्रणाली का नियमन करने हेबु निम्नलिखित नियम बनाते हैं, भ्रयात्:--

1. लच् शीर्पंक तथा मारंभ होना .—(1) इन नियमों को शिक्षा भीर समाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग) प्रमुख प्रलेख मधिकारी, राजा राम मोहन राय राष्ट्रीय क्रिक्षा संसाधन केन्द्र, नई दिल्ली भर्ती नियम, 1976 कहा जाए ।

- (2) सरकारी राजपन्न में छपने की तारीख से ये लागू होंगे।
- 2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :---पदों की संख्या, जनका वर्गीकरण तथा वेतनमान जसी प्रकार से होंगे जिस प्रकार इससे धनुसूची के कालम 2 से 4 तक में निधिब्द हैं।
- 3. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा तथा भ्रत्य योग्यताएं: इस पद के लिए भर्ती की प्रणाली, भ्रायु सीमा, योग्यताए तथा संबंधित भ्रन्य विषय उपरोक्स भ्रमुसूत्री के कालम 5 से 13 तक में निर्विष्ट के श्रमुसार होगे।
 - 4. भ्रयोग्त्रनाएं : कोई भी ऐसा व्यक्ति :----
 - (क) जो ऐसे व्यक्ति से विवाह का अनुबंध अथवा थिवाह करता है जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, प्रथवा
- (ख) जो पित/पत्नी रहने हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह का ध्रनुबंध ध्रयवा विवाह करता है, उक्त पद पर नियुक्ति के लिए पान्न महीं होगा: वणतें कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि उस व्यक्ति ध्रौर विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैक्तिक कानून के ध्रधीन ऐसे विवाह की ध्रमुसति है तथा ऐसा करने के कुछ धन्य आधार भी हैं, किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।
- 5. रियायत देने की णिन्त:—जहां केन्द्रीय मरकार की यह राय हो कि ऐसा करना धावश्यक ध्रमवा उखित है, तो संघ लोक सेवा धायोग के परामणें से निवित कर में कारणों को दर्ज करने ध्रुए, आदेण द्वारा किसी भी श्रेणी ध्रयवा वर्ग के व्यक्तियों के पदों के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबंध में रियायन दे सकती है।
- 6. प्रतिबंध:— इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए भादेशों के भनुसार भनुसूचित जाति, प्रनुसूचित भादिम जाति तथा श्रन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों को दिए जाने वाले श्रारक्षणों तथा श्रयेक्षित भ्रन्य रियायतों को इन नियमों में से कोई भी प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	य र्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण प व है या भ्रप्रवरण	प्रत्यक्ष भर्ती वालों के के लिए ग्रायु	प्रत्यक्ष भर्ती वालों के लिए भ्रपेक्षित गैक्षिक तथा भ्रन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
प्रमुख प्रलेख म्रिधिकारी राजा राम मोहन राय राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र ।	1	सामान्य केन्द्रीय सिविल सेवा वर्ग (क) राजपन्नित	1100-50-1600 🕏	प्रथरण	45 वर्ष से मिस्रक नहीं (सरकारी कर्मचारियों के लिए छुट)	प्रसिधार्य : 1. किसी मान्यता प्राप्त विश्व विद्यालय से मास्टर की ढिग्री मथवा उसके बराबर । 2. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पुस्तकालय-विश्वान में ढिग्री भयवा डिप्लोभा भ्रथवा उसके बराबर । 3 किसी विश्वयात पुस्तकालय में किसी जिम्मेवार पद पर 10 वर्ष का धनुभव । (यदि उम्मीदवार भ्रन्यथा भ्रच्छी भहेंता प्राप्त है तो संघ लोक सेवा भ्रायोग की हण्छा पर उसे भ्रहेंताभ्रों में छूट दी जा सकती है। विशेष रूप से भ्रनुस्चित जातियों सथा भ्रमुस्चित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए ध्रमुभव के लिए छूट दी जा सकती है)। वांछनीय : 1. उम्मीदवार को भ्रपनी मानुभाषा के सलावा एक भ्रन्य भारतीय भाषा की तथा भ्रमुंजी के भ्रसावा किसी

हो।

				कालेज के करने का शारतीय में लाई ज देगी विक पुस्तकों की 3. सर्वेक्षण क तथा मार्थि का सर्वेक्ष मूख्याकन	प्रस्तकालय में काम प्रमुभव हो, जिसमें पुस्तकालयों में उपयोग तोने वासी निवेशी सथा विविद्याल स्तर की ते पूरी जानकारी हो। रने का अनुभव प्रलेख क्यकी विश्लेषस्य कार्य ण, तथा पुस्तकों का करने का अनुभव हो। स्ति नीतियों तथा कार्य जानकारी।
क्या प्रत्यक्ष भर्ती वालो के लिए निर्धारित की गई भायु तथा शैक्षिक भहुँताएं, पदोन्नति के विषय में भी लागू होगी	परिवीक्षा की ग्रवधि यदि कोई हो तो	भर्ती की प्रणाली—-प्रत्यक्ष भर्ती या पवोभति या तबादले द्वारा विभिन्न प्रणालियों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त स्थानों की प्रति- शतता	पदोश्लिति/प्रतिनियुक्ति/तबादले द्वारा भर्ती किये जाने की स्थिति मे उन ग्रेडों का उस्लेख जिससे पदोश्लिति/प्रति- नियुक्ति/तबादस। किया जाना है	यवि विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितिया जिनमें भर्ती करने के विषय में सब कोक सेवा झायोग से परामर्श किया जाना है
8	9	10	11	12	13
आयु : नहीं प्रैक्षिक सर्हताएं : हां	दो वर्ष	पदोग्निति द्वारा जिसके न होने पर प्रतिनियुक्ति पर तवावले द्वारा (अस्पकालिक ठेके सहित) जयन, विश्वविद्यालय अनुवान आयोग के परामर्श से किया जाएगा। इन दोनों बातों के न होने पर सीधी मर्ती द्वारा।	पदोन्नति : पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-I जिसकी ग्रेड मे नियुक्ति के बाद नियमित भाषार पर 8 वर्ष की सेवा हो (मृत्यकालिक ठेके सिह्त प्रतिनियुक्ति पर तबादला) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार विश्वविद्यालयों, मान्यना- प्राप्त ग्रनुसंधान संस्थान्नो से सदृश पद धारण करने वाले मधिकारी भयवा 700-1300 रुपए भयवा उसके बराबर के बेतनमान में 5 वर्ष की सेवा, भयवा 650-1200 रुपए या उसके अराबर के वेतनमान में पदों पर 8 वर्ष की सेवा तथा कालम 7 में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित भर्द्रतामों भीर मनुभव की धारण करने वाला।	वर्ग 'क' निम्नलिखित व्यक्तियों सहित: 1. सदस्य, संघ लोक सेवा भ्रायोग— भ्रष्ट्यक्ष 2. सचिव भ्रथवा ध्रपर सचिव—सदस्य 3. सयुक्त सचिव, संयुक्त शिक्षा सलाह- कार—सदस्य 4 निदेशक (प्रशासन) —सदस्य सचिव	जैना कि संघ लोक सेवा धायोग (परामर्भ से छूट) कालम 10 के घधीन उप- बंध के साथ पढ़े जाने बाले विक्यम, 1958 के ध्रतगंत प्रपेक्षित है।
			(प्रतिनियुक्ति भयवा ठेके की भवधि सामान्यतः 3 वर्षों से भश्चिक नहीं होगी)।		

2. किसी विश्वविद्यालय भयवा

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 4th November, 1976

- G.S.R. 78.—In exercise of the powers conferred by the Proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Group 'A' post of Chief Documentation Officer, in the Raja Ram Mohan Roy National Educational Resources Centre, New Delhi, in the Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education), namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education), Chief Documentation Officer, Raja Ram Mohan Roy National Educational Resources Centre, New Delhi, Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, classification and the scale of pay attached there's shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed herewith.
- 3. Method of recruitment, age limit and qualifications etc.— The method of recruitment, age limit, qualifications and

other matters connected therewith shall be as specified in columns (5) to (13) of the aforesaid Schedule.

- 4.Disqualifications.—No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to the recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission; relax any of the provisions of these rules with respect of any class or in category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other corcessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non- selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifica- tions required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Chief Documenta- tion Officer, Raja Ram Mohan Roy National Educational Resources Contre.	1	General Central Civil Service, Group 'A' Gazetted.	Rs. 1100-50-1600	Selection	Not exceeding 45 years (Relax- able for Govern- ment servants)	Essential: (i) Master's degree of a recognised University or equivalent. (ii) Degree or Diploma in Library Science of a recognised University or equivalent. (iii) 10 years' experience in a responsible capacity in a Library of standing. (Qualifications relaxable at the Union Public Service Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified; in particular the qualifications regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes or Scheduled Tribes). Desirable: (i) Knowledge of one Indian Language other than the candidate's mother-tongue and of one foreign languages other than English. (ii) Experience of working in a University or College Librarry with intimate knowledge of University level books, both foreign and indigenous, in use in Indian Universities. (iii) Experience in a conducting or organising Surveys, Supervising documentations and Statistical analysis work and experience of arranging for evaluation of books. (iv) Knowledge of import and export policies and procedures.

~ 					
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt, whether by direct rectt. or by promotion or by deputa- tion/transfer & percen- tage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion, deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made	what is its com- position	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectts.
8	9	10	11	12	13
Age: No Educational qualifi- cations: Yes	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation (including short-term contract), selection being made in consultation with the Union Public Service Commission, failing both by direct recruitment.	Promotion: Libiarian Grade I with 8 years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis (Transfer on deputation including short term contract) Officers from the Central Government or State Government Universities, Recognised Research Institutions holding analogous posts, or with 5 years service in the scale of Rs. 700-1300 or equivalent, or with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent, and possessing the qualifications and experience presculbed for direct recruits under Column 7 (Period of deputation or contract shall not ordinarily exceed three years).	mission. —Chairman. 2. Secretary or Additional Secretary—Member. 3. Joint Secretary/Joint Educational Advisor Concerned —Member.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations 1958 read with the provision under Column 10.

[No. A 12011/10/76-E I] P. S. SHAKUNTALA (MISS), Under Secy.

एक वर्ष का वृत्तिक भ्रमुभव।

कृषि और सिचाई मंत्रालय (खाद्य विभाग)

नई विल्ली, 16 दिसम्बर, 1976

सा० का० नि०.79 .---राष्ट्रपति, संविधान के अनुक्छेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त प्राक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रीय चीनी संस्थान, कानपुर (वर्ग 1 भीर वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1964 में भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :--

- 1. (1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय चीनी संस्थान (वर्ग 1 श्रीर वर्ग 2 पव) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. (1) राष्ट्रीय चीनी संस्थान (वर्गे 1 ग्रीर वर्ग 2 पद) भर्ती नियम, 1964 में---
- (1) धनसची में कम सं० 48 के पश्चात निम्तलिखित प्रविधित्यां जोडी जाएंगी।

				प नुमूची		
पदकानाम	पदों की सं ख ्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन प द श्रथ वा श चयन प द	सीधे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए ग्रायु सीमा	सीघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए गैक्षिक भीर भन्य महैताएँ
1	2	3	4	5	6	7
सहायक इंजीनियर वैगु त	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्गे 2 राजपन्नित	650-1200 খ০	च यन	35 वर्षे (सरकारी सेवकों के लिए घिषिलनीय)	प्रावश्यक: (1) किसी मान्यताप्राप्त विषव- विद्यालय से वैधुत इंजीनियरी में उपाधिया समतुस्य। (2) धिमानतः प्राधुनिक अर्धे यैद्युत चीनी कारखाने या प्रनुसन्धान संस्थान में कार्य का 2 वर्ष का प्रनुभव। (धर्हताएं भ्रन्यथा सुमहित प्रभ्यतियों की दशा में भायोग के विवेकानुसार शिथिस की जा सकती है।)

Tata #7	·/]				
सीधे मर्ती किए जाने वाले व्यक्तियो के लिए विहित भागु और गैक्षिक मर्हनाएं प्रीप्तिन की दक्षा में लागृहोगी या नहीं			प्रोफ्तनि/प्रसिनियुक्तिः /स्थानान्तरेण द्वारा प्रतों की दशा में श्रे श्रेणियां जिनसे प्राप्नति/प्रतिनियुक्तित/स्थानान्तरेण की जाएगी/किया जाण्या	यदि विभागीय प्रौमति समिति हैं तो उसकी सरभना	भर्ती करेने में किन परिस्थितियों में मैघ लोक सेवा भायोग से परामर्शे किया जाएगा
1' 8	9	10	11	12	1 3
ष्मायु नहीं शैक्षिक प्रहेनाएं हा स्तम्भ 11 में उप- वर्शिन विस्तार नक	<u> 2 বর্ষ</u>	प्रोक्षति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोफ़िन धनुसन्धान सहायक (चयन श्रेणी) (इंजीनियरी) श्रीर ज्येष्ठ श्रनुसन्धान सहायक (इजीनियरी) जिन्होने धपनी-धपनी श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की हो जिसके न हो सकते पर इन श्रेणियों को सिलाकर और श्रनु- सन्धान सहायक (इंजीनियरी) को भी सिलाकर 5 वर्ष सेवा की हो जिनके पास कम से कम विध्नुत या यान्धि इजीनियरी में डिप्लोमा हां	2 सदस्य	

[स॰ 12018/4/73-चीमी] सी॰ पी॰ सेठ, घंबर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (Department of Food)

New Delhi, the 16th December, 1976

G.S.R. 79.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Sugar Institute, Kanpur (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1964, namely.—

- (1) These rules may be called the National Sugar Institute (Class I and Class II Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the National Sugar Institute (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1964-
- (1) In the Schedule, the following entries shall be added after serial No. 48.

1	2	3	4	5	6	7
49 Assistant Engineer (Electrical)	1	General Central Service Group 'B' Gazetted.	Rs. 650-30-740-35- 810-EB-35-880- 40-1000-EB-40-1200	Selection	35 years (Relax- able for Govern- ment servants)	_
						(ii) 2 years experience of working preferably in a modern Semi-electrical Sugar Factory or in a Research Institute. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).
						Desirable:
						One year's professional experience,

8	9	10	11	12	13
Age: No Educational qualifications: Yes, to the extent indicated in Col. 11	2 years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion: Research Assistant (Selection Grade) (Engineering) and Senior Research Assistant (Engineering) with 5 years' regular service in the respective grade, failing which 5 years' combined regular service in these grades and the grade of Research Assistant (Engineering) taken together possessing at least a Diploma in Electrical or Mechanical Engineering.	Class II Departmental Promotion Committee, 1. Chairman: Member, Union Public Service Commission. 2. Member: Joint Secretary (Sugar), Department of Food. 3. Member: Director, Nationa Sugar Institute, Kanpur. 4. Secretary: Under Secretary (Sugar) Department of Food. (In cases where UPSC is not associated).	

[No. A-12018/4/73-Sugar] C. P. SETH, Under Secy.

नई दिल्ली, 20 विसम्बर, 1976

ताः काः किः 80 → राष्ट्रपति, संविधान के प्रतुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदश्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कृषि श्रीर सिचाई मंत्रालय (आद्य विभाग) के सन्न बचाव प्रभियान संगठन में घराजपत्नित पदों पर भनीं की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, धर्मात् : ---

- ा. **संकिप्त नाम धौर प्रारम्भ**ः—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य विभाग, धन्न बचाव ग्रमियान संगठन (ग्रराजपक्षित पद) भर्ती नियम, 1976 हैं।
 - (2) ये राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।
 - 2 लागू होता :—ये नियम इससे उपाबव्ध अनुसूची के स्नम्भ 1 मे विनिधिष्ट पद / पदों को लागू होगे ।
- 3. पद संबंधा, वर्गीकरण भीर वेतसमान :---उक्त पदों की संख्या, जनका वर्गीकरण भीर उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त भनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- 4 भर्ती की प्रवृक्षति, श्रामु-सीमा श्रन्य शर्हताएँ श्रादि :---उक्त पदों पर भर्ती की प्रवृक्षति. श्रायु-सीमा श्रर्हताएँ श्रीर उनसे सब्धित झन्य बाते वे होगी श्री पूर्वाक्त श्रमुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिदिष्ट हैं :
 - निरहैताएं :---वह व्यक्ति----
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पनि या जिसकी पर्या जीविस है, विवाह किया है; या
 - (ख) जिसने अपने पति या अपनी परनी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो;

जनत पद में से किसी पद पर नियुक्ति का पाल नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधात हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के ग्रन्य पक्षकार की लागू स्वीय विधि के घष्टीन अनुक्षेय है श्रीर ऐसा करने के लिए ग्रन्य ग्राधार मौजूद है सो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से खूट दे सकेगी।

- 6. शिथिल करने की शक्ति.--जहां केन्द्रीय भरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावण्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है उसहे लेखबद्ध करके, इस मियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के ध्यक्ति की बादत, श्रादेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।
- ा व्यावृत्तिः—इन नियमो की कोई भी बात ऐसे भारक्षणों भीर अन्य रियायतो पर प्रभाव नही डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए भावेशों के भनुसार अनुसूचित जातियों, भनुसूचित जनजातियों और श्रस्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना भ्रयेक्षित हैं।

				अनुसूची			
पदकानाम	पदो की सख्या	—— -—— वर्गीकरण	 वेतनमान	चयन पद ग्र श्रचयन प			केए जाने वाले व्यक्तियो के लिए भौर अन्य भ्रहेताए
				5	6		7
1 निम्न श्रेणी लिपिक	6	माधारण केन्द्रीय समूह 'ग' झराजव लिपिक-वर्गीय		लाग् नही हों	ा ∠ ६ वर्ष से भ्रन	े महें (2) की (1	दिक या उसके ममनुख्य साए। टकण मे 30 शब्द प्रति मिनट न्यूनतम शक्ति परन्नु— ।) ऐसे व्यक्तिया को, जिसके पास टंकण मे उक्त प्रहुंताएं मही हैं, इस शर्भ के प्रधीन नियुक्त किया जा सकेगा कि बहु उस श्रेणी म बेननबृद्धि प्राप्त करने के लिए या स्था- यीक्ता के लिए या पुष्टीकरण के लिए तब तक पाल नहीं होगा जब तक कि बह टकण में 30 शब्द प्रति मिनट की गित्राप्त नहीं कर लेता, ध्रीव
	यदि कोई।	हो प्रोन्नति स्थानान्त		भर्तीकी वणामे वे	के/स्थानांन्तरण द्वारा श्रेणियां जिनसे प्राप्तीत/ स्वरण की जाएगी/	यदि विभागीय प्रो मिमिनि है तो उस सरचना	ाकी परिस्थितिया में सम्ब लोक सेवा ग्रायोग से
• •	ч						परामण किया जाएगी
• •	ч 		रिक्तियो क। प्रतिशत - ~				परामणा किया जाएगी
लागृ होगी या नहीं 8 लागृ नहीं होता	 दो वर्ष	थानी f 	रिक्तियो क। प्रतिशत 	— – –— — — — — — नागू नही होता	 11 		परामर्ण किया जाएगा

8	9	10		11		12	13
				(4) इस पद्धति द्वारा जाने वाले क्य भाषिकतम संख्या लिपिक के काखर में होने वाली रि भ्रतियात तक सी न भरी गई क्य	क्तिनयों की निम्न श्रेणी में एक वर्ष क्तियों के 10 मित होगी 1 रेक्तियों को		
1		3	4	5		7	_ _
2. जीप ष्ट्राइवर	, -	माधारण केन्द्रीय सेवा, 20 समूह 'ग' घराजपक्षित घालिपिकवर्गीय ।	 60-350 ह्रपये	भ[*]व यन	23-30 वर्ष के शीम	चालन की	महंक भ्रनुज्ञपिन साथ म 4 वर्ष का घासन स्तर उत्सीणं।
3. तकनीकी श्रापरेटर	30	साधारण केन्द्रीय सेवा, 20 समूह, 'घ', घराज- पत्रित, घलिपिकवर्गीय ।	0-250 ६ पये	लाग् नहीं होता	८५ वर्ष में अनिधिक	जाएगा, जां वि पास या समन् बांछनीय : खाखाझों के य धीर अथवा स्पे	। ग्रिष्ठिस्थान उनको दिया ज्ञान विषयो महित मैड्रिक रूप है । भण्डारकरण में प्रशिक्षण यरो तथा ग्रन्य विसकामण कालन का ग्रमुभव ।
कोदार 	6	साधारण केन्द्रीय सेवा, 1ः समृह 'घ' ग्रराजपन्नितः	96-23 2 रुपये	लागू नहीं हीता	2 5 वर्ष से श्रमधिक		स्तर उत्तीर्ण । ————————
8		9 1	. 0			12	13
लागू नही होना	दात्रर्ष	स्थामान्तरण द्वारा सकने पर सीधी		णात्य विभाग में के वर्ष सित कर्मजारियों में स्तम्भ में विहित मोटर जालन में परिणास पर स्थानाल	से जिनके पास श्रह्ताए हा परीक्षण के	ागृ नहीं होता	लागू नहीं होता
लागू नहीं होना	वां वर्ष	णत प्रतिगत सीधी	। भ र्ती द्वारा ।	लागू नही होता	6	गगृ नहीं हाता	लागू नही होता
लागू मही होता	टो वर्ष	शन प्रतिशत सीधी	भर्ती द्वारा ।	लागू नहीं होता		लागूनही हाला	लागू नही होता

्षित्रा० सक्त्या ए-12015/2/7**5-ई-**6]

New Delhi, the 20th December, 1976

G.S.R. 80.—In exercise of the powers conferred by the provise to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Non-Gazetted posts in the Save Grain Campaign Organisation of the Ministry of Agriculture and Irrigation (Department of Food), namely:—

- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Food, Save Grain Campaign Organisation (Non-Gazetted posts) Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules,
- 3. Number of Posts, their classification and scales of pay.— The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 4. Method or recruitment, age limit, other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualification and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5 Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or confracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of his rule.

- 6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

			SCH	IEDULE		
Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or Non-selec- tion post	Age Limit for direct recruits	Educational and other qualifica- tions required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Lower Division Clerk.	6	General Central Service Group 'C' Non- Gazetted, Ministerial	Rs. 260-400	Not applicable	Not exceeding 25 years	Essential: (i) Matriculation or its equivalent qualifications. (ii) Minimum speed of 30 words per minute in typewriting, provided— (1) that a person not possessing the said qualifications in typewriting may be appointed subject to the condition that he shall not be eligible for drawing increments in the pay scale or for quasi-permanency or for confirmation in the grade till he acquires a speed of 30 words per minute in typewriting; and
						(2) that a physically handicapped person who is otherwise qualified to hold a clerical post but does not possess the said qualification in typewriting may be appointed subject to the condition that the Medical Board attached to the Special Employment Exchange for handicapped or where there no such Board, the Civil Surgeon certifies that the said handicapped person is not in a fit condition to be able to type.
2. Jeep Drivei	6	General Central Service Group 'C', Non- gazetted, non- Ministerial	Rs. 260-350	Non-Sel e c- tion	Between 23-30 years	Essential: A qualifying licence for driving cars with at least 4 years' experience in driving. Desirable: Middle school standard pass.
3. Technical Operator	30	General Central Service Group 'D', Non- gazetted, non- nunisterial.	Rs 200-250	Not appli- cable	Not exceeding 25 years	Essential: Middle pass. Preference shall be given to those who are matriculates with science subjects or equivalent. Desirable: Training in storage of Foodgrains and/or experience of operating sprayers and other disinfectation equipment.
4. Chowkidar	6	General Central Service, Group 'D', Non- gazetted.	Rs. 196-232	Not applicable	Not exceeding 25 years	Desirable: Primary School standard pass.

	HE GAZE Period of		NUARY 15, 1977/PAUSA	 _ ,	[PART II—SEC. 3(i)]	
Whether age and educational quali- fications prescri- bed for the direct recruits will apply in the case of promotion	quali- probation, by direct rectt, or by transfer, grades from wheserifany promotion or transfer & Promotion to be made linect percentage of the vacancies to be filled by of various methods		In case of rectt. by promotion/ transfer, grades from which Promotion to be made		, Circumstances in whic U.P.S.C. is to be cor sulted in making rect	
- 8	9	10		12	13	
Not Applicable	2 years	100% by direct recruit- ment.	Not applicable. 10% of the va- cancies shall be reserved for being filled by class IV employees borne on the re- gular establishment, in the Department of Food, sub- ject to the following condi- tions:-~	Not applicable	Not aplicable	
			(1) Selection is made through a Departmental Examination confined to class IV employees who fulfil the requirement of minimum educational qualifications, namely, matriculation or equivalent.			
			(2) The maximum age for this examination should be 45 years (50 years for scheduled Caste and Sche- duled Tribe candidates).			
			(3) At least 5 years' service in class IV cadre essential.			
			(4) Maximum number of recruits by this method shall be limited to 10% of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerk occurring in a year. Unfilled vacancies shall not be carried over.			
Not applicable	3 years	By transfer, failing which, by direct recruitment.	By transfer on the result of a test in driving from among- st regular Class IV emplo- yees in the Department of Food who possess qua- lifications prescribed in column 7.	Not applicable	Not applicable	
Not applicable	2 years	100% by direct recruit- ment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	
Not applicable	2 years	100% by direct recruitment.	Not applicable	Not applicable	Not applicable	

[फा॰ मं॰ ए~12015/6/76-ई॰ 6] चानन राम, ग्रवर मिश्रव

नई विल्ली, 24 दिसम्बर, 1976

सा॰ का॰ वि॰ 81.—राष्ट्रपति, संविधान के श्रनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रयत्त शक्तियों का प्रयाग करते हुए, कृषि श्रीर सिचाई मंत्रालय, खाद्य विभाग के श्रधीन, श्रन्त बचाव श्रभियान संगठन में, प्रज्ञेपित्र प्रचालक-एवं-चालक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निस्निलितित नियम बनाने हैं, ग्रवीन् —

- 1. सक्षिप्त नाम और प्रारंभ :--(1) इन नियमों का नाम प्रन्त सचाव अभियान संगठन (प्रक्षेपिल प्रचालक-ण्य-चालक) भर्ती नियम, 1976 है।
- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की नारीका को प्रवृत्त होगे।
- 2 पद संख्या, वर्गीकरण और देननसान :--उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका देननमान | वे होगे जो इन नियमां से उपायद अनु-सूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिदिष्ट है।
- 3. भर्ती को पद्धति, ग्रावु-सीमा ग्रौर ग्रर्हनाएं ग्रादि :--उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, ग्रायु-मीमा, ग्रर्हनाए ग्रौर उससे संबंधित श्रन्य बाते वे होंगी जो पूर्वीकत ग्रनुसूची के स्वस्भ 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।
 - 🚁 निरर्हताएं ---- वह व्यक्ति, ---
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (श्वर) जिसने भ्रपने पति या भ्रपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो : उक्त पद पर नियुक्ति का पास नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय मरकार का ममाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति श्रीर विवाह के श्रन्य पक्षकार को लागू स्थीय विधि के श्रधीन श्रनुद्रीय है भौर—ऐसा करने के लिए श्रन्य श्राधार मौजूद हैं तो वह किसी स्थिक्त को इस नियम के प्रवंतन से छूट दे सकेगी ।

- 5. शिथिल करने की शक्ति .---- बहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना बावश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके ग्रायोग से परासर्श करके, इस नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बावत, भावेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।
- 6. अयावृत्ति :--इन नियमों की कोई भी बात ऐसे भारक्षणों भौर भन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए श्रादेशों के भनुसार भनुसूचित जातियों, भनुसूचित जनजातियों भीर भ्रन्य विणेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अमेकित है।

				अनु सू ची			
पद का नाम	पदो की संस्था	वर्गीकरण	- वेननमान	चयन पर प्रथवा भ्रचयन पर	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ब्रायु-सीमा		कए जाने वाले व्यक्तियों क्षित ग्रीर अन्य ग्रहताएं
1	2	3	4	5	6		7
प्रकोधित प्रचालक एवं चालक	एक	माधारण केन्द्रीय सेवा	330-10-380 यो 0-12-50 ब ०रो०-15-	00-	30 वर्ष से घ्रमधिक	(2) 16 प्रक्षेपि में प्र उपस्क स्यवह का १ (3) समायं वोष उन्हें को । योग्य (4) हिन्दी (5) उसके	ारिक ज्ञान और विद्युत प्रारम्भिक ज्ञान । जिल करने, मामूली का पक्षा लगाने और ठीक करने और उपस्कर मरम्मत कर सकने के होना चाहिए।
मीधी मर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए बिहित आय और गैक्षिक शहेनाएँ प्रोझित की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिवीक्षा श्रविध यवि हो	कोई प्रोक्तति द्वारा य स्वानान्तरण ह	ग प्रतिमियुक्ति/ गरातथा विभिन्न भरीजानेवाली	प्रोफ्तनि/प्रतिनियुभिन/स्थाना भर्ती की दशा में वे श्री प्रोक्षति/प्रतिनियुमिन/स्थ जाएगा/की जाएगी	णिश्रा जिनसे समिति है	 ागीय प्रोक्षति तो उसकी	भर्ती करने में किन परिस्थितियों मे सघ लोक सेवा भायोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	·—— ———	11	12		13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	्रमागू महीं हैं	ोता	लागृनहीं होसा	लाग मही	होसा	लाग नहीं होना

New Delhi, the 24th December, 1976

- G.S.R. 81.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Projector Operator-cum Driver in the Save Grain Campaign Crganisation under the Ministry of Agriculture and Irrigation, Department of Food, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Save Grain Campaign Organisation (Projector Operator-cum-Driver) Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of the post, its classification and scale of pay.— The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, and qualifications. The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

- 4. Disqualification. No person,-
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non- selection post	Age Limit for direct recruits		nal and other qualifica- direct recruits
1	2	3	4	5	6		7
Projector Opera- tor-cum-Driver	One	General Central Service, Group 'C' Non-Gazet- ted, Non- Ministerial.	Rs. 330-10-38 12-500-EB-		Not exceeding 30 years	ting proje visua field kno (iii) Shor adju defe and (iv) Kno (v) Sho	tical knowledge of opera- tical knowledge of opera- 16 mm Sound film sector and other audio- al equipment used in shows and elementary wledge of electricity. In the structure of the service the equipment owledge of Hindi. In the service the equipment owledge of Hindi.
Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotion	Period probati if any	on by direct promotion	rectt. or by or transfer & of the vacancies	In case of rectt, by p. transfer, grades fro promotion to be ma	m which what	is its com-	Circumstances in which U.P.S.C. is to be con- sulted in making re- cruitment
8	9		10	11		12	13
Not applicable	2 years	Not applica	ble	Not applicable	Not a	pplicable	Not applicable.

(कृषि विमात)

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1976

सा का विषय 82. → राष्ट्रपति, संविधान के प्रतुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि ग्रौर सिचाई संज्ञालय के कृषि विभाग के अर्थ ग्रौर साख्यिकी निदेशालय में सम्पादक (हिन्दी) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निस्नलिखिन नियम बनाने हैं, भर्षात् :---

- ा सक्षिप्त नाम भीर प्रारभ ---(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रयं भीर सांख्यिकी निदेशालय, सम्पादक (हिन्दी) भर्ती नियम, 1976 है।
- (2) ये राजपत्न में प्रकाणन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2 पर-मध्या, उसका वर्गीकरण भीर वेतनमान:— उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण भीर उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमो से उपावद्ध भ्रमुसूची के स्तंभ 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।
- 3 भनीं को पद्मिन, श्रायु-सीमा, श्रर्हताए ग्रादि :---- अकन पद पर भनीं की पद्मिन, श्रायु-सीमा, श्रर्हताएं ग्रीर उससे संबंधित श्रन्य बातें वे होंगी जो उक्त भनुसूची के स्तंभ 5 से 13 में विनिर्दिष्ट है।
 - 4. निरर्हताए:---वह व्यक्ति, ---
 - (क) जिसने एमें व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने ग्रंपने पति या ग्रंपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पद पर निशुक्ति का पान नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विदाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के श्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के श्रधीन श्रमु-ज्ञोय है श्रीर ऐसा करने के लिए श्रन्य श्राधार मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्तिको इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

- 5 शिथिल करने की प्रक्ति —-जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना द्रावश्यक या ममीचीन है वहां, बह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद करके तथा संघ लोक सेवा घायोग से परामर्ण करके, इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बावत, घावेण दारा शिथिल कर सकेगी।
- 6 व्यावृत्तिः—⊸इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणो भीर अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में ममय-मनय पर निकाले गए आदेशों के प्रनुसार श्रनुसूचिन जातियों, प्रनुसूचित जनजातियों और ग्रन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना ग्रुपेक्षित है।

कृषि भौर सिवाई मंत्रालय (कृषि विभाग) के भर्थ भौर साव्यकी निवेगालय में सम्पादक (हिन्दी) के पद के लिए भर्ती नियम

पदकानीम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयम पद ध्यथा धचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भायु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियो के लिए भपेक्षित शैक्षिक भीर भन्य भ र्ह ताएं
1	2	3	4	5	6	7
सम्पादक (हिन्दी)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क', राजपन्नित, (प्रतिपिक वर्गीय)	1100-50-1600 € ∘	चयन	45 वर्ष से मनिधक (सरकारी सेवकों के लिए शिषिल- मीय) टिप्पण :—शायु- सीमा भवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले भ्रम्याथयों से (उनसे भिन्न जो भन्डमान और निकोबार द्वीप समूह भौर लक्ष ग्रीप मे है) भाषेवन प्राप्त करने की भ्रंतिम तारीख होगी।	आवश्यक: (1) किसी मान्यनाप्राप्त विश्व-विद्यालय से हिन्दी में मास्टर की बिग्री या समतुल्य भहंता भीर साथ ही बिग्री स्तर पर अनिवार्य/ऐण्डिक विषय के रूप में अर्थशास्त्र/ वाणिज्यशास्त्र हो । या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से अनिवार्य/ऐण्डिक विषय के रूप में अर्थशास्त्र/वाणिज्यशास्त्र सहिम बिग्री या ममतुल्य अर्हता भीर साहिस्वरस्त या समतुल्य जैसी हिन्दी में अर्थशास्त्र, प्रकाशम भीर अर्थशास्त्र, प्रकाशम भीर अर्थशास्त्र, वाणिज्यशास्त्र, वाणिज्ञ, वाच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्य

174 		TAZETTE O	INDIA . JAN	JAKI 13, 19//	/PAUSA 25, 1898	[PART 11—SEC. 3(i)]
1	2	3	4	5	6	7
						(4) अर्हुताए, अन्यया सुअहित अभ्ययियों की दशा में, संघ लोक सेवा आयोग के विषेका- मुसार शिथिल की जासकती है, विशेषकर अनुभव, सबंधी अर्हुना, अनुसूचित जानियों के या अनुसूचित जन जातियों के अभ्यथियों के सामले में उनके लिए आरक्षित पदों के लिए शिथिल की जा सकती है।
						भाक्रनीय∙
						पत्रकारिता में डिप्लोमा ।

सीधी भर्नी किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए विहित ब्रायु भ्रौर गैक्षिक श्रहेंनाएं प्रोन्नति की देशा में लाग होगी या नही		प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्यामान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वेश्रेणियो जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा		भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा श्रायोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13
भ्रायु : नही ग्रैक्षिक श्रर्हताएं . हा	2 वर्ष	प्रोन्नित या मीधी भर्ती द्वारा, प्रस्येक सामले में भर्ती की सही पद्धति का निर्धारण संघ लोक सेवा भ्रायोग के परामर्श से किया जाएगा।	सहायक सम्पावक (हिन्दी) जिन्होने उस श्रेणी में नियमित माधार पर	में निम्न शामिल होगे :	ध्रायोग के परामर्थ से

[सं० 9-19/74-प्रार्थ मीति]

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 22nd December, 1976

- G.S.R. 82.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Editor (Hindi) in the Directorate of Economics and Statistics in the Department of Agriculture of the Ministry of Agriculture and Irrigation, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Economics and Statistics [Editor (Hindi)] Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of the post, classification, scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rule.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, the qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

- 4. Disqualifications.—No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post, :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Recruitment Rules for the Post of Editor (Hindi) in the Ministry of Agriculture & Irrigation Directorate of Economics and Statistics (Department of Agriculture)

SCHEDULE

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non- Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifi- cations required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Editor (Hindi)	1	General Central Service, Group 'A' Gazetted (Non-Ministerial	Rs. 1100-50-1600.	Selection	Not exceeding 45 years (Relaxable for Government servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Essential: (i) Master's degree in Hindi of a recognised University or equivalent with Economics or Commerce as one of the Compulsory/elective subjects at the degree level. OR Degree of a recognised University or equivalent with Economics or Commerce as a compulsory/elective subjects and possessing qualifications in Hindi, such as Sahitya Ratna or equivalent. (ii) 5 years' experience of writing, editing, publishing and vetting of translation from English to Hindi and vice versa on matters pertaining to Economics, Commerce, Food, Agriculture or allied Subjects. (iii) Knowledge of printing and production of publications. (iv) (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them). Desirable:
						Diploma in journalism.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of Probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by pro- motion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer/to be made	If a DPC exists what is its com- position	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Age: No. Educational Qualifications: Yes.	2 years	By promotion or direct recruitment, the exact mode of recruitment on cach occasion to be decided in consultation with the Union Public Service Commission.	Assistant Editor (Hindi) with 7 years' service in the grade	Group 'A' Departmental Promotion Committee consisting of: 1. Member, Union Public Service Commission— Chairman, 2. Joint Secretary—Member, 3. Economic & Statistical Adviser— Member 4. Director (Admn.) Member-Secretary	Selection shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.
				į	F. No. 9-19/74-Econ. Py.]

नई दिल्ली, 23 विसम्बर, 1976

सा० का० थि० 83.—राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुख्टेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अर्थ भौर सांक्रियकी निदेशालय (वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1967 में भौर संशोधन करते हुए निम्नलिखिन नियम बनाने हैं, भर्यात् :—

- (1) इन नियमो का नाम प्रथं ग्रौर सांख्यिकी निदेशालय (वर्गे
 पत्र) भर्ती (संशोधन) नियम, 1976 है।
 - (2) ये राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- धर्थ धौर सांख्यिकी निदेशालय (वर्ग 4 पद) भर्ती नियम,
 1967 की धनसुको में, स्तम्भ 1 में जपरासी पद के सामने:——
 - (1) स्तम्भ 10 मे की विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, निस्न लिखिन प्रविष्टि रखी जाएगी प्रयात्:—
 - "25 प्रतिशत स्थानान्तरण द्वारा भीर 75 प्रतिशत सीधी भर्सी इगरा"
 - (2) स्तम्भ 11 में की विद्यमान प्रविष्ट के स्थान पर, निम्न-लिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रथित:—

"ग्रर्थं ग्रीर सांक्ष्यिकी निदेशालय के उन फराशों, झाडूकशों ग्रीर चौकीदारों में से स्थानान्तरण द्वारा जिल्होंने उस श्रेणी में 5 वर्षं सेवा की हो ग्रीर जो प्रारम्भिक रूप से साक्षर हों तथा एक साधारण निज्ञित परीक्षा में हिन्दी पढ़ने की योग्यता का सकृत दे।"

> [तंख्या एफ० 13013/2/76-प्रथ नीति] एम० बी० केशवन, ग्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd December, 1976

G.S.R. 83.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Economics and Statistics (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1967, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Directorate of Economics and Statistics (Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Directorate of Economics and Statistics (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1967, against the Post & 'Peon' in column 1,———.
 - (1) in column 10, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "25 per cent by transfer and 73 per cent by direct recruitment";
 - (2) in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—
 - "Transfer from amongst the Farashes, Sweepers and Chowkidars of the Directorate of Economics and Statistics who have put in 5 year's service in the grade and who possess elementary literacy and give proof of ability to read Hindi in a simple written test".

[F. No. 13013/2/76-Econ. Py.]M. V. KESAVAN, Under Secy.

नई विस्ली, 22 विसम्बर, 1976

साठ काठ कि 0 84.—राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुच्छेद 309 के परन्तुक शारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रण्डमान वन विभाग (वर्ग 1 भीर वर्ग 2 राजपवित पर्व) भर्ती नियम, 1963 में और संशोधन करने के लिए निम्तलिखित नियम बनाते हैं अर्थात् —

1. सिक्षण्त माम ग्रीर प्रारम्म --(1) इन नियमा का संक्षिप्त नाम ग्रण्डमान वन विभाग (वर्ग । ग्रीर वर्ग 2 राजपिक्षत पद) भर्ती (सशोधन) नियम, 1976 है।

- (2) ये राजपस्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- 2 भ्राण्डमान वन विभाग (वर्ग 1 भौर वर्ग 2 राजपन्नित पर्व) भर्ती नियम, 1963 की भ्रानुसूची मे,--
- (i) जहां कहीं भी "वर्ग 1" ग्रीर "वर्ग 2" शब्द भीर ग्रक ग्राए हो उनके स्थान पर "समृह क" ग्रीर "समृह ख" शब्द भीर ग्रक्ष जाएंगे,
- (ii) अनुसूची में ज्येष्ठ सहायक इजीनियर के पद के मामने कम स० 6 पर निम्निक्षिखित प्रविष्टि भन्त-स्थापित की जाएगी, भर्यात् .—

अमुसूची

पदकानाम	पदो की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद ध्रथका ध्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए स्रायु-सीमा		ए जाने वाले व्यक्तियों के स्वीर श्रन्य प्रह ताएं
1	2	3	4	5	6		7
ज्येग्ठ सहायक इंजीनियर	समृह	रण केन्द्रीय सेवा 'ख' राजपत्निन पेक वर्गीय	650-30-740-35- 810-द०गे०-35 880-40-1000 द०गे०-40-120 ४० ।	- -	35 वर्ष से ग्रनधिक . (सरकारी सेवको के लिए शिथिल- नीय) टिप्पण :ग्रायु सीमा श्रवधारित करने की निर्णायक नारीख भारत में रहने बाले ग्रभ्यधियों से (उनसे भिन्न जो श्रण्डमान श्रौर निकोबार द्वीप समृह गौर लक्ष द्वीप में रहते हैं) श्रावेदन प्राप्ति की श्रंतिम तारीख होगी	नियरी तुल्य। (ii) किसी प्रारा चाल प्रानुभव (iii) 100 वाव्य प्रानुभव (प्रह्नाएं, प्र की वशा प्रायोग वे की जा प्रनुभव र जातियो जातियो से उनके के लिए मकेगी)	नरकारी या निजी मशीन पर प्रारा मशीन का 2 वर्ष का व्यवहारिक । 0 प्रक्ष शक्ति तक के सम्बंधि के प्रचालन में । विश्वेष सुप्रहित प्रभ्ययियो में संघ लोक सेवा के विवेकानुभार शिथिल सकेंगे, विशेषकर या प्रनुसूचित जन- के प्रभ्यायियों के मामले लिए प्रारक्षित पदी
सीधी भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए विहिन श्रायु भौर मैं भिक श्रहेताएं प्रोह्मति की दशा मे सामू होंगी या नहीं	परिवीक्षा की श्रवधि यदि को हो	ई प्रोन्निद्वारा स्थानान्तरण	या प्रतिनियुक्ति/ द्वारानथा विभिन्न : ाभरीजान वाली		यानान्तरण द्वारा यदि वि श्रेणिया जिनसे समिति गनान्तरण किया सरचना	है तो उसकी	भर्ती करने में किन् पर्रिस्थितियों में संब लोक सेवा भायोग से परामणं किया जाएगा
8	9	1	0	1 1	1	2	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधी भर्ती ब्र	ारा 	लागृनही होता	लागृनह	ा होता	सब लोक सेवा भायो (परामर्ण से छूट) वितियम, 1958 के भधीन वया भेपेक्षित ।

[स॰ एफ॰ 2—41/74—एफ-2] जगवीश चन्द्र, भवर सचिव New Delhi, the 22nd December, 1976

- G.S.R. 84.—In exercise of the power conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Andaman Forest Department (Class I and Class II Gazetted posts) Recruitment Rules, 1963, namely :—
- 1. (1) These rules may be called the Andaman Forest Department (Class I and Class II Gazetted Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
 - 2. In the Schedule to the Andaman Forest Department (Class I and Class II Gazetted Posts) Recruitment Rules 1963,-
 - (i) for the words and figures "Class I" and "Class II" wherever they occur, the words and letters "Group A" and "Group B" shall be substituted;
 - (ii) in the Schedule, against the post of Senior Assistant Engineer at serial No. 6, the following entry shall be inserted, namely:—

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of p	ay	Whether Selection or Non- selection post	_	limit for ect recruit		Educational qualification for direct	ns requ	
1	2	3	4	}	5		6		7		
Senior Asstt. Engineer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non- Ministerial.	Rs. 650-30- 810-EB-3 40-1000-E 1200.	5-880-	Not applicable	xable for servants Note: 'crucial of determinage limi be the control of appli from ca in India than the Andama	r Govt.) The date for ning the t shall losing receipt cations ndidates (other ose in an and r Islands	gine Uni (ii) 2 y in 5 vern mill (iii) Exp stea (Qualific discre Servic of ca qualif qualif perier candid Sched duled for t Deslrab Experier tical	ree in Mec ering of a versity or ea ears' practice saw-Milling e ment or a l. erience in o m plants upt eations relax tion of the I te Commissi indidates oth ded; in part ications re ica	recog quivalenal experither in private operation 1000 able at Union F on in erwise ticular egarding ole in caping to or the costs res	mised at. rience Go- saw on of H.P. t the Public case well the gex- ase of the Sche- served
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of pomotees	Period of probation if any.	on, whether by d ment or by r by depute	tion/transfer age of the be filled by	motion grades	of recruitme /deputation/t from whicl eputation/tran	ransfer, h Promo-	If a Dep tal Prom Commit exists wh composi	otion t ee hat is its		ces in to be making	con-
	9	10	· —— —	<u></u>	11		12			3	
Not Applicable,	2 years	By direct rec	ruitment.	Not a	oplicable.		Not app	licable	As require Union F Commiss. tion fro. tion), 1958.	ublic S ion (E:	Service xemp- isulta-

नई विल्ली, 23 विसम्बर, 1976

सा० का० कि० 85.—राष्ट्रपति गविधान के भनुक्छेय 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए और कृषि विभाग विधि प्रधिकारी (उर्वरक) मर्ती नियम, 1969 को प्रधिकार करते हुए कृषि और सिचाई मन्नालय (कृषि विभाग) में विधि प्रधिकारी (उर्वरक) के पद पर भर्ती की पद्धित की विनियमित करने वाले निम्मलिखिस नियम बनाते हैं प्रयोत् :—

- ा. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ ---(1) इन नियमों का नाम कृषि विभाग विधि मधिकारी (उर्वरक) भर्ती नियम, 1976 है।
- (2) ये राजपत्त में प्रकाणन की नारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पद-संख्या, उसका वर्गीकरण ग्रीर बेतनमान –उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण ग्रीर उसका वेतनमान वे होगे जो उन नियमों से उपा**यद्ध प्रनुसूची** के स्तम्भ 2 से 4 में विनिधिष्ट है।
- 3. भनीं की पद्धति, भ्रायु-सीमा, भ्रहंनाए भ्रादि .-- उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, श्रायु-मीमा, भ्रष्टंनाए भौर उससे सम्बन्धित भन्य बाते वे होगी जो पूर्वोक्त भन्सुची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिदिष्ट है।
 - 4. निरहेताएं :--वह स्यवित :--
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है विवाह किया है, या
 - (ख) जिसने ग्रयने पति या ग्रपनी पत्नी के जीविन होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है.

उक्त पद पर नियुक्ति का पान नहीं होगाः

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा दिवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के भ्रन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन भनुकेय है, और ऐसा करने के लिए विशेष भ्राधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवंतन से छूट दे सकेगी।

- 5 शिथिल करने को शक्ति:—-जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना भावण्यक या समीचीन है वहा, वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके नथा सब लोक सेवा भायोग से परासर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की साबत भावेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।
- 6. ब्यावृत्ति इन नियमों का कोई भी बात ऐसे भारक्षणों भीर भन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा ६म सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए भादेशों के भ्रनुसार भनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों भीर भन्य विशेषप्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित हैं। अनसची

पदकानाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान			सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियो के लिए ग्रायु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भ्रमेकित शैक्षिक भीर भ्रन्य भ्रहेताएँ
1	2	3	4	5	6	7	8
विधि मधिकारी (उर्व- रक)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' (राजपक्षित)	700-40-900-द ० रो ०-40-1100-50- 1300 रपण्	नही	जागू नही होता	के लिए शिथिल- नीय)	ावपयक: 1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से विधि में उपाधि या समतुख्य। 2) भण्डारों के क्रम/विकय में विक्रय कर प्रधिनियमों भीर नियमों उपयोजन के कान सहित किसी सरकारी प्रा किसी सुस्थापित वाणिष्यक संगठन में क्रय/विक्रय का 3 वर्ष का अमुभव। (प्रहृंताएं अन्यथा सुप्रहित अभ्यर्थियों की वचा में संघ लोक सेवा प्रायोग के विषेका सुसार गिथिल की जा सकती है विशेषकर धनुभव सम्बन्ध प्रहृंता अनुस्चित जानियों या अनुस्चित जानियों या अनुस्चित जानियों से सम्बन्ध मों उनके लिए बारियल की जा सकती है।

	यदि कोई हो	। भर्तीकी पद्धतिसीक्षेहीसीया प्रोन्निद्धारायाप्रतिनियुक्ति/ स्थानात्तरणद्वारातथाविभिन्न पद्धतियोद्वाराभरीजानेवाली रिक्तियोकाप्रतिशत	प्रोक्षिति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रो- श्रति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएंगा	समिति है तो उसकी	
9	10	11	12	13	14
लागू मही होता	2 वर्ष	प्रतिनिदृक्षित पर स्थानान्तरण द्वारा जिसकेन हो सकने पर मीर्घा भर्ती द्वारा ।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों (संघ केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों (संघ केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों जो सदृष्ट पदों पर हों या जिन्होंने 650- 1200 कपए के वेतनमान वाले या समतुल्य पदों पर नियमित माधार पर नियुक्ति के पश्चात् 3 वर्ष सेवा की हो भौर जिनके पास सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए स्तम्भ 7 में विहित भ्रह्ताएं भौर प्रतुभव हो । (प्रतिनियुक्ति की भ्रवंधि सामान्यन: 3 वर्ष से भ्रधिक नहीं होगी।)	लागू नहीं होता	सीधी भर्ती के लिए ग्रौर यवि नियित के लिए राज्य सरकार के किसी प्रधिकारी का वयन हो जाता है तो संघ लोक सेवा ग्रायोग (परामर्थ मे छट) विनियम, 1958 के ग्रधीन यथा- पेक्षित

[सं॰ ए॰ 12018/2/75-स्था 1] रूप राम. धवर सचिव

New Delhi, the 23rd December, 1976

- G.S.R. 85. In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, and in supersession of the Department of Agriculture Law Officer (Fertiliser) Recruitment Rules, 1969, the President of India hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Law Officer (Fertiliser) in the Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture), namely:—
- 1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Department of Agriculture Law Officer (Fertiliser) Recruitment Rules, 1976.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of the posts, its classification and scale of pay:—The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc:—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.
 - 4. Disqualifications:—No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any persons, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax: -Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving:—Nothing in those rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

			HEDULE			
No. of posts	Classifications	Scale of pay	benefit of added years of service admissible under Rule 30 of C.C.S (Pension) Rules, is applicable to the post in ques- tion	selection or Non- Selection 5. Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
2	3	4		6		8
1	General Central Service Group 'A' (Gazetted)	Rs. 700-40-900- EB-40-1100-50- 1300			Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)	Essential: (i) Degree in Law of a recognised University or equivalent. (ii) 3 years' purchase/sale experience in a Government, semi-Government or in a well-established Commercial Organisation with knowledge of Sales Tax Acts and Rules in their application to purchase/sale of stores (Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified; in particular, the qualification regarding experience is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes for posts reserved for them).
prol if an its	pation, whether, recruits promo tation/tage o be fille	r by direct ment or by tion or by deputransfer and percent the vacancies to be by various me-	motion/deputa grades from wh deputation/tra	tion/transfer ich promotic	mental Promo- on/ tion Committee	Circumstances under which Union Public Service Commission is to be consulted in making re- cruitment
	10	11		12	13	14
. 2 ye	faili	ng which by direct	Officers of the Governmen Union Terranalogous pyears, servithe scale oor equivalen appointmen regular basis	e Central/St ts (includitories) hold bosts or with ce in posts f Rs. 650-12 t rendered af t thereto on	lng ing 1 3 in 000 ter 1 a ing	For direct recruitmen and if an officer of the State Government is selected for appoint ment, as required under the U.P.S.C. (Exemption from Consultation Regulations, 1958.
	Peri prol if an its se	Period of Methor probation, whether if any, recruits promosting tage of the first promosting tage of th	Period of Method of recruitment probation, whether by direct fany, recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percer tage of the vacancies to be filled by various methods. 10 11 1	No. of Classifications Scale of pay Period of C.C.S. (Pension) Rules, is applicable to the post in question 2	Period of probation, if any, crecruitment are selection or by promotion or by promotion or by promotion or by promotion or by crecruitment the selection or Non-selection. Period of probation, if any, crecruitment age of the vacancies to be filled by various methods. 10	No. of Classifications No. of Classifications No. of Classifications Scale of pay boots Position 1 General Cen. Rs. 700-40-900- tral Service Group 'A' 1300 (Gazetted) No. Not applicable for Government servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of application from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep) Period of probation, if any, promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods. 10 11 Tansfer and percentage of the Cantral/State Covernment. By transfer on deputation, failing which by direct recruitment. Whether the whole and added selection Rale 30 of C.C.S. Post (Pension) Rules, is applicable to the post in question applicable to the post in question. No. Not applicable for Government servants) Note: The crucial date for receipt of application from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep) Period of probation, if any probation are the contral promotion or by deputation/transfer to be made exists, what is its composition to be filled by various methods. 10 11 Tansfer on deputation, failing which by direct recruitment. Period of probation applicable. Whether candidates on No. Not applicable for Governments of the Cantral/State Covernments (scaluding analogous posts or with 3 years, service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent rendered after appointment thereto on a regular basis and possessing

नई विल्ली, 28 विसम्बर, 1976

सां कां पि 86,—-राष्ट्रपति, सिवधान के अनुकछेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मत्स्य की शिक्षा संस्थान, बलभद्रपुरम के शुद्ध जस मत्स्य पालन केन्द्र में सहायक इंजीनियर (मत्स्य पालन केन्द्र) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—-

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:---(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय भात्स्यकी शिक्षा संस्थान बलभद्रपुरम के शुद्ध जल मरस्य पालन केन्द्र में सहायक इंजीनियर (मरस्य पालन केन्द्र) भर्ती नियम, 1976 है।
 - (2) ये राजपत्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पद-संख्या, उसका वर्गीकरण भीर वेतनमान:— उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण भीर उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपावद भनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विनिद्धिष्ट है।
- 3. मर्ती की पद्धति, प्रायु-सीमा, प्रहेंसाएं घादि उक्त पर पर भर्ती की पद्धति, प्रायु-सीमा, प्रहेंसाएं भीर उससे सम्बन्धित धन्य बातें वे होंगी जो उक्त धनुमूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिधिष्ट है। परन्तु सीधी भर्ती के लिए विहित ऊपरी ग्रायु सीमा प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए, केन्द्रीय मरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए प्रावेशों के मनुसार, शिषिल की जा सकेगी, ग्रामु सीमा में छूट होगी।
 - निर्हताएं: वह व्यक्ति:—
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, जक्त पद पर नियुक्ति का पान नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुक्षेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

- 5. शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना भावश्यक या समीचीन है वहां, वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखनढ़ करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्ग करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।
- 6. व्यावृत्तिः—इन नियमों का कोई भी बात ऐसे ग्रारक्षणों भीर प्रन्थ रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए प्रादेशों के भनुसार प्रनुसूचित जातियों, ग्रनुसूचित जनजातियों भीर ग्रन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना ग्रपेक्षित है।

भनुसूची केन्द्रीय मात्स्यकी शिक्षा संस्थान, बालभद्रपुरम के शुद्ध-जल मत्स्य पालन केन्द्र में सहायक इंजीनियर (मत्स्य पालन केन्द्र) भर्ती नियम, 1976

पदाका नाम -	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पव श्रयवा श्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए ब्रायुसीमा 🌡	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए भ्रपेक्षित गैक्षिक भीर ग्रन्य भर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
सहायक इंजीनियर (मरस्यग्रालन केन्द्र)	1	माधारण केन्द्रीय सेवा, ममूह 'क' राजपत्नित,] (प्रालिपिकवर्गीय)	650-30-740-35- 810-व० रो०-35- 880-40-1000-व० रो०-40-1200 हपए	लागू नहीं होता	में रहने वाले अभ्यर्थिये से (उनसे भिन्न जो अण्ड मान ग्रीर निकोबार द्वीप	से कृषि या सिविस मिविल इंजीनिय- रिंग में उपाधि या भमतुल्य झहुँता। वांछनीय: र (1) मत्स्य पालन केन्द्र सिंघाई टैंकों के जलाशयों झादि के डिजाइन न्नौर सिक्षमीण का उथवहारिक श्रनुभव। (2) व्याख्यान देने की धोज्यता। झंथवा
						डिप्लोमा या समयुल्य झहँता। (2) मत्स्य पालन केन्द्र, सिंचाई टैंकों जलाशमों भ्राविकेडिजाइ श्रीर सक्षिमीण का 5 वर्ष का व्यावहारिक भ्रनुभव।

1	2	3	4	5	6	7
					वाछनीय :	
					सुर्ध्वाहत संघ लोक नुसार शि	म्यता (ग्राहेताए, ग्रन्थथा ग्रम्थाथियों की दशा में सेवा ग्रायोग के विवेका- थिल की जा सकती
					धा ईता ध सूचित ज के मामले	रुर धनुभव सम्बन्धी नुसूचित जातियो मनु- नजातियों के भ्रभ्यथियों मे उनके लिए धारक्षित लिए शिथिल की जा

मोधे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए विहिन भागुभीर शैक्षिक महंताएं प्रोन्नतों की दशा में लागु होगी या नही	यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनिसुक्ति/ स्यानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिशत	भर्तीकी दशामें वे श्रेणियां जिनसे		मर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा घायोग से परामर्शकिया जायगा।
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होत।	2 वर्ष	सीधी मर्ती द्वारा (खुले विज्ञापन द्वारा)	लागू नही होता	लागू नही होता	षयन संघ लोक सेवा प्रायोग के परामर्ग से किया जायगा।

[सं॰ 9-4/76-मात्सकी (प्रशासन)]

New Delhi, the 28th December, 1976

- G.S.R. 86.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Assistant Engineer (Fish Farm) in the Fresh Water Fish Farm, Balabhadrapuram of the Central Institute of Fisheries Education, namely:—
- 1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Fresh Water Farm Balabhadrapuram of the Central Institute of Fisherics Education Assistant Engineer (Fish Farm) Recruitment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of post, classification and scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc:—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

- 4. Disqualifications:—No person—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
 - (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may if satisfied
that such marriage is permissible under the personal
law applicable to such persons and other party to
the marriage and there are other grounds for so
doing, exempt any person from the operation of
this rule.

- 5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with Union Pablic Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of person or post.
- 6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the Post of Assistant Engineer (Pish Farm, at the Fresh Water Fish Farm, Balbadhramuram, of the Central Ins-

Name of the Post	No. of Post	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or non- Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifica- tions required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
1. Assistant Engineer (Fish Farm)	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non- Ministerial	Rs. 650-30-740-35- 810-EB-35-880-40- 1000-EB-40-1200	Not Applicable	Not exceeding 30 years. (Relaxable for Govt. servants) Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).	Desirable: (i) Practical experience in design and construction of Fish Farm Irrigation Tanks, Reservoir, etc. (ii) Ability to deliver lectures. OR B. Essential: (i) Diploma in Civil Engineering of a recognised Institution
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation if any		rect recruit- motion notion or by grades in ansfer & deputation of the vacan-	/deputation/t from which p	ransfer, tal Pro	

Not applicable

9 2 years.

By direct recruitment (By open advertisement).

10

11 Not applicable

12

Not applicable. Selection shall be made in consultation the Union Public Service Commission.

13

सा॰ का॰ पि॰ 87 ---राष्ट्रपति, संविधाम के ग्रनुच्छेव 309 के परन्युक ढारा प्रवत्त शक्तियो का प्रयोग करते हुए मन्तर्देशीय मीन उद्योग संकिया का प्रावेशिक प्रशिक्षण केन्द्र (वर्ग 3 घीर 4 पर) भर्ती नियम, 1968 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, धर्यात्:---

- 1. (1) इन नियमों का नाम अन्तर्देशीय मीन उद्योग संक्रिया का प्रावेशिक प्रशिक्षण केन्द्र, (वर्गे 3 मीर 4 पद) भर्ती (संशोधन) नियम 1976 🕻 I
- (2) ये राजपत्न में प्रकाजन की तारीख की प्रकृत होंगे। ग्रम्सर्वेशीय मीन उद्योग संक्रिया का प्रादेखिक प्र**शिक्ष**ण (वर्ग 3 घीर 4 पव) भर्ती नियम, 1968 में,--

[No. 9-4/76-FY(A)]

- (i) जड़ां कही भी "भन्तर्वेशीय मीन उच्चोग संक्रिया का प्रावेशिक प्रशिक्षण केन्द्र "शब्द द्याए हों, उनके स्थान पर "भन्त-वैशीय मीन उद्योग संक्रिया का प्रावेशिक प्रशिक्षाण केन्द्र, द्यागीरा भीर केन्द्रीय मीन उद्योग विस्तारण प्रशिक्तण केन्द्र, हैवरा-शस्य
- कही भी "बर्गे 3" भीर "वर्ग 4" सब्द भीर श्लेक हों, उनके स्थान पर कमजः 'समूह ग' और 'समृह मध्द भौर भक्तर रखे जायें।

[संबया 9-27/76-मारसभी (प्रशासम)]

- G.S.R. 87.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Regional Training Centres for Inland Fisheries Operatives (Class III and IV Posts) Recruitment Rules, 1968, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Regional Training Centres for Inland Fisheries Operatives (Class III and IV Post) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazete.
- 2. In the Regional Training Centres for Inland Fisheries Operatives (Class III and IV Post) Recruitment Rules, 1968,—
 - (i) for the words "Regional Training Centre for Inland Fisheries Operatives", wherever they occur, the words "Regional Training Centre for Inland Fisheries Operatives, Agra and Central Fisheries Extension Training Centre, Hyderabad" shall be substituted;
 - (ii) for the words and figures "Class III" and "Class IV" wherever they occur, the words and letters "Group C" and "Group D" shall respectively be substituted. [No. 9-27/76-Fy. (Adm.)]

सा० का० थि० 88:---राष्ट्रपति, संविधान के भनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रवस वक्षितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय भीन उद्योग विकास संस्थान, मुम्बई के भन्तर्वेशीय मीन उद्योग प्रशिक्षण एकक, बैरकपुर (वर्ग 3 भीर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1972 में भीर संशोधन करने के लिए निश्निलिखत नियम बनाते हैं, भर्यातु:---

- (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय मीम उद्योग शिक्षा संस्थान, मुम्बई के झन्तर्देशीय मीन उद्योग प्रशिक्षण एकक, बैरकपुर (वर्ग 3 भीर वर्ग पद) भर्ती (दितीय संशोधन) नियम, 1976 है।
 - (2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रकल होंगे।
- 2. केन्द्रीय मीन उद्योग शिक्षा संस्थान, मुम्बई के प्रन्तर्वेशीय मीन उद्योग प्रशिक्षण एकक, बैरकपुर (वर्ग 3 भीर वर्ग 4 पर) मर्ती नियम, 1972 में जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, जहां कहीं भी (वर्ग 3' भीर 'वर्ग 4' गब्द भीर श्रक माए हैं, वहां उनके स्थान पर क्रमणः 'समूह ग' भीर 'समूह 'व' कम्द भीर सक्षर रखे जाएंगे।
- 3. उक्त नियमों की घनुसूची मे, लेखाकार के पद मे सम्बन्धित मद 5 घौर उसके प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित मद घौर प्रविष्टियां मन्तःस्यापित की जाएंगी, प्रथित्:—

अनुसूची 2 3 1 4 7 25 वर्ष (ऐसे मरकारी सेवकों के साधारण केन्द्रीय सेवा, 196-3-220 व रो० सागुनही होता वाष्ट्रनीय : 6. साङ्कण एक 3-232 ६५ए लिए 25 वर्ष सक शिथिल की प्राइमरी पास/किसी प्रसिद्ध समृह घ जा सकेगी जो उसी या सम्बद्ध संस्था में झाड्कश के रूप में पिक्त में हैं भौर जिन्होंने उसी 2 वर्ष का मनुभव। विभाग में 3 वर्ष निरन्तर सेवा की हो) नोट: प्रायु सीमा प्रवधारित करने की निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले प्राप्याचियों से (उनसे भिन्न जो घण्डमान धौर निकोबार द्वीप समृह भौर लक्ष द्वीप हैं) भाषेषन प्राप्त करने की भ्रन्तिम तारीखाहोगी। 8 10 11 12 13 लाग् नहीं होता 2 वर्ष शत प्रतिशत सीधी भर्ती लागु मही होता लागु महीं होता लागुनहीं होसा रोजगार कार्यालय/मौखिक परीक्षा के माष्यम से या संस्थान ब्रारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से ।

[सं॰ 9-29/76-मात्सकी (प्रशासन)]

- G.S.R. 88 .—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Inland Fisheries Training Unit, Barrackpore of the Central Institute of Fisheries Education, Bombay (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1972, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Inland Fisheries Training Unit, Barrackpore of the Central Institute of Fisheries Education, Bombay (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Second Amendment) Rules, 1976.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2. In the Inland Fisheries Training Unit, Barrackpore of the Central Institute of Fisheries Education, Bombay (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1972 (hereinafter referred to as the said rules, for the words and figures "Class III" and "Class IV", wherever they occur, the words and letters "Group C" and "Group D" shall respectively be substituted.
- 3. In the Schedule to the said rules, after item 5 relating to the post of Accountant and entries thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7	
"6. Sweeper	Опе	General Central Service, Group 'D'	Rs. 196-3-220-EB-3-232.	Not applicable	25 years (relaxable for Government Servants upto 35 years, who are in same or allied line and who have rendered three years continuous service in the same department). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the last date upto which the employment exchanges are asked to submit the names.		
8	9	10		11	12	13	3
Not applicable.	2 years	ment. The ployment vivo voce competitive	ect recruit- Not app ought Em- Exchanges/ or through examination acted by the	licable.	Not appl	licable. Not applic	cable.

[No. 9-29/76-Fy (Adm.)]

नई विल्ली, 29 दिसम्बर, 1976

सा० का० कि० 89:--राष्ट्रपति, संविधान के मनुष्छेद 309, के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करने हुए, मत्स्य बन्दरमाह निवेश-पूर्व सर्वेक्षण (वर्ग 3 ग्रीर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 में ग्रीर संगोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, ग्रथील्.--

- ा. (1) इन नियमो का नाम मस्स्य धन्दरगाह निवेश-पूर्व सर्वेक्षण (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 पद) भर्नी (संशोधन) नियम, 1976 है।
 - (2) में राजपन्न में प्रकाशन की नारीख को प्रवृत्त होगे।

2. मत्स्य बन्दरगाह निवेश पूर्व सर्वेक्षण (वर्ग 3 श्रीर वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1968 की धनुसूची मे, लेखाकार के पद से सम्बन्धित पद संख्या 1 स्रीर उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित मदे श्रीर प्रविष्टियां ग्रन्त:स्थापिन की जाएगी, प्रयात् ---

		\sim
11-	ш.	T
٠, احد	и,	71

पद का नाम	पदों की सख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद धार्थ श्रचयन पद	ावा सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए झायु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियो के लिए प्रपेक्षित गौक्षिक ग्रीर घन्य भर्हताए
1	2	3	4	5	в	7
1. लेखाकार	1		425-15-560-द० 20-640 रुपण्		30 वर्ष (सरकारी सेवकों के लिए शिथिल- नीय)	वाणिज्य-शास्त्र में स्नातक साथ ही किसी भी सरकारी या गर्ध- सरकारी सगठन में लेखाकार्य ग्रौर स्थापना सम्बन्धी मामलो में 3 वर्ष का ग्रनुभव ।

[सं॰ 14-8/74-फिश (एच०)/प्रशासन]

नागेन्द्र सिंह, ग्रथर सचिव

8	9	10	11	12	13
महो	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति द्वारा।	प्रोप्तिः ऐसे उच्च श्रेणी लिपिक ग्रौर मण्डारी जिन्हें लेखा कार्य मे 3 वर्ष का ग्रनुभव हो। प्रतिनियुक्तिः महालेखाकार के कार्यालय या भारत सरकार के विभागों के ग्रपेकित ग्रही- ताएं ग्रौर ग्रनुभव रखने वाले स्यक्ति। (प्रतिनियुक्ति की भ्रविधि 3 वर्ष से भ्रिधिक नहीं होगी)	वर्ग III विभागीय प्रोन्नति मिनित जिसमे निम्नलिखित होंगे 1. परियोजना निदेशक- प्रध्यक्ष 2. उप निदेशको में मेसदस्य 3. बाहर का सदस्य— सदस्य 4. प्रणासन प्रधिकारी- सदस्य 5 परियोजना या बाहर के कार्यालय से अनस्य जाति का एक प्रधिक- सहस्यीजित सदस्य	— एक - —

New Delhi, the 29th December, 1976

- G.S.R 89 —In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Pre-Investment survey of Fishing Harbours (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1968, namely :---
- 1. (1) These rules may be called the Prc-Investment Survey of Fishing Harbours (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1976.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Schedule to the Pic-Investment Sulvey of Fishing Harbours (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1968, for item No. 1 relating to the post of Accountant and entries relating thereto, the following items and entries shall be substituted; namely:—

SCHEDULE

Name of post	No. of posts.	Classification	Scale of Pay.	Whether Selection post or Non- Selection post.	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifica- tions required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
1. Accountant	1	General Central Service Class III Ministerial.	Rs. 425-15-560-EB- 20-640.	Selection.	30 years (Age relaxable for Government Servants).	Graduate in Commerce with 3 years experience in accounts and estiblishment matters in any Government or semi-Government organisation.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	whether by direct recruit- ment or by promotion or	In case of recruitment by pro- motion/deputation/transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made	tal Promotion Committee	Circumstances in which Union Public Service Com- mission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	x2	13
No.	2 years	By promotion, failing which by direct recruitment/deputation	Promotion: Upper Division Clerk and Storekeeper with 3 years experience in accounts work, Deputation: From the officers of the Accountant Generals or Government of India Departments with requisite qualifications and experience. (Period of deputation shall not exceed three years).	1. The Project Director— Chairman.	

[No. 14-8/74-FY(H)/Adm.] NAGINDER SINGH, Under Secy.

(कृषि अनुसंघान धौर शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1976

साठ काठ पिठ 90.— राष्ट्रपति, संविधान के बमुक्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त सक्तियो का प्रयोग करते हुए, कृषि प्रनुसन्धान सौर शिक्षा विभाग में उक्स श्रेणी लिपिक एवं खजांची के काटर वास्त्र पद पर भर्ती की पद्धति की विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, ग्रर्वात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम कृषि धनुसन्धान और शिक्षा विभाग (उच्च श्रेणी लिपिक एवं खजांची) भर्ती नियम 1976 है।
 - (2) ये राजपन्न में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. पद संख्या, वर्गीकरण भौर वेतनमान.—उक्त पदो की संख्या, उनका वर्गीकरण भौर वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों के उपावश्व भनुसूची के स्तस्थ 2 से 4 में विनिर्विष्ट हैं।
- 3. भर्ती की पद्धति, भ्रायु सीमा, भईताएं भ्रादि .—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, भागु सीमा, भईताएं भौर उनसे सम्बन्धित भ्रन्य बासें वे होंगी जो पूर्वोक्त भनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में विनिर्दिश्ट हैं।
 - 4 निर्हरताएं .--वह व्यक्ति-
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
 - (बा) जिसने स्रपने पति या भपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

सकत पदों में मे किसी पर नियुक्ति का पान नहीं होगा :

परन्तु यवि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति भीर विवाह के प्रत्य पक्षकार की लागू स्वीय विधि के शसीन शनुजेय है और ऐसा करने के लिए प्रत्य प्राधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट वे सकेगी।

5. शिथिल करने की मक्ति. अर्त केन्द्रीय सरकार की राय ही कि ऐसा करना भावश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, भावेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6 व्यावृति —-इन नियमो की कोई भी बात ऐसे आरक्षणा श्रीन धन्य रियायतो पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाल गए धादेणों के धनुसार धनुसूजित जातियों धनुसन्ति। जनजातियों धौर घन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेकित है।

ह।				अनुसूची			,	
 चयकानाम	पदो की सक्या	वर्गीकरस्	धेननमान 	चयन पर श्रथनी श्रचयन पर	सीधे भर्ती किए वामे व्यक्तियो मीमा			कष्ण जाने वाले स्य स्तियो क्षिक भ्रौर भ्रन्य श्रहेताए
1	2	3	4	5	(1		7	
 उच्च श्रेणी लिपिक एव खजाची		साधारण केन्द्रीय सेवा समृह ग मनुसचित्रीय	330-10-380-द० 12-500-द० रो०-1 560 श्रीर विशेष वे या प्रतिनिय्कित (का	5- 1न	 लाग् नहीं होत 		लाग मही हा स	ना
सीधे भर्ती किए जाने बाले व्यक्तिया के लिए विहित प्रायु ग्रीर गैकिक भहंताएं ग्रादि प्रोच्नति की दणा मे पागु होगी या नहीं	पित्रवीक्षा अवधि र कोई हो	प्रदि या प्रीत्नति इः स्थानान्तरस्	द्वारा तथा विभिन्न भिरी जाने वासी		म प्रा न्न ि	,	विभागीय पीमिति है तो जनक्या है	
8	9	10		11			12	13
लागू नहीं होता	लागू नही	होता प्रतिनियुक्ति प		मंत्रालयो/विभागो/व लयो में काम करने लिपिक जिन्होंने के लिपिक सेवा में भाग रोकड/लेखा कार्य क वर्ष का प्रनुभव हो केन्द्रीय मिवालय सेवा श्रेणी 3 के जिन्हें रोकड़/लेखा का प्रनुभव हो ! मवालयो/विभागो/म लयो में कार्य करने व लिपिक जिन्होंने केन्द्र लिपिक मेवा में भाग जिन्हें उस श्रेणी 5 वर्ष तक काम किय रोभाड़/लेखा कार्य मे वर्ष का श्रनुभव हो उपर्युक्त !, 2 श्रीर 3 पर किसी भी श्रन्य का श्रेणी लिपिक, जिन्हांमें क्य का	वाले उच्च श्रेणी स्त्रीय सचिवालय लिया हो जिन्हे कम से कम 3 । प्राशृलिपिक प्राशृलिपिक कार्य मे 3 वर्ष स्वद्ध कार्या- लिया हो प्रीर मे न्यूनसम । हो, जिसमें से कम से कम 3 । के न हो सकने व्यालिया के उच्च	नागू	नहीं होता	सागू नंद्री शे ता

[मं॰ 6(2)/75-स्थापना] म॰ चि॰ जयारामन, ग्रवर सचिव Name of post

(Department of Agricultural Research & Education)

New Delhi, the 17th December. 1976

- G.S.R. 90.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the ex-cadre post of Upper Division Clerk-cum-Cashler in the Department of Agricultural Research and Education, namely:—
- 1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Agricultural Research and Education (Upper Division Clerk-cum-Cashier) Recruitment Rules, 1976
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.— The method of recruitment, age limit, qualification and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

No of Classification

4. Disqualification .-- No person,--

Age limit for

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the scheduled castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Educational and other qualifica-

SCHEDULE

Whether

Scale of pay

Name of post	No. of (posts	Classification	Scale of pay		Whether selection post or Non- Selection post	Age lim direct re		rational and other qualifica- required for direct recruits	
1	2	3	4		5		6	7	
Upper Division Clerk-cum- Cashier		General Central Service Group C (Ministerial)	12-500-EI plus spec	3-15-560- ial pay itation	Selection	Not app	olicable	Not applicable	
Whether age and educationel qualification etc. prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation	Mathod of re	peruitment	motion/	recruitment transfer grade romotion/tra	s from	It a Depart- mental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment	
8	9	10)		11		12	13	
Not applicable	Not applicable		n deputation	working in Minipopartments / Ai offices participa the Central Sec Clerical Service the sec of the control of th		Attached pating in corotariat with at experi- Accounts		e Not applicable	
				of Ste hav	nographers (Central Senographers ling 3 years e in Cash/	Service Service experi-			

10 12 13 8 11 (iii) Lower Division Clerks working in Ministries/ Departments / Attached Offices participating in Central Secretariat Clerical Service with minimum of 5 years service in the grade, of which at least 3 years experience in Cash/Accounts work. (iv) Failing (i), (ii) and (iii) above, Upper Division Clerks working in other offices with at least 3 years experience in Cash/ Accounts work. Note:—The period of de-putation shall ordinarily not exceed 3 years.

[No. 6(2)/75-Estt.] M. C. JAYARAMAN, Under Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 24th December, 1976

G.S.R. 91.—In the Directorate of Plant Protection, Quarantine and Storage (Assistant Statistician) Recruitment Rules, 1974, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Agriculture (Department of Agriculture), No. G. S. R. 741, dated the 1st July, 1974, at pages 1781 and 1782 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 13th July, 1974,—

At page 1781, in the Schedule, in column 7, under the heading "Desirable", for "Diploma of certificate", read "Diploma or certificate".

[No. 13-13/73-PPS]

C. SOHONI, Under Secy.

विज्ञान और प्रौद्धोगिकी विभाग

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1976

सारकार भिरु 92. ----राष्ट्रपति, संविधान के धनुष्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रचल कथिनयों का प्रयोग करने हुए, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (केन्द्रीय सेवा वर्ग 3 पद) भर्ती (चनुर्य सणोधन) नियम, 1963 में भ्रीर संशाधन करने के लिए निम्निष्णित नियम बनाने हैं, ध्रयांतृ.--

- 1 (1) इन नियमों का नाम भारतीय सर्वेक्षण (केन्द्रीय मेवा बर्ग 3 पर्व) भर्ती (चतुर्थ संप्रोधन) नियम, 1976 है।
 - (2) ये राजपक्ष मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।
- भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (केन्द्रीय सेवा वर्ग 3 पद) भर्ती नियम,
 1963 की धनुसूची में, ज्येष्ठ प्राणि सहायक के पद से संबंधित क्रम स॰ 8 के सामने :
 - (i) स्तम्भ य मे की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नितिखित प्रविष्टियों रखी जाएगी, ग्रथित ~~
 "ग्रीलिपिकवर्गीय (ग्रराजपित्रत) समुह ग";
 - (ii) स्तम्भ 5 में की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखिन प्रविष्टियां रखी जाएंगी, ग्राथीत् —--

"550-25-750-30-30-900"

(iii) स्तम्भ 11 में की प्रविष्टि के स्थान पर तिस्तितिकात प्रवि-ष्टियां रखी जाएंगी, मर्वात् :---"म्रायु—नहीं" वैक्षिक महंनाएं---हा

टिप्पण

मैं किक महता, ऐसे भारतीय प्राण मर्वेक्षण के मधिकारियों की लागू नहीं है जो इस मधिसूचना के जारी होने की तारीख को सेवा में नहीं है। मध्य मामलों में स्तम्भ 9 में विहित महंताएं लागू होगी।'';

 (i) स्तम्भ 12 में निम्निनिश्चित प्रविष्टियां भ्रन्त स्वापित की जाएगी, भर्यातु:—

"विभागीय प्रोन्नति समिनि जिसमे निम्नलिखन होगे, प्रयान्

- ा विभागाध्यक्ष सयुक्त सिदेशक⊸--धध्यक्ष
- 2 उपनिदेशक (चकानुकम मे)---सदस्य
- सम्बद्ध उपसचिव, विकास और प्रौद्योगिकी विभाग—सदस्य
- 4 वर्ग । का जिसके न हो सकने पर वर्ग 2 का ज्येब्टलम प्रनुमुक्ति जानि का प्रधिकारी——मदस्य
- अयेष्ठ प्रकासन मधिकारी---सदस्य समिव।"।

[स॰फा॰ 2-37/76—भर 3(जेंग)]

पी० की० दास, डेस्क प्रधिकारी

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 23rd December, 1976

G.S.R. 92.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Zoological Survey of India (Central Service Class III Posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the Zoological Survey of India (Central Service Class III Posts) Recruitment (Fourth Amendment) Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

- 2. In the Schedule to the Zoological Survey of India (Central Service Class III Posts) Recruitment Rules, 1963.
 - against solial No. 8 relating to the post of Senior Zoological Assistant;
 - (i) in column 4, for the entry, the following entries shall be substituted, namely:—
 - "Non-ministerial (Non-Gazetted) Group C";
 - (ii) in column 5 for the entry, the following entries shall be substituted, namely:—"Rs 550-25-750-EB-30-900.";
 - (iii) in column 11, for the entry, the following entries shall be substituted, namely:—

"Age.-No.

Educational Qualification.-Yes.

NOTE:

- Educational qualification not applicable to those officials of Zoological Survey of India who are in service on the date of resue of the notification. In other cases, the qualification prescribed in column 9 shall apply.";
- (iv) in column 12, the following entries shall be inserted, namely:—
- "Departmental Promotion Committee consisting of:-
- 1. Head of the Department/Joint Director -Chairman
- 2. Deputy Director (by 10tation)
 - —Member
- 3. Under Secretary concerned, Department of Science & Technology
- -Member
- Senior-most Scheduled Caste Officer of Class I, failing which of Class Π
- -Member
- 5. Senior Administrative Officer

—Member / Secretary."

[No. F. 2-37/76-Sur. 3(Z)]

P. B. DAS, Desk Officer

नॉबहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष)

नई विस्सी, 23 विसम्बर, 1976

सा० का० वि० 93 — वाणिज्य पोत परिवहन स्रिप्तिसम, 1958 (1958 का 44) की धारा 458 के साथ पठित उसकी धारा 19 की अपड़ (ध) बारा प्रदश्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निस्नलिखित नियम बनाती है, प्रयोत —

भाग -1

प्रारम्भिक

1. संक्षिप्त नाम ग्रीर प्रारम्भ (1) इन नियमो का सिक्षाण नाम मौबहन विकास निधि समिति (कर्मेचारियों की ग्रमंबायी भविष्य निधि) नियम, 1976 है।

ये राजपन्न में ग्रपने प्रकाशन की नारीख को प्रकृत हो आएगे।

- 2 परिभाषाए--इन नियमो से, जब तक कि सवधें से प्रत्यया प्रपेक्षित न हो, ---
 - (क) 'लेखा ग्रधिकारी' से नौयहत विकास निधि समिति का लेखा ग्रधिकारी ग्रभिग्रेत है.
 - (ख) 'ग्राध्यक' से समिनि का श्रध्यक्ष श्रभिप्रेप है,

- (ग) 'बालक' से धर्मज बालक प्रभिन्नेत है, फ्रौर इसके धन्तर्गन, जहां प्रभिदासक को शासित करने वाली स्वीय विधि द्वारा दक्तक ग्रष्टण का मान्यता दी गई है वहा दक्तक बालक भी है,
- (घ) 'सिमिति' में वाणिज्य पोन परिवहन प्रधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 15 के अधीन गठित नौयहन विकास निधि समिति अभिनेत है,
- (३) 'उपलब्धिया' से बेतन, छुट्टी का बेतन, प्रथवा समिति द्वारा समय समय पर प्रवधारित रीति से विधा गया जीवन निर्वाह प्रभुदान, यदि कोई हो, प्रभिन्नेत हैं, ग्रीर इसके प्रन्तर्गन वेतन, छुट्टी के बेतन, या जीवन निर्वाह प्रमुदान, यदि प्रमुजेय हैं तो के उपयुक्त महगाई बेतन भी है,
- (च) 'कर्मचारी' से ममिति द्वारा सीधे भरती किया गया व्यक्ति श्रथवा ऐसा व्यक्ति भिन्नेत है जो केन्द्रीय सरकार के अधीन सेवा में त्यागपक्ष देने के बाद, बिना व्यवधान के, लोकहित मे, समिति के कर्मचारी के रूप में श्रामौलित किया गया हो,
- (छ) 'कुदुम्ब' से निम्नलिखिन ग्रभिप्रेन है, ---
- (1) पुरुष भ्रभिदाता की देशा में, श्रभिदाता की परनी या पित्निया भ्रीर बालक, तथा श्रभिदाना के किसी मृतक पुत्र की विश्ववा या विश्ववाएं श्रीर बालक,

परन्तु यदि अभिदाता यह माबित कर देता है कि उसकी परनी उससे न्यायिक रूप से पृथक हो गई है, श्रयवा वह उस संप्रदाय की, जिसकी कि वह है, रूढ़िक विधि के अधीन उससे भरपोषण प्राप्त करने की अन्यथा हकदार नहीं रह गई है तो, आगे से यह समझा आएगा कि वह उन मामलों में, जिनका सम्बन्ध इन नियमों से है अभिदाता के कुटुम्ब की सदस्य नहीं रह गई है, जब तक कि सदस्य ने सचिव को लिखित रूप में बाद में यह मूचना न दे दी हो कि उसे बराबर अभी रूप में माना जाता रहेगा,

- (2) स्वी अभिदाता की वणा में, अभिदाता का पति और बालक, तथा अभिदाता के किसी मृतक पुत्र की विधवा या विधवाएं और बालक, परन्तु यदि कोई अभिदाता सचिव को लिखित रूप में सूचता देकर अपने पित को अपने कुटुम्ब से अपविजित कर देन की अपनी इच्छा व्यक्त करती है तो आगे से यह समझा जाएगा कि वह पति उन मामलो में, जिनका समझन्ध देन नियमों से है, अभिदाता के कुटुम्ब का सदस्य नही रह गया है, अब तक कि अभिदाता बाद में लिखित रूप में वह सूचना रह न कर दें,
 - (ज) 'निधि' गे नौबहन विकास निधि समिति कर्मचारी ग्रणदायी भविष्य निधि ग्राभिन्नेत है.
 - (झ) 'छुट्टी' मे समिति द्वारा मान्य किमी भी प्रकार की छुट्टी प्रभिप्रेत है,
 - (ग्र) 'मजिब' से समिति का सजिब श्रीभग्नेत है,
 - (ट) 'ग्राभियाना से निधि का सदस्य प्रभिन्नेत है,
 - (ठ) 'बर्ष' मे पठली अप्रैल को भारम्भ होकर ग्रगले वर्ष की 31 सार्थ को समान्त होने वाला वित्तीय वर्ष अभिनेत है,
 - (इ) ऐसे शक्ये प्रौर पद्यों के, जो इन नियमों में प्रयुक्त हुए ह आर परिभाषित नहीं है किन्तु भिष्यितिक प्रक्षितियम, 1925 (1925 का 19) में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होंगे जो उन्हें उस अधिनियम में कमण दिए गए हैं,
 - (त्) ऐसे शब्दो भीर पदो कें, जो यहा प्रयुक्त हुए है और इन नियस। ग्रथवा भिक्टमनिधि अधिनियस, 1925 (1925 का 19)

में परिभाषित नहीं है, वहीं ग्रर्थ होंगे जो उन्हें अमश मौलिक नियमों में दिए गए हैं।

- 3 निधि का गठन (1) निधि रुपयों में रखी जाएगी।
- (2) इन नियमों के अधीन निधि में सदत्त सभी रकमें इाकखाने के या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के बचन बैंक खाने में, जिसका नाम "नौजहन निकास निधि समिति कर्मचारी अग्रदायी भिष्ठिय निधि खाता" होगा और जो न्यासियों के लिए, जा निम्नलिखित होंगे, तथा अधिकारी द्वारा चलाया जाएगा, जमा की जाएगी और समिति की पृत्नकों में इस प्रकार जमा की गई दिखाई जाएंगी
 - (1) सचित्र, नौबहन विकास समिति, पदेन,
 - (2) लेखा प्रधिकारी, नौवहन विकास निधि समिति पदन, भीर
 - (3) सीधे भरती किए गए कर्मजारिया का एक प्रतिनिधि, जिसे मध्यक्ष नीवहन विकास निधि समिति, स्वविवेषान्सार, नाम निदिष्ट करेगा।
- (3) उपनियम (∠) के खण्ड (3) के श्रधीन इस प्रकार नामित्रिंद्र प्रितिनिधि नामिन्दिंगन की नारीख से एक साम में प्रविधिक की ऐसी कालार्वाध के लिए, जो श्रध्यक्ष द्वारा विनिधिष्ट की जाए, न्यामी के कप में कार्य करेगा।
- (4) निधि में की वें भ्रमिकृष्य रक्तमें, जो निधि में से बाध्यकर सावश्यकताओं की पूर्ति के लिए तत्याल भावश्यक न हो, ऐसी सरकारी प्रतिभृतियों, सरकार द्वारा प्रत्याभूत प्रतिभृतियों, लघु सजत लिखको या जमा स्कीमो में श्रयवा ऐसी श्रन्य रीति से जमा की जाएंगी जो केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिविध्द की जाए।
- 4 पालता की गर्ते—(1) ये नियम ऐसे हर कर्मचारी को लाग् होगे, जिसने उस मास के, जिसमे उसने एक वर्ष की लगातार सेवा पूरी की थी, बाद वाले सास के प्रारम्भ से समिति के सचिवालय में एक वर्ष की निरन्तर सेवा पूरी कर ली हो।
- (2) यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जिसे निधि के फायदे दिए गए है, उन फायदों के दिए जाने से पूर्व किसी समय किसी सरकारी या अर्ध-सरकारी अंशवादी भविष्य निधि से अभिवाता रहा हो तो उकत अगदायी भविष्य निधि से अभिवाता रहा हो तो उकत अगदायी भविष्य निधि से उसके गस्बन्ध से, उसके भाग जमा रकसे (जिनसे ऐसी भविष्य निधि में उसके गस्बन्ध में, उसके भूतपूर्व नियोजकों के अगदान, यदि काई हो. भी सम्मिलित है), उन पर ब्याज सहित. उन दशाश्रो में निधि में उसके नाम अन्तरित कर दी जाएंगी जहां ऐसा कर्मचारी सभी प्रयोजनों के लिए भृतपूर्व नियोजक का कर्मचारी नहीं रह गया है।
- 5. नामनिवेंशन —— (1) खाते में शामिल होते समय श्राभिदाना सचिव के पास एक नाममिदेंशन पत्र भेजेगा जिसमें तह एक या श्राधिक व्यक्तियों को खह रकम प्राप्त करने का श्राधिकारी प्रदान करना, जो सध्य होने से पूर्व उसकी सृत्यु हो जान की देशा से या उस देशा में जब रकम संदेव तो हो गई हो, किन्तु दी न गई हो, निधि में श्रभिदाता के नाम जमा हो

परन्तु नामनिर्देशन करने समय यदि झिभिदाना का कोई कुटुम्ब हो तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के सदस्य या सदस्यों से भिन्न किसी क्यक्सिया व्यक्तियों के एक में नहीं किया जाएगा

परस्तु यह भीर कि जहां किसी मन्य भविष्य निधि में प्रभिदाता के नाम जमा रकमें निधि की अन्तरित कर दी गई हो बहा ऐसी भविष्य निधि के सम्बन्ध में किया गया नाम निर्वेशन, जब तक कि बह इस नियम के अनुसार कोई नामनिर्देशन नहीं करता या नहीं करती, इस नियम के अनुसार सम्यक् रूप में किया गया नामनिर्देशन समझा जाएगा।

- (2) यदि कोई प्रभिदाता उपनियम (1) के प्रश्नीन एक से प्रधिक व्यक्तियों का नामनिर्देशन करता है तो वह प्रत्येक नामनिर्देशन को संदेय रकम या प्रशा उस नामनिर्देशन पन्न में इस रीति से विनिर्दिश्ट करेगा कि खाते में किसी भी समय उसके नाम जमां सबकी सब रकम उसके प्रन्तर्गत आ जाए।
- (3) प्रत्येक नामनिर्देशन प्रथम श्रनुसूची में दिए गए प्ररूपों में से उम एक प्ररूप में किया जाएगा जो परिस्थितियों में उपयुक्त हो।
- (4) प्रभिदाता सचित्र को लिखित रूप में सूचना भेज कर किसी भी ममय नामनिर्देशन रहे कर मकता है प्रौर यदि वह नामनिर्देशन इस प्रकार रहे कर देता है तो वह ऐसी सूचना के साथ या प्रलग से ऐसा तया नाम-निर्देशन भेजेगा जो इस नियम के उपबन्धों के ग्रनुसार किया गया हो।
 - (5) प्राभिदाता नामनिर्देशन मे निम्निलिखन की व्यवस्था कर सकेगा,—
 - (2) (क) किसी जिनिरिष्ट नामनिर्देशिनी के सम्बन्ध मे, यह कि अभिदाना में पहले उसकी मृत्यु हो जाने पर उस नामनिर्दे-शिनी का दिया गया प्रक्षिकार ऐसं भ्रत्य व्यक्ति या व्यक्तियो को समा जाएगा जो नामनिर्देशन में जिनिरिष्ट किए जाए.—

परन्तु यदि झिभदाता के कुंटुम्ब के भ्रन्य सदस्य है तो उपर्यक्त भ्रन्य स्वस्त उसके कुंटुम्ब के ही ऐसे भ्रन्य सदस्य होगे श्रीर यह कि यदि श्रिभदाता इस खण्ड के अधीत एक से श्रिधिक व्यक्तियों को ऐसा घिष्ठिकार प्रदान करता है सो वह ऐसे ध्विक्तियों में से श्रुप्थेक को सदेय रकम या भ्रग ऐसी रीति से विनिर्विष्ट करेगा कि उसके भ्रन्तर्गत वह सारी रक्त भ्रा जाए जो किसी भी समय उसके नाम जमा हो।

(ख) यह कि नामनिर्वेशन, उसमें विनिर्दिष्ट किसी माकस्मिकता के यदिन होने पर भ्रविधिमान्य हो जाएगा.

परन्तु यदि नामनिर्देशन करने समय श्रभिदाता का कोई कुटुम्ब नहीं है तो वह नामनिर्देशन में इस बाल का उपबन्ध करेगा कि यदि बाद में उसका कोई कुटुम्ब हो जाना है तो उपर्युक्त नामनिर्देशन श्रविधिमान्य हो जाएगा.

परन्तु यह भौर कि यदि नामनिर्देशन करने समय अभिदाना के कुटुम्ब का केवल एक ही सदस्य है तो वह नामनिर्देशन मे यह व्यवधा करेगा कि खण्ड (क) के अधान वैकल्पिक नामनिर्देशिती को प्रदत्त अधिकार उस दणा म अविधिमान्य हो जाएगा जब बाद में उसके कुटुम्ब में कोई अन्य सदस्य आ जाता है या आ जाते हैं।

- (6) ऐसे नामनिर्देणिती की मृत्यु के तुरन्त खाद, जिसकी मृत्यु की बाबत उप-तियम (5) के खण्ड (क) के उपबन्ध के प्रमुरार नामनिर्देणन में कोई व्यवस्था नहीं की गई हैं, अथवा ऐसी काई घटना घट जाने पर जिसके कारण उस उप नियम के खण्ड (क) के प्रमुलरण में किए गए किसो उपअन्ध के प्राधार पर वह नामनिर्देशन धिविधमान्य हो जाता है, प्रभियाना नामनिर्देशन को रह करने हुए मिलब को लिखिन रूप में एक सूचना भेजेंगा और उसके साथ इस नियम के उपबन्धों के प्रमुसार एक नया नामनिर्देशन भी भेजेंगा।
- (7) अभिदाता द्वारा किया गया प्रत्येक नामनिर्देशन और उसे रहे किए जाने की प्रत्येक सूचना उस सीमा तक, जिस सीमा तक बह विधि-मान्य है, उस तारीख़ को प्रभावी हो जाएगी जिसको वह गाविथ को प्राप्त हाती है।
- श्रभिकाता के खाते—प्रश्येक श्रभिकात। के नाम में एक खाता
 खाना जाएगा जिससे निश्निशिखित दिखाए जाएगे:—
 - (1) उराके अभिदाय,
 - (2) समिति द्वारा नियम 10 के अधिन खाते ने किए गए अंशदान,

- (3) श्रीभिकायो पर क्याज, जैसा कि नियम 11 द्वारा उपवन्धित क्रे.
- (4) अभवानो पर ज्याज, जैसा कि नियम 11 म उपसन्धित है।
- (5) बाते में से लिए गए उधार श्रौर निकाली गई रकमे।
- 7. भिभवाय की मतें:—(1) प्रत्येक भिभवाता, जब वह डि्यूटी पर हो तब किन्तु निलम्बन की श्रविध के दौरान नहीं, निधि में प्रतिमान भिभवाय करेगा:

परस्तु निलम्बन की प्रविधि के पश्चान् पुनः स्थापन पर प्रभिद्राता की उस प्रविधि के लिए प्रनुजेय प्रभिदायों के बकायों की प्रधिकतम रकम से भनिधिक कोई रकम एकमुक्त, या किस्तों में, देने का विकल्प प्रनुजान किया जाएगा।

- (2) अभिदाता ऐसी छुट्टी के दौरान, जिसमें काई छुट्टी बंतन न मिलता हो, या जिसका छुट्टी बेनन आधे बेनन या आधे औसन बेतन के बराबर या उससे कम हो, अपने विकल्प पर, अभिदाय नहीं भी कर सकेगा।
- (3) अभिवाता उप-नियम (2) में निविष्ट छुट्टी के दौरान अभिवास न करने की अपनी इच्छा निम्नलिकित रीति से सुचित करेगा, अर्थात् .---
 - (क) यदि बह ऐसा अधिकारी है जो अपने बेतम बिल स्वशं लिखता है तो, छुट्टी पर जाने के पश्चात् लिखे गए प्रपने पहले बेतन बिल में श्रभिदायों मुद्दे कोर्ट भी कटौतो न करके,
 - (ख) यदि वह ऐसा भ्रधिकारी नहीं है जो भ्रपना वेसन विल स्वव लिखना है नो, छुट्टी पर जाने से पूर्व कार्यालय के अध्यक्ष को लिखन सुजना भेजकर,
- टिप्पण:---(1) समय पर सम्यक् सूचना न देने पर यह समझा जाएगा कि उसने म्राभिदाय करने का चयन किया है।
 - (2) इस उपनियम के भ्रधीन सूचिन भ्रभिदाना का विकल्प भ्रत्यिम होगा।
- (4) बह धिभदाना, जिस ने नियम 18 के अधीन धिभदाय की रकम धौर उस पर न्याज निकाल लिया है, ऐसी निकासी के पश्चात् निधि में तब तक धिभदाय नहीं करेगा जब तक कि वह इ्यूटी पर यापस न धा जाए।
- 8 प्रभिताय की दर:—(1) प्रभिताय की रक्षम, निम्निलिखत गर्तों के प्रधीन रहते हुए, स्वयं प्रभिदाना द्वारा नियन की जाएगी, प्रथान्:
 - (क) इसे पूरे-पूरे रूपयों में व्यक्त किया जाएगा,
 - (ख) यह इस प्रकार व्यक्त की गई कोई भी रकम हो सकती है जो उसकी उपलब्धियों के 8-1/3 प्रतिशत में कम नहीं होगी घौर ऐसी उप-लब्धियों से घधिक नहीं होगी।
 - (2) उपनियम (1) के प्रयोजनार्थ, ग्रिभदाना की उपलब्धियां --
 - (क) ऐसे प्रभिदाना की दशा में, जो पूर्वगामी वर्ष की 31 मार्च को सिमित की सेवा में था, वे उपलब्धिया होगी जिनका यह उस तारीका को हकदार था ---

परम्तु .--

(1) यदि प्रशिवाता उक्त तारीख को छुट्टी पर रहा हो और उसने ऐसी छुट्टी के दौर न धिशवाय न करने का वयन किया है। या उक्त तारीख को निलम्बित रहा हो था, उसकी उपलब्धियां वे उपलब्धिया होगी जिनके लिए वह ध्यूटी पर वापस धाने के पण्चात् के पहले दिन हकदार था,

- (2) विव धिभेदाता उक्त तारीक का भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति पर का बा उकत तारीक की खुट्टी पर का धीर तब से ब्यूटी पर रहा है और उसने ऐसी छुट्टी के दौरान ध्रभिदाय करने का बयन किया है तो, उसकी उपलब्धियां वे उपलब्धियां होंगी जिनके लिए वह ऐसी पण्चात्वर्ती तारीक को हकदार था,
- (ख) ऐसे अभिदाता की वसा में, जो पूर्वगामी वर्ष की 31 सार्च को समिति की सेवा में नहीं बा, वे उपलब्धियां होगी, जिनके लिए व सेवा के प्रथम दिन हकदार का, प्रवचा यदि बह अपनी सेवा के प्रथम दिन के पश्चात् पहली बार निधि में शामिल हुआ है तो वे उपलब्धियां होंगी जिनके लिए बह ऐसी पश्चात्वर्ती तारीख को हक्षवार था:

परन्तु यदि श्रभिदातः की उपलब्धिया ऐसी है जो घटती-बक्क्सी रहती है तो उनकी गणना ऐसी रीति से की जाएगी जिसका सजिब निवेश दे।

- (3) श्रिभिवाता प्रतिवर्ष मासिक श्रिभिदाय की रकम निश्चित किए जाने की सूचन। निस्निलिखित रीति से देगा.--
 - (क) यदि वह पूर्वनामी वर्ष की 31 मार्च को ब्रुयूटी पर बा तो, ऐसी कटौती द्वारा जो वह उस मास के प्रपने बेनन बिल में में इस निमिन करना है या करवाता है,
 - (बा) यदि वह पूर्वगामी वर्ष की 31 मार्च को छुट्टी पर या भौर उसने ऐसी छुट्टी के दौरान अभिदाय न करने का जयन किया था या वह उस नारीख को निलस्बित था तो, ऐसी कटौनी द्वारा जो वह इयूटी से वापस माने के बाद के मपने प्रथम वेतन बिल से से इस निस्ति करना है या करवाता है,
 - (ग) यदि वह बर्ष के दौरान प्रथम बार समिति की सेवा में धाया है तो ऐसी, कटौती द्वारा जो वह उस मास के, जिसके दौरान बहु निधी में शामिल होता है, अपने बेसम बिल में से इस निमित्त करना है.
 - (च) यदि वह पूर्वगामी वर्ष की 31 मार्च को छुट्टी पर चा भौर छुट्टी पर बना रहना है भीर उसने ऐसी छुट्टी के दौरान मिसदाय करने का चयन किया है, भथवा यदि वह पूर्वगामी वर्ष की 31 मार्च को अन्यक्ष सेवा में या ता, ऐसी कटौती द्वारा जा वह उस सास के अपने बेनन बिल मे से इस विमित्त करवाता है,
 - (इ) यदि उसकी उपलब्धिया उपनियम (2) के परन्तुक में निविद्ध प्रकार की है तो ऐसी रीति से जिसका निदेश सचिव दे।
- (4) इस प्रकार नियम किया गया अभिदाय वर्ष के दौरान किसी भी समय एक बार अक्राया या घटाया जा सकता है.——

परन्तु यदि प्रभिदाय की रेकम की इस प्रकार घटाया जाए तो बह उप-नियम (1) द्वार। निहिन न्यूनतम से कम नही होगी:

परम्तु यह और कि यदि कोई धिभदीता किसी कलेंडर मास के किसी भाग के लिए बिना बेनन का छुट्टी पर है या धाधे बेनन भथवा धाधे बोनन की छुट्टी पर है हो धाधे बेनन भथवा धाधे बोनन की छुट्टी पर है और उसने ऐसी छुट्टी के दौरान धिभ-दाय न करने का जयन किया है तो सदेय धिभदाय की रक्षन ड्यूटी पर बिनाये गए दिनों की सख्या के, जिसमें ऊपर निदिख्ट प्रकार की छुट्टी से भिन्न छुट्टी, यदि काई हो, सिम्मलित है. धनुषात में, होगी।

9 ग्राभिदायों की बसूली ——(।) जब नौयहन विकास निधि में से उपलब्धिया ली आएं तब उन उपलब्धियों मृद्दे श्राभिदायों की तथा लिए गए उधारों की मृल रकम ग्रीर उनके ब्याज की बसूली ऐसी उप-लब्धिया में से की आएगी।

- (2) जब उपलब्धियां किसी ग्रन्थ स्रोत से ली जाए तब ग्राभिकाता ग्रंपनी देय रकमें प्रतिमास लेखा श्रक्षिकारी का भेजेगा।
- 10 समिति द्वारा श्रंणवान —— (1) समिति प्रशिवर्ष 31 मार्च, मे प्रत्येक श्रभिदाना के खाते में श्रंणदान करेगी ——

परस्तु यदि कोई श्रिभदाता वर्ष के दौरान सेवा छोड़ देना है या उसकी मृत्यु हो जाती है तो श्रगदान पूर्वगामी वर्ष की समाप्ति और, यथास्थिति, सेवा छोड़ने या मृत्यु हो जाने के बीच की श्रवधि के लिए उसके खाने मे जमा किए जाएंगें —

परन्तु यह भीर कि ऐसी किसी भ्रविध के लिए, जिसके लिए श्रीभ-वाता का नियमों के अधीन निधि में श्रीभवाय न करने की अनुजा मिल गई है, या वह निधि में श्रीभदाय नहीं करता है, कोई भंगवान संदेय नहीं होगा।

(2) अंग्रादान यथास्थिति, उस वर्ष या अवधि के दौरान इयूटी पर ली गई अभिदाता की उपलब्धियों का ऐसा प्रतिशत होगा जो श्रगदायी भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 के अधीन साधारण या विशेष आवेभ द्वारा विहिन किया गया है या किया आए:

परन्तु यदि श्रभिदर्स रकम, मूल से या श्रन्थया, नियम 8 के उपिनश्रम (1) के श्रधीन श्रभिदाना द्वारा संवेष स्यूनतम श्रभिदाय से कम है और जितना श्रभिदाय कम रह गया है वह श्रीर उस पर श्रोव्भृत क्यांश श्राभवाना द्वारा ऐसे समय के भीतर नहीं वे दिया जाता ओ ऐसा उधार, जिसे देने के लिए नियम 12 के उपनियम (3) के श्रधीन विशेष कारण श्रपेक्षित हैं, मंजूर करने के लिए सज्जम प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए तो, समिति द्वारा संदेम श्रभदान श्रभिदाता द्वारा वस्तुत: दी गई रकम भवा समिति द्वारा सामान्यत: संदेय रकम के, इनमें से जो भी कम हो, श्रारवार होगा, जब तक कि समिति किसी विशेष मामले में श्रन्यवा निर्देश न दे।

- (3) यदि कोई अभिवासा छुट्टी के दौरान आधवाब करने का चयन करता है तो उसकी छुट्टी का बेतन इस नियम के प्रयोजनों के लिए इयूटी पर ली गई अपलब्धियों समझा जाएगा।
- (4) यदि कोई प्रभिवासा निलम्बन की किसी ध्रविध की बाबत ध्रमिदामों के बकामों को देने का अयन करता है तो उपलिब्धिमां या उप-लब्धियों का वह भाग, जो पुनः ध्रापन पर उस ध्रविध के लिए ध्रम्जात किया जाए, इस नियम के प्रयोजन के लिए, इसूटी पर ली गई उपलब्धिमां समझा जाए।
- (5) सर्देश अंशवान की रकम निकटनम पूरे-पूरे रुपसे में (पत्रास पैसे की अगला रुपया गिना जाएगा) कर ली भाएगी।
- 11. व्याज ----मिति निधि में किसी अभिवाता के नाम जमा रक्तम पर उसके खाते में ब्याज ऐसी दर से जमा करेगी, जिसे केन्द्रीय मरकार, मरकारी सेवको के लिए रखे गए सामान्य भविष्य निधि में के अभिवायो पर ब्याज का संदाय करने के लिए समय समय पर विहित करे।
- (2) ब्याज प्रतिवर्ष 31 मार्च में निम्नलिखित रीति से जमा किया गाएगा:----
 - (1) पूर्वगामी वर्ष की 3 1 मार्च को प्रशिदाना के नाम जमा रक्तम में से चालू वर्ष के दौरान निकाली गई रकमों को भटा कर अची शेच रकम पर बारह मास का ब्याज,
 - (2) चालू बर्च के दौरान निकाली गई रकमों पर—चालू वर्च की पहली धप्रैल से लेकर उस मास के, जिसमें रकम निकाली गई बी पूर्ववर्ती मास के झन्तिम दिन लक का क्याज,

- (3) पूर्वगामी वर्ष के 31 मार्च के परचात् प्रभिवाता के खाते में जमा सभी रकमां पर—जमा की तारी ख से लेकर भाजू वर्ष की 31 मार्च तक का ब्याज,
- (4) ब्याज की कृष रकम निकटनम पूरे पूरे रुपये में (प्रवास पैसे को प्रगणा रुपया गिना जाएगा) कर ली जाएगी।

परन्तु जब किसी श्रभिदाता के नाम जमा रकम संदेय हो गई हो तब उस पर व्याज इस उपनियम के श्रधीन, यथास्थिनि, जानू वर्ष के श्रारम्भ में लेकर या जमा की तारीख से लेकर उस नारीख तक की श्रवधि के लिए ही अमा किया जाएगा जिसको श्रभिदाना के नाम जमा रकम संदेय होती है।

(23) इस नियम के प्रयोजनों के लिए, जमां की तारी खा उस मास का प्रथम दिन ममझी जाएगी जो उस मास के ठीक बाद बाता है जिसमें अभिवासा की उपलब्धियां ली जाती, हैं या वितरित की जाती हैं:

परन्तु यदि किसी प्रभिदाना की उपलब्धियां उस मास की जिससे उनका सम्बन्ध है, अन्तिम नारीख की समाप्त के पूर्व नहीं जी गई हैं और परिणासतः निधि सक्षे उसके घिमवाय की बसूलो में विलस्स हुआ है तो ऐसे प्रभिवाब पर ब्याज उस सास से सवैय होगा जिसमें प्रभिवाता का बेतन या छुट्टी का बेनन देय हो गया था भले ही वह किसी भी मास में लिया गया हो।

(4) ब्याज उस मास कें, जिसमें संदाय किया जाता है, ठीक पूर्व-गामी मास की समाप्ति तक, अथवा उस भास के पश्चात् जिसमें वह रकम संदेय हो गई थी, छठे मास की समाप्ति तक इनमें से जो भी अविधि कम हो, के लिए उस व्यक्ति को सदेय होगा जिसे ऐसी रकम संदत्त की जानी है:

परन्सु कोई भी भ्याज उस तारीका के बाद की, जिसे सजिब ने उस ज्यक्ति या उसके भ्रमिकर्ता को ऐसी तारीका के रूप में सूचित किया है, जिस तारीका को वह नकद संदाय करने के लिए तैयार, है, भ्रथवा यदि वह चेक से संदाय करना है तो उस नारीका के बाद की, जिसको उस व्यक्ति के नाम का चेक डाक द्वारा भेजा जाता है, किसी भ्रवधि के लिए भ्रदा नहीं किया जाएगा।

- (5) निधि में के श्रतियोग पर किसी श्रभिदाता को शोध्य कोई रक्षम संदेय ही जाने के बाद छह मास की श्रविध से परे एक वर्ष की श्रविध तक के ब्याज का संवाय सिथव द्वारा, उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से श्रपना यह समाधान कर लेने के पण्नात् कि संदाय में विलम्ब ऐसी परिक्लितियों में हुआ था जो अभिदाता के वण के बाहर थीं, प्राधिकृत किया जा मकेगा और ऐसी हर दशा में जो प्रशासनिक विलम्ब उस मामले में हो उसके संबंध में पूरी जांच की जाएगी श्रीर यदि आवश्यक हुआ तो कार्याई की जाएगी।
- (6) यदि अभिदात। मिनिव को यह सूचेता वैता है कि वह अयाज नहीं लेना पाहता है तो ऐसा अ्याज उसके खाते में जमा नहीं किया जाएंगा, किन्तु यदि वह बाद में अ्याज की मांग करता है तो उसे उस वर्ष की, जिसमें बह मांग करता है, 1 अप्रैल का जमा किया जाएंगा।
- (7) ऐसी रकमो पर न्याज, जा नियम 17 मा नियम 18 के मधीन निधि में अभिवाता के नाम फिर में जमा कर की जाती है, ऐसी वरों से, जो इस नियम के उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट है और जहां तक संसंव होगा इस नियम में बिहित रीति में, सगरिगत किया जाएगा।
- 12. निधियों में में उजार—(1) मिजब, किसी श्रिभिवाता की ऐसा उधार दिए जाने की, जो पूरे-पूरे रुपयों में हो और उसके तीन मास के बेनन की रकम मे, अथवा निधि में उसके नाम जमा प्रभिवायों और

उन पर स्थाल की साधी रकम से इतसे से तो भी कम हो, श्राधिक ह हा निम्नलिखित एक या श्राधित प्रयोजनों के लिए मजरी दे सकेगा श्राथीन ---

- (क) अभिदाता प्रथवा उस पर बस्तृत प्राश्चित किसी त्यक्ति को बीमारी प्रभवावता या निभक्तिता के संबंध में ब्यय (जिनकै प्रत्येगत जहां कहीं प्रावश्यक हो बहां, यात्रा भी है) का सदाय संरत्ने के लिए,
- (खं) म्रिभिवाना या उस पर ब्राधित किसी व्यक्ति की उक्क शिक्षा के व्यया की (जिनके म्रन्तर्गत जहा कही म्रावक्यक हो वहा, यावा व्यय भी है) निस्निलिखन सासला मे पूर्ति के लिए
 - (1) हाई स्कूलं स्तर कं पश्चात् ग्रीक्षक, तक्ष्मीकी, वृत्तिक अथवा व्यात्रसायिक पाठ्यक्रमी के लिए भारत स बाहर शिक्षा प्राप्त करने के लिए,
 - (2) हाई स्कल स्तर के पश्चात् भारत मे चिकित्सा मझधी, डजीनियरी अध्यता भ्रत्य तकनीकी या विशिष्ट पाठ्य-कम के लिए,

परम्तु यह तब जब कि पाठ्यक्रम तीन वर्ष सं कम के लिए न हो।

- (ग) प्राप्त्यित के उपयुक्त मापमान पर ऐसे बाध्यकर व्ययो का मदास करन के लिए, जो अभिवाला का कहिक प्रधा के अनुसार विवाह अन्तिष्ट अथवा अन्य अनुष्ठानो के सबक्ष मे करन पड़े,
- (घ) प्रभिवाना द्वारा अपने शासकीय कर्तस्थो का पालन करने से उसके द्वारा किये गए किसी कार्य के लिए उसके विरद्ध लगाए गए किन्ही प्रारापा के सबध में अपनी स्थिति को न्यायसगत ठक्षराने की दृष्टि से अभिदाना द्वारा सन्धिन विधि कार्यशाहियों के व्यय की पूर्ति के लिए, ऐसी दशा में उधार किसी अन्य समिति-श्रोत से उसी प्रयोजन के लिए अनुश्रेय किसी उधार के अतिरिक्त उपलब्ध होगा

परन्तु इस खण्ड क घर्धान उधार ऐसे भ्रभिदाना को भनुजेय नहीं होगा जो ग्रमने मासकीय कर्तव्यो स भ्रसम्बद्ध किसी मामले मे या समिति ग्रांग उस पर श्रिधिरोपित किसी संवा की भर्त या भास्ति के सबध में समिति के विरुद्ध किसी मामले में किसी न्यायालय में बिधिक वार्यवात्रिया सस्यित करना है।

- (ड) जहा प्रभिवाना का समिति द्वारा किसी त्यायालय मे प्रभियोजित किया जाए वहीं या जहां अभिदाता प्रपने किसी अभिकथित शासकीय अवचार की बाबन किसी जाच में अपने अचाब के लिए किसी विधि व्यवसायी का नियोजित करता है बहां, अपनी प्रतिरक्षा के क्यय की पूर्ति के लिए।
- (2) श्रध्यक्ष किसी भी श्रभिवाना को, किसी उधार के सवाय की मजूरी विशेष परिस्थितियों में दे सकता है यदि उसका यह समाधान हो जाए कि सम्बन्धित श्रभिदाता को उपनियम(1) में वर्षिणत कारणा में भिन्न किसी कारण से उधार की श्रावस्थकता है।
- (3) उधार, उपनियम (1) में दी गई सीमा के श्रधिक्य में, श्रथंबा उस समय तक जब तक कि किसी पूर्वतन उधार की, उस पर ब्याज सहित श्रन्तिम किण्त वापस न कर दी जाए, सिवाय विशेष कारणों के, जिल्ह नेखाबद्ध किया जाएगा, मजूर नहीं किया जाएगा

परन्तु उधार निधि में स्रभिदाता के नाम जमा सभिदाया तथा उन पर स्थाज की रकम से किसी भी दणा में स्रधिक नहीं होगा।

स्पष्टीकरण 1--- इस नियम के प्रयोजन के लिए, बेतन में, जहां श्रनु श्रेय हो वहां, महमाई बेतन भी शामिल है। स्पष्टीकरण 2--- प्रभिदाता को नियम 12 ने उपनियम (1) के खण्ड (श्व) के प्रधीन प्रत्येक छह मास में एक बार उधार लेन की प्रतका रहेगी।

13 उधार की बस्ली——(1)(क) उधार प्रभिवाना में उतनी समान मामिक किया। में वसूल किया जाएगा जिनकी का निवेश सिविष दे। किन्तु ये कियो बारह से कम यदि प्रभिवाना वैमा करने का चयन नहीं करना तो भ्रौर भीबीम से प्रधिक, नहीं होगी।

- (ख) ऐसे विशेष मामलो मे, जहां कि उधार की रकम नियम 12 के उपनियम (3) के प्रधीन प्रभिदाना के तीन माम के बेतन से प्रधिक हो जाए वहां सिबब किश्नों की सबया जीबीम से प्रधिक नियन कर मकता है किन्तु किसी भी दशा में किश्नों की सबया छनीम से प्रधिक नहीं होगी।
- (ग) प्रभिदाना इन नियमो द्वारा विहित किण्तो से कम कियनों से भी, ग्रपने विकल्प पर, उधार वाधस कर सकता है।
- (घ) प्रत्येक किंग्न पूर-पूरे रूपया में होगी भीर यदि भागभ्यक हो तो इस प्रकार की किंग्ता को नियन करने न लिए उधार की रकम को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।
- (2) (क) उधार की वसूली, प्रभिदाय की वसूली सम्बन्धी नियम 9 में उपविन्धन रीति से की जाएगी धौर जिल साल में उधार लिया गया है उससे ठीक अगल मास का वेकन दिए जाने के साथ-साथ ग्रारम्भ हो जाएगी।
- (बा) उधार की बमूली, प्रभिवाना की महमिन के बिना, एत दशा में नहीं की जाएगी जबकि उसे जीवन निर्वाह धनुवान मिल रहा ही अथवा वह किसी कर्लेंडर माम में वस विन या उससे प्रधिक के लिए इयूटी पर हो और छुट्टी की उस अवधि के लिए उसे या तो काई छुट्टी बेतन न मिल रहा हो या, यथा-स्थिति, प्राधे भौमत बेनन के बराबर या उससे कम छुटी-बेनन मिल रहा हो ।
- (ग) मिचव प्रभिदाना के लिखित प्रमुरोध पर, ऐसी किसी ध्रविध के दौरान, जब उसे मजूर किए गए किसी प्रथिम वेतन की त्रसूली की जा रही हो, किसी उधार की वसूली को स्थिगित वर मकता है।
- (3) यदि निधि में से किसी श्रमियाना का एक से श्रधिक उधार दिए गए हैं तो प्रत्येक उधार, बसूली के प्रयोजन के लिए श्रलग-श्रलग उधार माना जाएगा।
 - (4) (क) उद्यार का मूलधन पूरी तरह से बापस कर बिए जाने के पण्चास् उस पर क्याज भूलधन लेने और उसकी पूरी-पूरी ग्रदायगी कर विए जाने के बीच की श्रवधि के दौरान प्रत्येक मास श्रववा उसके खण्ड भाग के लिए मूलधन के 1/5 प्रतिशत की वर से भ्रवा किया आएगा।
 - (का) क्याज साधारणतया मूलधन की पूरी-पूरी श्रवायगी के बाद वाले माम मे एक ही किश्न मे किया जाएगा किन्तु यदि बाण (क) मे निर्दिष्ट श्रवधि बीम मास से श्रधिक की है तो व्याज श्रभिदाना की इच्छानुमार दो समान मासिक किश्तो मे वसून किया जा सकेगा श्रीर वसूली की पद्धनि कही होगी ओ उपनियम (2) मे दी गई है।
- (5) यदि किसी अभिवाता को कोई उधार दिया गया है और उससे उधार में लिया है भीर तत्पश्चात् उधार की, उसकी भवायनी से पहने, अनुनुझात कर दिया जाता है तो, लिया गया मारा उधार अथवा उसका अतिशेष नियम 11 में निर्विष्ट दर से स्थाज महित तत्काल अभिवाता द्वारा

निधि में वापस कर दिया जाएगा और यदि भ्रभिदाता नी गई रकम और व्याज की अदायनी में कोई व्यक्तिकम करता है ता सचिव यह भ्रादेण करेगा कि उसे भ्रभिदाता की उपलिक्ष्यों में से कटौशी करके एक मूण्त भ्रम्यवा बाग्ह से श्रनिधक की उतनी मासिक किक्तों में, जितनी सबिय द्वारा निदिष्ट की आए, वसून कर लिया जाए।

- (6) इस नियम के प्रधीन बसूल की गई रकमें, जब-जब उनकी बसूली की जाए, निधि में भ्रमिबाना के खाने में जमा की जाएंगी।
- (7) इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी, यदि मजूर करने वाले प्राधिकारी का समाधान हो जाए कि नियम 12 के प्रधीन निधि में से उन्नार के रूप में लिए गए धन को उस प्रयोजन से, जिसके लिए धन निकालने की मजूरी वी गई थी भिन्न किसी प्रयोजन के लिए प्रयोग में लाया गया है तो संबधित रकम नुरत्न निधि में ग्रभिदाना द्वारा वापस की जाएगी ग्रीर ऐसा करने में ज्यतिक्रम होने पर यह श्रावेश विए जाएंगे कि उन्हें ग्रभिदाना की उपलब्धियों में से, भने ही वह छुट्टी पर हो, एक-मुक्त कटौती करके वसून किया जाए:

परन्तु यदि वापम की जाने वाली कुल रक्तम श्रमिकाता की मार्मिक उपलब्धियों के श्राप्ते से श्रष्टिक है तो वसूनी उसकी उपलब्धियों के श्रद्धे भाग की मार्मिक किस्तों में तब तक की जाती रहेगी जब तक श्रभिदाता द्वारा पूरी रक्तम श्रदा न कर दी जाए।

स्पष्टीकरण इस नियम में, 'उपलब्धियो' के **प्र**स्तर्गत जीवन-निर्वाह भ्रमुदान नहीं है।

- 14. निधि में से धन की निकासी: यहा विनिर्विष्ट मतीं के प्रधीन रहते हुए, मिवब, अभिदाना की बीस वर्ष की सेवा पूरी हो जाने के प्रध्वात् जिसके अन्तर्गत सेवा की खण्डित अवधियां, यदि कोई हो, भी हैं, किसी भी समय, प्रपत्ना अधिवर्षिता पर अपनी सेवा निवृत्ति की तारीख से पूर्व वर्ष के भीतर, किसी भी समय, इनमें से जो पहले पड़े, निधि में अभिदाता के नाम जमा अभिदायों और उन पर व्याज की रकम में से निम्नलिखित एक या अधिक प्रयोजनों के लिए, धन की निकासी की मजूरी दे सकता है, अर्थान्:—
 - (क) ग्रभिदाता के किसी बालक की, जो उस पर बस्तुतः ग्राधित हो, उंची शिक्षा के व्ययों की (जिनके भ्रन्तर्गत, जहां-कही श्रावण्यक हो वहा, यात्रा व्यय भी हैं), निम्निनिध्यत मामलो में, पूर्ति के लिए, ग्रथांत्—
 - (1) हाई स्कूल स्तर के पश्चात् शैक्षिक, तकनीकी घथवा विधिष्ट पाठचकम के लिए भारत से बाहर शिक्षा प्राप्त करने के लिए, प्रथवा
 - (2) हाई स्कूल स्तर के पश्चात्, भारत में विकित्सा संबंधी इंजीनियरी, अथवा धन्य लकतीकी या विशिष्ट पाठधकम केलिए.

परन्तु यह तब जब कि पाठचकम नीन वर्ष से कम के लिए नही,

- (का) भ्रभिदाता के पुत्रों या पुत्रियों के नथा उस पर वस्तुत: ग्राश्चित किसी भ्रन्य स्त्री नातेदार के विवाह के सबंध में व्ययों की पूर्ति के लिए,
- (ग) प्रभिद्याना प्रथवा उस पर वस्तुतः प्राध्यित किसी व्यक्ति की बीमारी के मंबंध में व्ययो की (जिनके ग्रन्तर्गत जहां-कही ग्रावण्यक हो वहां, याद्रा व्यय भी है) पूर्ति के लिए,
- (ष) श्रपने निवास के लिए कोई उपयुक्त मकान बनवाने या प्राप्त करने के लिए, जिसमें जमीन का वास भी है, ग्रपवा इस प्रयोजन के लिए श्रिषध्यक्त रूप से लिए गए किसी ऋण महे 124 GI/76—10.

किसी यकाया रकम को वापस करने के लिए, **प्रथवा किसी**ऐसे सकान के, जिस पर धभिदाता का पहले से स्वामित्य है
या जिसे उसने अर्जित किया है, पुनंनिर्माण के लिए या उसमें
परिवर्दन भ्रथवा परिवर्तन करने के लिए,

- (ङ) मकान के लिए, जमीन खरीवने के लिए या इस प्रयोजन के लिए अभिव्यतन लिए गए किसी ऋण महे बकाया रह गई किसी रकम का यापन करने के लिए,
- (च) खण्ड (ङ) के अधीन निकाली गई रकम का उपयोग करके खरीदी गई जमीन पर मकान का निर्माण करने के लिए,
- (छ) प्रभिवाता की सेवानिवृत्ति की तारीख से पूर्व के छह मास के प्रन्दर कोई कृषि-भूमि प्रथवा कोई कारबार-परिसर, भ्रथवा वोनो को प्राप्त करने के लिए,

स्पष्टीकरण—ऐसा श्रभिदाता, जिसने गृह-निर्माण के प्रयोजनों के लिए उधार दिए जाने की केन्द्रीय सरकार द्वारा श्रायोजित किसी स्कीम के प्रधीन कोई उधार लिया है, या जिसे किसी धन्य सरकारी श्लोत से इस निभित्त कोई महायता श्रनुज्ञात की गई है, खण्ड (घ), (ङ) और (च) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए, उन खण्डों के धधीन, तथा पूर्वोक्त स्कीम के श्रधीन लिए गए किसी ऋण को वापस करने के प्रयोजन के लिए धी, नियम 18 के उपनियम (1) के परन्तुक में विनिर्दिष्ट सीमा के धधीन रहने हुए, श्रन्तिम निकासी की मंगूरी के लिए पात्र होगा।

15. धन निकासी की शर्त-(1) (क) निधि में प्रभिवाता के नाम जमा रकम में ने उसके द्वारा, नियम 14 में बिनिर्दिष्ट एक या प्रधिक कोई प्रयोजनों के लिए, किसी भी एक समय निकाली गई रक्कम निधि में प्रभिवाता के नाम जमा प्रभिदाय और उस पर ब्याज की रकम के प्राधे में, प्रथवा छह मास के वेतन से, इनमें से जो भी कम हो, साधारणतया प्रधिक नहीं होगी।

- (ख) सचिव, इस सीमा से प्रधिक, किन्तु निधि में ग्रिभिदाता के नाम जमा अभिदायो और उन पर ब्याज की रकम की तीन-चौथाई रकम तक धनराशि निम्नलिखिन का सम्यक् विचार करने हुए, मंजूर कर सकेगा:
 - (1) ग्रभिवाता की प्रास्थित,
 - (2) वह उद्देश्य, जिसके लिए धन निकाला जा रहा है,
 - (3) निधि में ग्रिभिदाना के नाम जमा ग्रिभिदाय ग्रीर उन पर क्याज की रकम:

परन्तु निकासी जाने वाली रकम किसी भी दशा में 1,25,000.00 रुपये या मासिक वेतन के 75 गुते से, इनमें से जो भी कम हो, प्रक्रिक नही होगी:

परन्तु यह और कि ऐसे प्रभिवाता की वहा में, जिसने गृह निर्माण के प्रयोजनार्थ उधार दिए जाने की केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रायोजित किसी स्कीम के प्रधीन कोई उधार लिया है या जिसे किसी प्रन्य मरकारी स्नोत से इस निमित्त कोई सहायता अनुजान की गई है, इस उपनियम के प्रधीन निकाली गई रकम, पूर्वोक्त स्कीम के प्रधीन लिए गए उधार की रकम प्रथवा किसी अन्य सरकारी स्नोत से ली गई सहायता की रकम सहित, 1,25,000.00 रुपये या मासिक वेतन के 75 गुना से, इनमें से जो भी कम हो, अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण 1—-प्रिभिदाता को नियम 14 के खण्ड (क) के प्रधीन छह मास में एक बार धन निकासी की प्रनुका रहेगी प्रौर ऐसी प्रत्येक निकामी को नियम 11 के प्रयोजनों के लिए भ्रलग प्रयोजन के लिए निकासी माना जाएगा। स्पष्टीकरण 2--उन दशाधों में, जिनमें धिभवासा को खरीदी गई किसी जमीन या मकान के लिए धर्मवा किसी गृह निर्माण सहकारी सोसाइटी प्रथवा वैसे ही किसी ध्रभिकरण की मार्फन निर्मित किसी मकान के लिए किश्तों में संवाय करना पड़ना है, उसे जब कभी उससे किसी किश्त के संवाय की ध्रमेक्षा की जाए नब धन निकालने की धनुज्ञा रहेगी और ऐसा प्रत्येक संवाय नियम 14 के प्रयोजनों के लिए धलग प्रयोजन के लिए संवाय समझा जाएगा।

- (2) ऐसा अभिदाता, जिसे नियम 14 के प्रधीन निधि में से धन निकासी प्रनुक्ता दी गई है, युक्तियुक्त प्रविध के भीतर, जो मिनव द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, सिनव का यह समाधान करेगा कि जिस प्रयोजन के लिए धन निकाला गया था उसका उसी प्रयोजन के लिए उपयोग किया गया है, भीर यदि वह ऐसा करने में प्रसफल रहता है तो, इस प्रकार निकाला गया मारा धन या उसका वह भाग, जो उन प्रयोजनों के लिए, जिनके लिए उसे निकाला गया था, उपयोग में नही लाया गया है, तुरल ही प्रभिदाता द्वारा नियम 11 में विनिर्दिष्ट दर से उस पर ब्याज सहिन निधि में वापस कर दिया जाएगा, भीर यदि प्रभिदाता उस रकम को देने मे व्यतिकम करना है तो सिन्द यह प्रादेश वेगा कि निकाली गई रकम भीर ब्याज एकमुम्दा, भायवा ऐसी मानिक किस्तों में, जिनका मनिव निदंश वे, प्रभिदाता की उपलब्धियों में से कटौती करके वसूल किया जाए।
- (3) (क) ऐसा झिभिदाता, जिसे निधि में उसके नाम जमा झिभिदाय झौर उस पर ब्याज की रकम में से, नियम 14 के उप-नियम (1) के खण्ड (घ), या खण्ड (घ) या खण्ड (च) के झिथान धन निकालने की झनुझा दी गई है, इस झकार निकाले गए धन से बनाए गए या प्राप्त किए, गए सकान या अमीन का कब्जा, विकय, (सचिव को किए गए बन्धक से भिन्न) बन्धक, वान, विनिमय द्वारा या अन्य किसी प्रकार से, सचिव की झनुझा के बिना, विलग नहीं करेगा:

परन्तु ऐसी अनुज्ञा निम्नलिखिन के लिए ग्रावश्यक नहीं होगी-

- (1) तीन वर्षों से अनिधिक की किसी अविधि के लिए पट्टे पर लिए गए किसी मकान या मकान की जमीन के लिए, अध्यक्षा
- (2) किसी गृह कोर्ड, भयता राष्ट्रीयकृत बैंक, भ्रषता जीवन बीमा निगम, बाधवा किसी ऐसे भ्रन्य निगम के पक्ष में, जिस पर केन्द्रीय लरकार का स्वामित्व या नियंत्रण है, भ्रौर जो नया मकान बनवाने के लिए या विश्वमान मकान में परिवर्धन के परिवर्तन करने के लिए ऋष्ण देता है, बन्धक रखे जाने के लिए।
- (ख) प्रभिवाता प्रतिवर्ष दिसम्बर के 31 वें विभ के उपरान्त एक ऐसी घोषणा प्रस्तुत करेगा कि, यथास्थिति, मकान या मकान की जमीन यथापूर्वोक्त उसके करूजे में बनी हुई है, या उसे बन्धक रखा गया है, या प्रस्त्राथा प्रस्तरित किया गया है, या किराए पर में दिया गया है प्रौर यि वैसी प्रपेक्षा की जाए तो उस निमित्त सचिव द्वारा विनिर्विष्ट तारीख को या उसमें पूर्व मचिव के समक्ष वह विकय, बन्धक या पट्टे के मूल विनेख भीर ऐसी बन्तावेजे भी पेश करेगा जिन पर सम्पत्ति के लिए उसका हक भाषारित है।
- (ग) यदि अपनी सेया निवृत्ति से पूर्व किसी भी समय, प्रभिदाता सिचय से पूर्व अनुका प्राप्त किए बिना मकान या जमीन का कब्जा विलग कर देता है तो यह निधि में से अपने द्वारा निकाली गई रक्षम तुरन्त निधि में एक मुक्त अदा करेगा और ऐसी अदायगी में व्यक्तिकम होने पर सिचव, उस मामले में प्रभ्यावेषन करने के लिए अभियाता को युक्तियुक्त अवसर देने के पश्चात् उक्त रक्षम को अभियाता की उपलब्धियों में से, या तो एकमुक्त या उतनी किस्तों में बसूल करवा लेगा जितनी मिचव द्वारा वश्वधारित की जाए।

स्पष्टीकरण--ऐसे भ्रभिवाना से, जिसने मरकार से ऋण लिया है श्रीर उसके बदले मकान या जमीन मरकार को बन्धक रखादी है, निम्स-लिखिन श्रामय की घोषणा प्रस्तुन करने की उपेक्षा की जाएगी श्रभीत्---

"मैं यह प्रमाणित करता हूं कि वह मकान या जमीन, जिसके निर्माण के लिए या जिसे प्राप्त करने के लिए मैंने भविष्य निधि में से अन्तिम निकासी प्राप्त की है, मेरे कब्जे में बनी हुई है किन्तु सरकार को बन्धक है"।

- 16. किसी उद्यार का निकासी में संपरिवर्तन:—(1) कोई भी अभिदाता, जिसने नियम 12 के उपनियम (1) के खण्ड (क), (ख) या (ग) में विनिर्दिष्ट किन्हीं भी प्रयोजनों के लिए उक्त नियम के ब्रधीन कोई उधार लिया है या भविष्य में ले, मिंचव को सबोधिन अपने लिखित अनुरोध ढांग, उस उधार के सम्बन्ध में अपना बकाया प्रतिशेष प्रन्तिम निकासी में संपरिवर्तित कर सकेगा यवि वह प्रयोजन, जिसके लिए उधार मंजूर किया गया था, ऐसा प्रयोजन है जिसके लिए नियम 14 के ब्रधीन निकासी की जा सकती है और उधार नियम 14 और नियम 15 में विनिष्ट अन्य गतों की पूर्ति करता है।
- (2) इस नियम के प्रयोजनों के लिए, उस रक्षम की संगणना करने में, जिसे अभिदाता द्वारा निकालने की अनुका नियम 15 के उपनियम (1) के अधीन दी जा सकती है, संपरिवर्तन के समय खाते में अभिवाता के नाम जमा अभिदाय की रक्षम, उस पर ब्याज सहित, तथा उधार की बकाया रक्षम, को योग उसके खाने नाम जमा अभिदाय का अतिशेष और व्याज समझा जएगा और प्रत्येक निकासी को एक प्रलग निकासी माना जाएगा और एक में अधिक मंपरिवर्तनों की दशा में यही निदात लागू होगा।
- 17. निधि में के संचयों की ग्रंतिम निकासी .--जब कोई ग्रिभिदासा सेवा छोड़ देता है तब निधि में उसके नाम जमा रकम, नियम 20 के ग्रंघीन किसी कटौली के ग्रंधीन रहते हुए, उसे संदेय हो जाएगी:

परन्तु ऐसा श्रभिदाना, जिसे सेवा से पदच्युत कर दिया गया है श्रौर बाद में उसे सेवा में पुन.स्थापित कर लिया जाता है, यदि समिति उससे बैसा करने की श्रपेक्षा करे तो, इस नियम के श्रनुसार उसे दी गई कोई भी रकम, नियम 11 में विनिर्दिष्ट दर से उस पर स्थाज सहित, नियम 18 के परन्तुक में उपबंधित रीति से वापस कर देगा। इस प्रकार वापम वी गई रकम निधि में उसके खाते मे जमा की जाएगी, श्रौर वह भाग जो उसके श्रभिदायों श्रौर उन पर स्थाज का द्योनक है, श्रौर वह भाग जो समिति के श्रंशदान का, उस पर स्थाज सहित, द्योनक है नियम 6 में उपबंधित रीति से लेखे में लिया जाएगा।

स्पष्टीकरण 1.—ऐसे श्रभिदाता के बारे में, जिसे ग्रस्वीकृत छुट्टी मंजूर की गई है यह समझा जाएगा कि उसने ग्रनिवार्य सेवा निवृत्ति की तारीख से या सेवा बढाए जाने की ग्रवधि की समाप्ति से मेवा छोड़ दी है।

स्पष्टीकरण 2—एसे श्रभिवाना के बारे में, जो संविदा पर नियुक्त किए गए व्यक्ति से या ऐसे व्यक्ति से भिन्न हो जिसे सेवा से निवृत होने के पश्चात् सेवा में व्यवधान सिंहत या रहित, पुन.तिथोजित कर लिया गया है, यह नही समझा जाएगा कि उसने सेवा छोड़ दी है यदि उसे सेवा में व्यवधान के बिना राज्य सरकार के प्रशीन किसी नए पद पर या केन्द्रीय सरकार के किसी श्रन्य विभाग में (जहां उसे दूसरी भविष्य निधि नियम लागू होते हों) श्रपने पहले के पर के साथ कोई सम्बन्ध बनाए रखे बिना शन्तरित कर दिया जाता है। ऐसे किसी मामने में उसका श्रभिवाय तथा समित का श्रंशदान, उन पर ब्याज सहित——

(क) किसी श्रन्थ निधि में के उसके खाते में उस निधि के नियमों के श्रमुसार श्रन्तरित कर दिया जाएगा, यदि नया पद केन्द्रीय सरकार के किसी श्रन्थ विभाग में हो, श्रथका (ख) सबिधन राज्य सरकार के प्रधीन किसी नए खाते में भ्रन्तरित कर दिया जाएगा, यदि नया पद राज्य सरकार के भ्रधीन हो भ्रीर वह राज्य सरकार उसके श्रभिदाशों, समिति के भ्रगदान भ्रीर व्याज के ऐसे भ्रन्तरण के लिए, साधारए। या विशेष भादेश द्वारा, सहमत हो ।

स्पष्टीकरण 3—म्प्रत्वरण के सबंध में यह समझा जाना चाहिए कि उसके प्रत्वर्गत सेवा में पद त्याग के ऐसे मामले भी है जब पद ह्याग कि एसे मामले भी है जब पद ह्याग कि किसी व्यवधान के भीर समिति की समृचित अनुभा से, केन्द्रीय सरकार के किसी ग्रन्थ विभाग में या राज्य सरकार के भ्रधीन कोई नियुक्ति प्राप्त करने के लिए किया जाए । ऐसी दशाओं में, जिनमें सेवा में कोई व्यवधान प्राया है, वह व्यवधान उस कार्यग्रहण भ्रवधि तक ही सीमित रहना चाहिए जिसकी श्रनुझा किसी विभिन्न स्टेशन को भ्रन्तरण की दशा में रहती है। यही बात छटनी के उस मामलों को भी लागू होगी, जिसमे छटनी के तुरन्त बाद कोई नियोजन, उसी सरकार के प्रधीन श्रथवा किसी भ्रन्य सरकार के भ्रधीन , ले लिया जाता है।

स्पष्टीकरण 1—(क) जब कोई धिभवाता, जो सविदा पर नियुक्त किए गए व्यक्ति से या ऐसे व्यक्ति से भिन्न हो, जिसे सेवा से निकृत्त होने के पश्चात सेवा मे पुत: नियोजित किया गया है, किसी अन्य निगमित निकाय के अधीन, जिस पर सरकार का स्वामित्य या नियंत्रण हो, या सोमायटी रजिस्ट्रीकरण धिधिनयम, 1860 के घधीन रिजस्ट्रीकर किसी स्वायत्शामी सगटन के अधीन सेवा मे बिना व्यवधान के धन्तिन कर दिया जाता है नव अभिवायों की रकम और समिति का अशवान, उस पर स्थाज सहित, उसे संदत्त नहीं किया जाएगा किन्तु उस निकाय की सहमित से, उस निकाय के अधीन उसके नए भविष्य निधि खाने में अन्तरित कर दिया जाएगा।

- (ज) प्रन्तरण के प्रन्तर्गत, सेवा से पद-त्याग के ऐसे मामले भी है, जहां पद-त्याग, बिना किसी व्यवधान के भीर समिति की ममुचित भनुमा से, किसी ऐसे भन्य नियमित निकाय के भधीन, जिम पर सरकार का स्वामित्व या नियंत्रण हो, भथवा सोसाइटी र्राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1860 के प्रधीन रिजस्ट्रीकृत किसी स्वायसवासी मंगठन के प्रधीन मियुक्ति प्राप्त करने के लिए किया जाए। नए पद पर कार्य ग्रहण करने में लगा हुआ समय उस दशा में सेवा में व्यवधान नहीं ममझा जाएगा जब वह एक पद से किसी भन्य पद पर हुए भन्तरण पर सरकारी नियमों के श्रधीन भनुजय कार्यग्रहण भवधि से श्रधिक न हो।
 - 18. ग्राभवानी की सेवा निवृति.-- जब कोई ग्राभवाता--
 - (क) निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चला गया है, प्रथवा
 - (ख) छुट्टीपर रहते हुए सेवा निवृत्त होने के लिए प्रनुकान कर दिया गया है, भ्रथवा जिसे सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी ने भ्रागे की सेवा के लिए आयोग घोषित कर दिया है,

तब निधि में उसके नाम जम। प्रभिदायों की रक्षम प्रौर उम पर ब्याज, सचिव को उस निमिन उसके द्वारा किए गए ग्रावेदन पर, ग्रश्मियासा को सदेय हो जाएगा:

परन्तु र्याव प्रभिद्याता छुट्टी से बापम ग्रा जाता है तो वह यदि सजिय धैसा करने की भ्रपेक्षा करे, तो भ्रपने खाते में जमा किए जाने के लिए बह सारी रकम या उसका भाग, जो उसे इस नियम के अनुमार निधि में से दिया गया है, नियम 11 में उपबन्धित वर से उस पर स्याज सहित नगद या प्रतिभृतियों में ग्रथवा ग्रथता नकद ग्रीर ग्रंगतः प्रतिभृतियों में, किश्ते में ग्रथवा उसकी उपलब्धियों में में ग्रन्यथा वसूल करके, या ग्रन्य ग्रकार से, जैमा भी मचिव निवेश है, निधि में वापस करेगा।

19 श्रभिदाता की मुन्यू पर प्रक्रिया — नियम 20 के श्रधीन किसी किटीती के प्रधीन रहते हुए, श्रभिदाता के नाम जमा रकम के सबेय हो जाने से पूर्व श्रथया यदि रकम सबेय हो गई है तो संदाय कर दिए जाने से पूर्व, उमकी मुत्यु हो जाने पर.—

- (1) अब मिभवाता कोई कुटुम्ब छोड़ता है तब--
- (क) यवि उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य या किन्ही सदस्यों के पक्ष में नियम 5 के उपबन्धों के मनुसार मिक्सात क्वारा किया कोई नामनिर्देशन विद्यमान है तो निधि में उसके नाम जमा रकम या उसका वह भाग जिससे नामनिर्देशन का सम्बन्ध है, उसके नाम निर्देशिती या नामनिर्देशितयों को नाम निर्देशन में विनिर्दिष्ट मनुपात में संदेय हो जाएगा,
- (ख) यदि अभिवाता के कुटुम्ब के किसी सवस्य या किन्ही सदस्यों के पक्ष में ऐसा कोई नामनिर्देशन विद्ययमान नहीं है, अथवा यदि ऐसे नामनिर्देशन का सम्बन्ध निधि मे उसके नाम जमा रकम के किसी एक भाग से है तो, यथास्थित, सारी रकम अथवा उसका वह भाग, जिससे नामनिर्देशन का सम्बन्ध है, उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य या सवस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति या व्यक्यियों के नाम में तास्पित किसी नामनिर्देशन के होते हुए भी, उसके कुटुम्ब के सवस्यों में बराबर-बराबर ग्रंगों में मंदेय हो जाएगा,

परन्तु कोई भी श्रंश निम्नलिखिन को सदेय नहीं होगा.--

- (1) वे पुत्र, जिन्होने व्यस्कता प्राप्त कर ली है,
- (2) मृतक पुत्र के पुत्र, जिन्होंने व्यस्कता प्राप्त कर ली है,
- (3) विवाहित पुलियां, जिनके पति जीवित हैं,
- (4) मुसक पुत्र की विवाहित पुन्नियां, जिनके पनि जीवित है,

यवि उसके कुट्दुम्ब का खंड (1), (2), (3) ग्रौर (4) में विनिर्विष्ट सदस्यों में भिन्न कोई सदस्य विद्यायमान हो :

परन्तु यह भौर कि मृतक पुत्र की विधवा या विधवाएं भौर बालक या बालकगण प्रपने मध्य भ्रमेला वहीं भंग, बराबर बराबर भागों में, प्राप्त करेगे जो भंग उस पुत्र ने तब प्राप्त किया होता जब वह भ्रभिवाता का उत्तरजीवी रहा हो ग्रीर उसे प्रथम परन्तुक के खंण्ड (1) के उपबंधों से छूट मिली होती ।

- टिप्पण:(1) किसी भ्रभिवाता के कुटुम्ब के किसी सवस्य को इन नियमों के अधीन संवेय कोई भी रकमे भ्रविष्य निधि भ्रधिनियम 1925 की धारा 3 की उपधारा (2) के भ्रधीन उस सवस्य मे निहित हो जाएगी।
- (2) जब श्रभिदाना कोई भी कुटुम्ब नहीं छोड़ना है तब यदि नियम 5 के उपबन्धों के भ्रनुमार उसके द्वारा किसी व्यक्ति या ध्यिनतयों के पक्ष में कोई नामनिवेंशन किया गया है तो, निधि में उसके नाम जमा रकम या उसका बह भाग, जिससे नामनिवेंशन का संबंध है, नामनिवेंशन में विनिद्धिय श्रनुपान में उसके नामनिवेंशिती या नामनिवेंशितियों को संदेय ही जाएगा।

स्पष्टीकरण 1 — यदि नामनिर्देशिती भिष्ठिय निधि प्रधिनियम, 1925 की धारा 2 के खंड (ग) में यथापरिभाषित किसी प्रभिदाता पर प्राश्चित है तो रकम उस प्रधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के प्रधीन ऐसे नामनिर्देशिती में निष्टित हो आएगा।

स्पष्टीकरण 2.— यदि भ्रभिवामा कोई कुटुम्ब नहीं छोडता है भीर नियम 5 के उपबन्धों के भ्रमुसार उसके द्वारा किया गया कोई नाम-निर्देशन भी विद्ययमान नहीं है, भ्रथवा यदि ऐसा नामनिर्देशन का संबंधे निधि में उसके नाम जमा रकम के केवल एक भाग से हैं तो भविष्य निधि प्रधिनियम, 1925 की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) श्रीर खण्ड (ग) के उपखण्ड (2) के सुसंगत उपबन्ध सारी स्कम को या उसके उस भाग को, जिससे नामनिर्देशन का संबंध नहीं है, लाग होंगे।

20 कटौनियां — इस गर्त के धर्धान रहते हुए कि ऐसी कोई भी कटीती नहीं की जाएगी जिससे कि निधि में ग्राभिदाना के नाम जमा रकम के उस निधि में से सदाय किए जाने से पूर्व उसमें नियम 10 धौर नियम 11 के अधीन जमा समिति के श्रंशवान और उस पर ज्याज की रकम से अधिक रकम निकल जाए

- (क) सिवव थह निवेश देसकेगा कि उसमें से कटौती करके समिति को——
- (1) उन सभी रकमो का संवाय किया जाए जो एसे ध्रंशवान भौर क्याज की द्योतक हैं, यदि प्रभिवान। को प्रवचार वीवाले या धक्षमता के कारण सेवा से पदच्युत किया गया है:

परन्तु यदि सिषय का यह समाधान हो जाता है कि इस प्रकार की कड़ौसी से धिभदाता को बहुत आर्थिक कष्ट हो जाएगा तो वह, आर्देश द्वारा ऐसी कड़ौती में से उस धिभदाय और ब्याज की रकम, जो धिभदाता को उस देशा में संदेय ऐसी जब वह चिकित्सीय कारणों से सेवानिवृत्त हुआ होता, वो तिहाई से धनधिक रकम तक की छुट्टी देसकेगा:

परन्तु यह और कि यदि परच्यृति का ऐसा कोई भावेग बाद में रह्न कर दिया जाए ती इस प्रकार काटी गई रकम, सेवा मे उसके पुन स्थापित हो जाने पर, निधि में उसके नाम किर से जमा कर दी जाएगी

- (2) उन सभी रकमों का संदाय किया जाए, जो ऐसे श्रंशदान श्रीर इयाज की द्योतक हैं, यदि श्रभिवाता, उस रूप में श्रपनी सेवा के श्रारम्भ के पांच वर्ष के भीतर, सेवा से त्याग पन्न दे देता है या मृत्यु या श्रधिवर्षिता से श्रथवा मक्षम चिकित्मा प्राधिकारी द्वारा ६स घोषणा से कि वह श्रागे सेवा करने के श्रयोग्य है, श्रथवा पद उत्सादित कर विए जाने श्रथवा थापन में कमी कर देने से भिन्न किसी कारण से समिति के श्रधीन कर्म- चारी नहीं रह जाता ।
- (ख) सचिव यह निदेश दे मकेगा कि उसमें से कटौती करके समिति को उस रकम का संदाय किया जाए जो प्रशिक्षाता द्वारा समिति के प्रति उपगत किसी वायित्व के प्रधीन देय हुई हो

स्पष्टीकरण:---इस नियम के खण्ड (क) के उपकाण्ड (2) के प्रयोजन के लिए--

- (कः) पांच वर्ष की झबधि, समिति के अधीन भ्रमियाता की निरन्तर सेवा के प्रारम्भ से गिनी जाएगी ।
- (ख) केन्द्रीय सरकार के किसी धन्य विभाग में या राज्य सरकार के ध्रधीन या किसी ऐसे नियमित निकाय के ध्रधीन, जो सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण में है, या सोमाइटी रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम, 1860 (1860 का 21) के ग्रधीन र्राजस्ट्रीकृत किसी स्वायत्त्रशामी मंगठन के प्रधीन बिना व्यवधान के और सिमिति की समृचित अनुज्ञा से, नियुक्ति प्राप्त करने के लिए सेवा से किया गया त्यागपत्र समिति के ध्रधीन दिया गया
- 21. निधि में रकम का संवाय करने की रीति—(1) जब निधि में प्रिधिवाता के नाम जमा कोई रकम, श्रयवा नियम 20 के अधीन की यई कटौती के बाद बचा उसका ग्राविशेष, मदेय हो जाए, तब सिचव का भ्रपता यह समाधान कर लेने के पश्चात् कि जब उस नियम के भ्रधीन ऐसी कोई कटौती करने का निदेश न विया गया हो तब, कोई भी कटौती नहीं की जाती है, यह कतंत्व होगा कि वह उस नियम (3) में यथा- उथवनिवत इस निमिल्न लिखिन संवाय करे।
- (2) यदि ऐसा व्यक्ति, जिसे इन नियमों के प्रधीन कोई रकम दी जानी है, ऐसा पागल है जिसकी सम्पदा के लिए भारतीय पागलपन प्रधिनियम, 1912 के प्रधीन इस निमित्त कोई प्रश्नन्धक नियुक्त किया गया है तो संबाब ऐसे प्रश्नन्धक को ही किया जाएगा, न कि पागल को :

परन्तु यदि कोई प्रबन्धक नियुक्ति नहीं किया गया है भीर जिस ज्यक्ति को रक्तम संदेय है उसे किसी मजिस्ट्रेट ने पागल प्रमाणित किया है तो कलक्टर के भावेगां के भ्रधीन संदाय, भारतीय पागलपन श्रधिनियम 1912 की घारा 95 की उपधारा (1) के उपबन्धों के भ्रनुमार उस व्यक्ति को किया जाएगा, जिसके भार साधन में ऐसा पागल है, भ्रीर माचेब पागल के भारनाधक व्यक्ति को उत्तनी ही रक्तम भ्रदा करेगा जितनी वह ठीक समझे भ्रीर यदि बोई भ्रधिभेष रह जाएगा तो ऐसा भ्रधिसोष ग्रथवा उसका ऐसा भाग, जिसे वह ठीक समझे, पागल के कृद्भ्य के ऐसे सदस्यों के भरणपोषण के लिए दिया जाएगा जो भरणपोषण के निसित्स उस पर ग्राश्रित है।

- (२) (क) कोई व्यक्ति जो इस नियम के श्रधीन सदाय का दावा करना चाहना है उस निमिरत सचिव को लिखित ध्रावेदन करेगा,
 - (ख) निकाली गई रकमों का सदाय केवल भारत में ही किया जाएगा,
 - (ग) जिन व्यक्तियों को रकमे संदेय है, बे भारत में संदाय प्राप्त करने के धपने प्रबन्ध स्वयं करेगे।

स्पन्टीकरण: - जब किसी ग्रिभिवाता के नाम जमा रकम नियम 17, 18 या 19 के ग्रंधीन सदेय हो गई हो, तब सिवब ग्रंभिवाता के नाम जमा रक्षम के उस भाग का तत्काल सदाय करने के लिए प्राधिकृत करेगा जिसके सम्बन्ध में कोई विवाद या शका नहीं है ग्रीर ग्रंपिशेष उसके पश्चात्, यथासंभव शीध्र, समायोजित किया आयगा।

- 22. प्रभिषाय के संदाय के समय खाते की संख्या का बताया जाना— जपलिख्यों में से कटौती करके या नकद धिभवाय देते समय प्रभिदाता निधि में प्रपने खाने की वह सख्या बनाएगा जो मिबब द्वारा उसे संसूचित की जाएगी धौर उसी प्रकार उस संख्या में कोई भी परिवर्तन सिवव द्वारा प्रभिदाना को सूचित किया जाएगा।
- 23. प्रभिदाता की लेखे का वार्षिक विवरण दिया जाना—(1) (क) प्रतिवर्ष 31 मार्च के परचात् यथासंभव शीध्र, लेखा प्रधिकारी प्रत्येक प्रभिदाता की निधि में उसके लेखे का एक विवरण, जिसमें उस वर्ष की पहली ध्रप्रैल को उसका आरम्भिक मितिशेष वर्ष के दौरान जमा की गई या निकाली गई कुल रकम, उस वर्ष की 31 मार्च को जमा किए गए क्याज की कुल रकम और उस नारीख को घन्तिम प्रतिशेष दिखाया जाएगा।
- (ख) लेखा श्रिधकारी लेखा विवरण में यह जांच पत्र भी सलग्न करेगा कि श्रीभदाना —
 - (1) नियम 5 के अधीन किए गए किसी नाम निर्देशन में कोई परिवर्सन करना चाहता है या नही,
 - (2) ऐसे किसी मामले मे, जहा उसने नियम 5 के उपनियम (1) के प्रथम परन्तुक के घ्रधीन प्रमने कुटुम्ब के किसी सबस्य के पक्ष मे कोई नामनिर्वेशन नहीं किया है, उसे कोई कुटुम्ब प्राप्त हुमा है या नही।
- (2) प्रधिवाता वार्षिक विवरण के गुत्ध होने के बारे में धपना समाधान करेगा और उस विवरण की प्राप्ति की तारीख से तीन मान के भीतर, लेखा प्रधिकारी की सूचना में गलतियां लाई जाएंगी।
- (3) लेखा प्रधिकारी, यदि प्रभिदाता द्वारा श्रदेक्षा की आए तो, वर्ष मे एक बार, किन्तु एक बार मे श्रधिक नहीं, प्रभिदाता को उस कुस रकम की जानकारी देगा जो उस श्रन्तिम मास की, जिसके लिए उसका लेखा लिखा जा चुका है, समाध्ति पर निधि मे उसके नाम अभा है।
- 24. भावेदन का सचिव का सम्बोधित किया जाता---इन नियमों के अधीन सभी आंदेदन सचिव को सम्बोधित किए जाएगे।

25. व्यष्टिक मामलों में नियमों के उपबन्धों का शिथिल किया जाना— जब समिति क। यह समाधान हो गया हो कि इन नियमों में से किसी नियम के प्रवर्तन से किसी अभिदाता को असम्यक् कष्ट हो रहा है या होना सभाव्य है तो समिति, इन नियमों में किसी बान के होते हुए भी, उस प्रभिवाता के मामले में ऐसी रीति से कार्यवाही कर सकेगा जो उसे स्यायोचित श्रीर सास्यापूर्ण प्रतीत हो ।

26 निर्वचन-पदि इन नियमों के निर्वचन के सम्बन्ध में कोई प्रश्न उठता है तो उसे विनिज्ञ्चय के लिए केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा और वह सरकार उस पर अपना विनिश्चय दे गी।

प्रचम अनुसूची

(नियम 5(3) देखिए)

शामनिर्देशम के प्ररूप

अब अभिवाता का कुटुम्ब हो भ्रीर वह उसके एक सदस्य का नाम निवंशन करना चाहता हो ।

में, निधि में श्रपने नाम जमा रक्षम के सदेय होने से पूर्व, ध्रथवा ऐसी दशा में, जब वह सदेय हो चुकी हो किन्तु दी न गई हो, मेरी मृत्यु हो जाने पर, उक्न रकम प्राप्त करने के लिए नीचे वर्णित व्यक्ति का, जो नौबहन विकास निधि समिति (कर्मचारी अगदायी भविष्य निधि) 152म, 1976 के नियम 2 में ययापरिभाषित मेरे कुटुम्ब का सदस्य है, नाभनिर्देशन करता हु।

नामनिर्देशिती का नग्म और प्रभिवाता के साथ प्रायु ऐसी प्राकस्मिकताए, जिनके घटने पर ऐसे व्यवित/व्यवित्रयों के, यदि कोई हों, पत्रा नानेवारी नाम निर्देशन श्रविधिमान्य हो जाण्या । नाम, पते घौर नानेवारी जिन्हें नामनिर्देशिती का प्रधिकार उस देशा में संत्रमित की जाएगा जब उनकी मृत्यु घभिदाता से पहले हो जाए।

नारी**ख** 197 के ''' ''' '' का ''' का '''' ''' 'दिन धान '''' '''

मियाता के हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले दो साक्षी

1. 2

2. जब अभिवाता का कोई कुटुम्ब हो घोर वह उसके एक से अधिक सवस्यों का नाम निर्वेशन करना चाहता हो।

मैं, निधि में अपने नाम जमा रकम के संदेव होने से पूर्व अथवा ऐसी दशा में जब वह संदेव हो चुकी हो किन्तु दी न गई हो। मेरी मृथ्यु हो जाने पर उक्ष रकम प्रा'त करने के लिए नीचे वर्णित व्यक्तियों को, जो नौबहन विकास निधि समिति (कर्मचारी अंगदायों भविष्य निधि) नियम, 1976 के नियम 2 में यथा परिभाषित मेरे कुटुम्ब के सदस्य हैं, नामनिर्देशन करता हूं और यह निदेश देता है कि उक्ष रकम उक्त व्यक्तियों के बीच, नीचे उनके नामों के सामने दी गई रीति से, वितरित की जाएगी।

मान्य हो आएगा।

नाम निर्देशिती का नाम और ध्रभिवाता के साथ ध्रायु संचयो में ध्रण की ऐसी ध्राकस्मिकताएं ऐसे पता । सातेवारी रकम जो घट्येक को दी जिनके घटने पर नास- हो, जानी है निर्देशन ग्रविधि- नास

ऐसे व्यक्तिम/व्यक्तियों के, यदि कोई हो, नाम, पने श्रीर नातेदारी जिन्हें नामनिर्देशिती का ग्राधकार उस जगा में संभित्तन हो जाएगा जब उनकी सृत्यु श्रीभदाना से पहले हो जाए ।

तारीख 197 के का दिस स्थान

भभिवाता के हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले वो साक्षी

1

2

							-	•					n 7			•
3.	जन	प्रांभदाना	वा	ন্ধা 🕏	करम्ब	न	हा	ग्रोर	व₹	1146	क्य किन	का	नामनिवेशिम	करना	चाहता	₩TI

में, जिसका नौबहन विकास निधि सिमिति (कर्मचारी ग्रंणदायी भविषय निधि) नियम, 1976 के नियम 2 में यथापरिभाष्टित कोई कुटुम्ब नही है, निधि में अपने नाम जमा रकम के सदेय होने से पूर्व ध्रथवा ऐसी दथा मे जब वह स्वेध हो चकी है किन्तू दी न गई हो, मेरी मृत्य हो जाने पर, उक्त रकम प्राप्त करने के लिए नीचे वर्णित व्यक्ति का नामनिर्देशन करता हूं।

नामनिर्देशिली का नाम भौर पता श्रभिदाता के साथ नातेषारी मेंसे व्यक्ति/व्यक्तियां के, यदि कोई हो, ऐसी प्राकस्मिकताएं जिनके घटने पर नामनिर्देशन ग्रविधिमान्य हो नाम, पने भौर नातेवारी, जिन्हें जाएगा । नामनिर्देशिक्षी ग्रधिकार उस **दशा** में सक्रमित हो जाएगा ज**ब** उनकी मृत्य प्रभिवःता

तारीख 197 के का दिन

स्थान

श्रभिदाता के हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाल दो साक्षी

1. 2.

- 4 जब अभिदासा का कोई कुटुम्ब न हो और वह एक से अधिक व्यक्ति का नामनिर्देशन करना चाहता है।
- मैं, जिसका नौबहन विकास निधि समिति (कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि) नियम, 1976 के नियम 2 मे यथापरिभाषित कोई क्टुस्थ नही है, निधि में अपने नाम जमा रकम के सदेय होने से पूर्व अथवा ऐसी दशा में जब वह संदेय हो चुकी हो किन्तु वी न गई हो, मेरी मृत्यु हो जाने पर, उक्त रकम प्राप्त करने के लिए नीचे वर्णित व्यक्तियों का नामनिर्देशन करता हुं और यह निर्देश देता हुं कि उक्त रकम उक्त व्यक्तियों के बीच, नीचे उनके नामों के सामने दी गई रीति से, वितरित की जाएगी।

नामनिर्देशिती का नाम भौर पना म्रभिदाता के साथ नातेषारी संचयों में भ्रम की रकम **भाकस्मिकता**एं ग्राय् एसी ऐसे व्यक्ति/व्यक्तियों के, यदि जो प्रत्येक को बी जिनके घटने पर कोई हों, नाम, पते भौर जानी है। नामनिर्देशन प्रविधि-नातेवारी जिन्हें नामनिवेंशिती मान्य हो जाएगा। का ग्रधिकार उस दशा में जाएगा मृत्य म्राभिदाता से पहले हो जाए ।

का विन तारीख 197

स्थान :

ग्रभिदाता के हस्ताक्षर

हस्ताक्षर करने वाले दो साक्षी

1.

2.

[मं० 35-एम० **डी०** (28)/72] एम० के० रामास्वानी, ग्रवर सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT (Transport Wing)

New Delhi, the 23rd December, 1976

G.S.R. 93.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (2) of section 19, read with section 458, of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules, namely:

PART-I:

PRELIMINARY ·

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Shipping Development Fund Committee (Employees Contributory Provident Fund) Rules, 1976.

- (2) They shall come into force on the date of their publi cation in the Official Gazette.
- 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,-
 - (a) "Accounts Officer" means the Accounts Officer of the Shipping Development Fund Committee;
 - (b) "Chairman" means the Chairman of the Committee;
 - (c) "Child" means a legitimate child, and includes an adopted child, where adoption is recognised by the personal law governing the subscriber:
 - (d) "Committee" means the Shipping Development Fund Committee constituted under section 15 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);

- (e) "Emoluments" means pay, leave salary or a subsistence grant, if any, in the manner determined by the Committee from time to time and includes dearness pay appropriate to pay, leave salary or subsistence grant, if admissible;
- (f) "Employec" means a person directly recruited by the Committee or a person absorbed as an employee of the Committee, without break, after resignation from service under Central Government, in public interest;
- (g) "Family" means.—(i) in the case of a male subscriber, the wife or wives and children of the subscriber and the widow or widows and children of any deceased son of the subscriber;

Provided that if a subscriber proves that his wife has been judicially separated from him or has otherwise ceased, under the customary law of the community to which she belongs, to be entitled to maintenance from him, she shall henceforth be deemed to be no longer a member of the subscriber's family in matters to which these rules relate, unless the subscriber subsequently intimates by notice in writing to the Secretary that she shall continue to be so regarded;

(ii) in the case of a female subscriber, the husband and children of the subscriber, and the widow or widows and children of any deceased son of the subscriber:

Provided that if a subscriber by notice in writing to the Secretary expresses her desire to exclude her husband from her family, the husband shall henceforth be deemed to be no longer a member of the subscriber's family in matters to which these rules relate, unless the subscriber subsequently cancels such notice in writing.

- (h) "Fund" means the Shipping Development Fund Committee Employees' Contributory Provident Fund;
- (i) "Leave" means any kind of leave recognised by the Committee;
- (j) "Secretary" means the Secretary of the Committee;
- (k) "Subscriber" means a member to the Fund;
- (1) "Year" means a financial year, beginning from the 1st April and ending with the 31st March of the year following;
- (m) words and expressions used in these rules and not defined, but defined in the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925) shall have the meanings respectively assigned to them in that Act;
- (n) words and expressions used herein and not defined whether in these rules or in the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925) shall have the meanings respectively assigned to them in the Fundamental Rules.
- 3. Constitution of the fund.—(1) The Fund shall be maintained in rupees.
- (2) All sums paid into the Fund under these rules shall be credited, and shall be shown in the books of the Committee to be so credited, in a Savings Bank Account with the Post Office or with any of the nationalised banks and named "The Shinping Development Fund Committee Contributory Employees' Provident Fund Account" to be operated by the Accounts Officer for the Trustees comprising of the following namely:—
 - (i) the Secretary, Shipping Development Fund Committee,
 - (ii) the Accounts Officer, Shipping Development Fund Committee, ex-officio; and
 - (lii) a representative of the directly recruited staff to be nominated by the Chairman, Shipping Development Fund Committee, at his discretion.
- (3) A representative so nominated under clause (iii) of subrule (2) shall act as Trustee for a period not exceeding one year from the date of nomination as specified by the Chairman.

- (4) Accretions to the Fund, not immediately required for meeting obligatory payments from the Fund, shall be invested in such Government securities, Government guaranteed securities, Small Savings instrument, or deposit schemes or in such other manner as may be specified by the Central Government.
- 4. Conditions of eligibility.—(1) These rules shall apply to every employee who has completed one year of continuous service in the Secretariat of the Committee from the beginning of the month following that in which he completed continuous service of one year.
- (2) If an employee admitted to the benefits of the Fund was, at any time prior to his being so admitted to the benefits of the Fund, a subscriber to a Government or semi-Government contributory provident fund, the amounts lying to his credit in the said contributory provident fund (including contributions of his previous employers if any, in relation to him in such provident fund) together with interest thereon, shall be transferred to his credit in the Fund in cases where such employee has for all purposes ceased to be employee of the previous employer.
- 5. Nomination.—(1) A Subscriber shall, at the time of joining the Fund send to the Secretary a nomination conferring on one or more persons the right to receive the amount that may stand to his credit in the Fund in the cvent of his death before that amount has become payable, or having become payable, has not been paid.

Provided that if, at the time of making the nomination, the subscriber has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than a member or members of his family:

Provided further that, where the amounts lying to the credit of a subscriber in any other provident fund has been transferred to the Fund, the nomination made by him in respect of such provident fund, shall be deemed to be a fresh nomination duly made under this rule until he or she makes a nomination in accordance with this rule.

- (2) If a subscriber nominates more than one person under sub-rule (1), he shall specify in the nomination the amount or share payable to each of the nominees in such manner as to cover the whole of the amount that may stand to his credit in the Fund at any time.
- (3) Every nomination shall be in such one of the Forms set forth in the First Schedule as is appropriate in the circumstances.
- (4) A subscriber may, at any time, cancel a nomination by sending a notice in writing to the Secretary and where a subscriber so cancels a nomination, shall, along with such notice or separately, send a fresh nomination made in accordance with the provisions of this rule.
 - (5) A subscriber may provide in a nomination,—
 - (a) in respect of any specified nominee, that in the event of his predeceasing the subscriber, the right conferred upon that nominee shall pass to such other person or persons as may be specified in the nomination:

Provided that such other person or persons shall, if the subscriber has other members of his family, be such other member or members of his family and that where the subscriber confers, such a right on more than one person under this clause, he shall specify, the amount or share payable to each of such persons in such a manner as to cover the whole of the amount that may stand to his credit at any time;

(b) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of a contingency specified therein:

Provided that if at the time of making the nomination the subscriber has no family, he shall provide in the nomination that it shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family:

Provided further that if at the time of making the nomination the subscriber has only one member of the family, he shall provide in the nomination that the right conferred upon the alternate nominee under clause (a) shall become invalid in the event of his subsequently acquiring any other member or members in his family.

- (6) Immediately on the death of nominee in respect of whose death, no provision as provided in clause (a) of subrule (5) has been made in the nomination of on the occurence of any event by reason of which the nomination becomes invalid by virtue of any provision made in pursuance of clause (b) of that sub-rule, the subscriber shall send to the Secretary a notice in writing cancelling the nomination together with a fresh nomination made in accordance with the provisions of this rule.
- (7) Every nomination made and every notice of cancellation given, by a subscriber shall, to the extent that it is valid, take effect on the date on which it is received by the Secretary.
- 6. Subscriber's accounts.—An account shall be opened in the name of each subscriber in which shall be shown:—
 - (i) his subscriptions;
 - (ii) contributions made under rule 10 by the Committee to the account;
 - (iii) interest, as provided by rule 11, on subscriptions;
 - (iv) interest, as provided by rule 11, on contributions, and
 - (v) advances and withdrawals from the Fund
- 7. Conditions of subscriptions.—(1) Every subscriber shall subscribe monthly to the Fund when on duty but not during a period of suspension;

Provided that a subscriber on re-instatement after a period of suspension shall be allowed the option of paying in one lump sum, or in instalments, any sum not exceeding the maximum amount of arrears of subscriptions permissible for that period.

- (2) A subscriber may at his option not subscribe during leave which either does not carry any leave salary or carries leave salary equal to or less than half pay or half average pay.
- (3) The subscriber shall intimate his election not to subscribe during the leave referred to in sub-rule (2), in the following manner, namely:—
 - (a) if he is an officer who draws his own pay bills by making no deduction on account of subscriptions in his first pay bill drawn after proceeding on leave;
 - (b) if he is not an officer who draws his own pay bills, by written communication to the head of the office before he proceeds on leave.
 - NOTE.—(i) Failure to give due and timely intimation shall be deemed to constitute an election to subscribe.
 - (ii) The option of a subscriber intimated under this subrule shall be final.
- (4) A subscriber who has, under rule 18, withdrawn the amount of subscriptions and interest thereon, shall not subscribe to the Fund after such withdrawal unless he returns to duty.
- 8. Rate of subscription.—(1) The amount of subscription shall be fixed by the subscriber himself subject to the following conditions, namely:—
 - (a) it shall be expressed in whole rupees;
 - (b) it may be any sum, so expressed, not less than 8-1/3 per cent of his emoluments and not more than his emoluments.
- (2) For the purpose of sub-rule (1), the emoluments of a subscriber shall be-
 - (a) in the case of a subscriber who was in service of the Committee on the 31st March of the preceding year, the emoluments to which he was entitled on that date;

Provided that—

(i) if the subscriber was on leave on the said date and elected not to subscribe during such leave or was under suspension on the said date, his emoluments

- shall be the emoluments to which he was entitled on the first day after his return to duty;
- (ii) if the subscriber was on deputation out of India on the said date or was on leave on the said date and continues to be on leave and has elected to subscribe during such leave, his emoluments shall be the emoluments to which he would have been on titled had he been on duty in India;
- (iii) if the subscriber joined the Fund for the first time on a day subsequent to the said date, his emoluments shall be emoluments to which he was entitled on such subsequent date;
- (b) in the case of a subscriber who was not in service of the Committee on the 31st March of the preceding year, the emoluments to which he was entitled on the first day of service or if he joined the Fund for the first time on a date subsequent to the first day of his service the emoluments to which he was entitled on such subsequent date:

Provided that, if the emoluments of the subscriber are of a fluctuating nature, they shall be calculated in such manner as the Secretary may direct.

- (3) The subscriber shall intimate the fixation of the amount of monthly subscription in each year in the following manner:—
 - (a) if he was on duty on the 31st March of the preceding year, by the deduction which he makes or causes to be made in this behalf from his pay bill for that month;
 - (b) if he was on leave on the 31st March of the preceding year and elected not to subscribe during such leave, or was under suspension on that date, by the deduction which he makes or causes to be made in this behalf from his first pay bill after his return to duty;
 - (c) if he has entered service of the Committee for the first time during the year, by the deduction which he makes in this behalf, from his pay bill for the month during which he joins the Fund;
 - (d) if he was on leave on the 31st March of the preceding year and continues to be on leave and has elected to subscribe during such leave, or if he was on foreign service on the 31st March of the preceding year, by the deduction which he causes to be made in this behalf from his salary bill for that month:
 - (e) if his emoluments are of the nature referred to in the proviso to sub-rule (2) in such manner as the Secretary may direct.
- (4) The amount of subscription so fixed may be enhanced or reduced once at any time during the course of a year:

Provided that when the amount of subscription is so reduced it shall not be less than the minimum prescribed by sub-rule (1).

Provided further that if a subscriber is on leave without pay or leave on half pay or half average pay for part of a calendar month and he has elected not to subscribe during such leave, the amount of subscription payable shall be proportionate to the number of days spent on duty including leave, if any, other than leave of the nature referred to above.

- 9. Realisation of Subscriptions.—(1) When emoluments are drawn from the Shipping Development Fund, recoveries of subscriptions on account of these emoluments and of the principal and interest of advances shall be made from such emoluments.
- (2) When emoluments are drawn from any other source the subscriber shall forward his dues monthly to the Accounts Officer.
- 10. Contribution by the Committee.—(1) The Committee shall with effect from the 31st March of each year, make a contribution to the account of each subscriber:

Provided that if a subscriber quits the service or dies during a year, contributions shall be credited to his account for the period between the close of the preceding year and the date of quitting of service or death, as the case may be

Provided further that no contribution shall be payable in respect of any period for which the subscriber is permitted under the rules not to subscribe, or the subscriber does not subscribe, to the Fund.

(2) The contribution shall be such percentage of the subscriber's emoluments drawn on duty during the year or period as the case may be, as has been or may be prescribed by general or special order under Contributory Provident Fund Rules (India), 1962:

Provided that, if, through oversight or otherwise the amount subscribed is less than the minimum subscription payable by the subscriber under sub-rule (1) of rule 8 and if the short subscription together with the interest accrued thereon is not paid by the subscriber within such time as may be specified by the authority competent to sanction an advance for the grant of which special reasons are required under sub-rule (3) of rule 12, the contribution payable by the Committee shall be equal to the amount actually paid by the subscriber or the amount normally payable by the Committee, whichever is less, unless the Committee in any particular case otherwise directs.

- (3) Should a subscriber elect to subscribe during leave, his leave salary shall for the purposes of this rule be deemed to be emoluments drawn on duty.
- (4) Should a subscriber elect to pay arrears of subscriptions in respect of a period of suspension, the emoluments or portion of emoluments which may be allowed for that period on re-instatement shall, for the purpose of this rule, be deemed to be emoluments drawn on duty.
- (5) The amount of contribution payable shall be rounded to the nearest whole rupee (fifty paise counting as the next higher rupee).
- 11. Interest—The Committee shall pay to the credit of the account of a subscriber interest, at such rate as the Central Government may from time to time prescribe for the payment of interest on subscriptions to the General Provident Fund maintained for Government servants, on the amount at his credit in the Fund.
- (2) Interest shall be credited with effect from the 31st March of each year in the following manner:—
 - (i) on the amount to the credit of a subscriber on 31st March of the proceeding year less any sums withdrawn during the current year-interest for twelve months;
 - (ii) on sums withdrawn during the current year-interest from the 1st April of the current year upto the last day of the month preceding the month of withdrawal;
 - (iii) on all sums credited to the subscriber's account after the 31st March of the preceding year-interest from the date of deposit upto the 31st March of the current year;
 - (iv) the total amount of interest shall be rounded to the nearest whole rupec (fifty paise counting as the next higher rupec);

Provided that when the amount standing to the credit of a subscriber has become payable, interest shall thereupon be credited under this sub-rule in respect only of the period from the beginning of the current year or from the date of deposit as the case may be, upto the date on which the amount standing to the credit of the subscriber becomes payable.

(3) For the purposes of this rule, the date of deposit shall be deemed to be the first day of the month succeeding the month in which the emoluments of a subscriber are drawn or disbursed:

Provided that where the emoluments of a subscriber are not drawn before the expiry of the last day of the month to which it relates and consequently there has been delay in the recovery of his subscription towards the Fund, the interest on such subscription shall be payable, from the month in which the pay or leave salary of the subscriber was due irrespective of the month in which it was actually drawn.

(4) Interest shall be payable upto the end of the month preceding that in which payment is made, or upto the end of the sixth month after the month in which such amount became payable whichever of these periods be less, shall be payable to the person to whom such amount is to be paid:

Provided that no interest shall be paid in respect of any period after the date which the Secretary has intimated to that person or his agent as the date, on which he is prepared to make payment in cash or if he pays by cheque after the date on which the cheque in that person's favour is sent by post.

- (5) Payment of interest on the Fund balances beyond a period of six months, after the amount due to a subscriber became payable, upto a period of one year may be authorised by the Secretary after he has personally satisfied himself that the delay in payment was occasioned by circumstances beyond the control of the subscriber and in every such case the administrative delay involved in the matter shall be fully investigated and action, if any required taken.
- (6) Interest shall not be credited to the account of a subscriber if he informs the Secretary that he does not wish to receive it, but if he subsequently asks for interest it shall be credited with effect from the 1st April of the year in which he asks for it.
- (7) The interest on amounts which, under rule 17 or 18 are replaced at the credit of the subscriber in the Fund shall be calculated at such rates as is specified in sub-rule (1) of this rule and, as far as may be, in the manner prescribed in this rule.
- 12. Advances from the Funds.—The Secretary may sanction the payment to any subscriber of an advance consisting of a sum or whole rupees and not exceeding in amount three months' pay or half the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund, whichever is less, for one or more of the following purposes, namely:—
 - (a) to pay expenses in connection with illness, confinement a disability (including, where necessary, the travelling expenses) of the subscriber or any person actually dependent on him;
 - (b) to meet the cost of higher education (including where necessary, the travelling expenses) of the subscriber or any person actually dependent on him in the following cases, namely:—
 - (i) for education outside India for an academic, technical, professional or vocational courses beyond the High School stage;
 - (ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage:

Provided that the course of study is for not less than three years;

- (c) to pay obligatory expenses on a scale appropriate to the status which by customary usage the subscriber has to incur in connection with marriages, funerals or other ceremonies;
- (d) to meet the cost of legal proceedings instituted by the subscriber for vindicating his position in regard to any allegations made against him in respect of any act done by him in the discharge of his official duty, the advance in this case being available in addition to any advance admissible for the same purpose from any other Committee source:

124 GI/76-11

Provided that the advance under this clause shall not be admissible to a subscriber who institutes legal proceedings in any court of law either in respect of any matter unconnected with his official duty or against the Committee in respect of any condition of service or penalty imposed on him;

- (e) to meet the cost of his defence where the subscriber is prosecuted by the Committee in any court of law or where the subscriber engages a legal practitioner to defend himself in an inquiry in respect of any alleged official misconduct on his part.
- (2) The Chairman may, in special circumstances, sanction the payment to any subscriber of an advance if he is satisfied that the subscriber concerned requires the advance for reasons other than those mentioned in sub-rule (1).
- (3) An advance shall not, except for special reasons to be recorded ir writing, be granted to any subscriber in excess of the limit laid down in sub-rule (1) or until repayment has been made of the last instalment of any previous advance together with interest thereon:

Provided that an advance shall in no case exceed the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund.

Explanation 1: For the purpose of this rule, pay includes dearness pay, where admissible.

Explanation 2: A subscriber shall be permitted to take an advance once in every six months under clause (b) of sub-rule (1) of rule 12.

- 13. Recovery of Advances.—(1) (a) An advance shall be recovered from the subscriber in such number of equal monthly instalments as the Secretary may direct, but such number shall not be less than twelve unless the subscriber so elects and more than twenty-four.
- (b) In special cases where the amount of advance exceeds three months' pay of the subscriber under sub-rule (3) of rule 12, the Secretary may fix such number of instalments to be more than twenty-four but in no case the number of instalments shall be more than thirty-six.
- (c) A subscriber may, at his option, make repayment in a lesser number of instalments than the number of instalment prescribed by these rules.
- (d) Each instalment shall be a number of whole rupees, the amount of the advances being raised or reduced, if necessary to admit of the fixation of such instalments.
- (2) (a) Recovery of advance shall be made in the manner provided in rule 9 for the realisation of subscription and shall commence with the issue of the pay for the month following the one in which the advance was drawn.
- (b) Recovery shall not be made, except with the subscriber's consent while he is in receipt of subsistence grant or is on leave for a period of ten days or more in a calender month which period of leave either does not carry any leave salary or carries leave salary equal to or less than half average pay, as the case may be.
- (c) Recovery of advance may be postponed on the subscriber's written request by the Secretary during any period when the recovery of an advance of pay granted to the subscriber, is being made.
- (3) If more than one advance has been made to a subscriber from the Fund, each advance shall be treated separately for the purpose of recovery.
- (4) (a) After the principal of the advance has been fully repaid, interest shall be paid thereon at the rate of one-fifth per cent of the principal for each month or broken portion of month during the period between the drawal and complete repayment of the principal.
- (b) Interest shall ordinarily be recoverable in one instalment in the month after complete repayment of the principal, but, if the period referred to in clause (a) exceeds twenty

months, interest may if the subscriber so desires, be recovered in two monthly equal instalments and the method of recovery shall be that provided in sub-rule (2).

- (5) If an advance has been granted to a subscriber and drawn by him and the advance is subsequently disallowed before repayment is completed, the whole or balance of the amount withdrawn, shall forthwith be repaid with interest at the rate specified in rule 11 by the subscriber, to the Fund and where the subscriber makes default in making the repayment the amount withdrawn and interest shall be ordered by the Secretary to be recoverd by deduction from the emoluments of the subscriber in a lump sum, or in monthly instalments not exceeding twelve as may be directed by the Secretary.
- (6) Recoveries made under this rule shall be credited as they are made, to the account of the subscriber in the Fund.
- (7) Notwithstanding anything contained in these rules, if the sanctioning authority is satisfied that money drawn as an advance from the Fund under rule 12 has been utilised for a purpose other than that for which sanction was given to the drawal of the money, the amount in question shall forthwith be repaid by the subscriber to the Fund, or in default, be ordered to be recovered by deduction in one lump sum from the emoluments of the subscriber even if he be on leave:

Provided that if the total amount to be repaid be more than half the subscriber's monthly emoluments recoveries shall be made in monthly instalments of moieties of his emoluments till the entire amount is repaid by the subscriber.

Explanation.—The term "emoluments" in this rule does not include subsistence grant.

- 14. Withdrawal from the Fund.—Subject to the conditions specified herein, withdrawals may be sanctioned by the Secretary, at any time after the completion of twenty years of service including broken periods of service, if any, of a subscriber or within ten years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier, from the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund, for one or more of the following purposes, namely:—
 - (a) meeting the cost of higher education (including, where necessary, the travelling expenses) of any child of the subscriber actually dependent on him in the following cases, namely:—
 - (1) for education outside India for academic technical or specified course beyond the High School stage;
 - (ii) for any medical, engineering or other technical or specified course in India beyond the High School stage;

Provided that the course of study is for not less than three years;

- (b) meeting the expenditure in connection with the marriage of the subscriber's sons or daughters and any other female relation actually dependent on him:
- (c) meeting the expenses in connection with the illness (including, where necessary, the travelling expenses) of the subscriber or any person actually dependent on him;
- (d) building or acquiring a suitable house for his residence including the cost of the site or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose or reconstructing or making additions or alterations to a house already owned or acquired by a subscriber;
- (e) purchasing a house site or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose;

- (f) constructing a house on a site purchased utilising the sum withdrawn under clause (e);
- (g) for acquiring a farm land or business premises or both within six months before the date of the subscriber's retirement,

Explanation.—A subscriber who has availed himself of an advance under the scheme sponsored by the Central Govt. for grant of advances for house building purposes of has been allowed any assistance in this regard from any other Government source shall be eligible for the grant of final withdrawal under clauses (d), (e) and (f) for the purposes specified therein and also for the purpose of repayment of any loan taken under the aforesaid scheme subject to the limit specified in the proviso to sub-rule (1) of rule 15.

- 15. Condition for Withdrawal.—(1) (a) Any sum withdrawn by a subscriber at any one time for one or more of the purposes specified in rule 14 from the amount standing to his credit in the Fund shall not ordinarily exceed one half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit, of the subscriber in the Fund or six month's pay, whichever is less.
- (b) The Secretary may, however, sanction the withdrawal of an amount in excess of this limit upto three-fourths of the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund having due regard to—
 - (i) the status of the subscriber;
 - (ii) the object for which the withdrawal is being made;
 - (iii) the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund;

Provided that in no case the maximum amount of with-drawal shall exceed Rs. 1,25,000/- or 75 times the monthly pay, whichever is less:

Provided further that in the case of a subscriber who has availed himself of an advance under the scheme sponsored by the Central Government for the grant of advances for house-building purpose, or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, the sum withdrawn under this sub-rule together with the amount of advance taken under the aforesaid scheme or the assistance taken from any other Government source shall not exceed Rs. 1,25,000/- or 75 times the monthly pay, whichever is less.

Explanation 1.—A subscriber shall be permitted to take a withdrawal once in every six months under clause (a) of rule 14 and every such withdrawal shall be treated as a withdrawal for a separate purpose for the purposes of rule 14.

Explanation 2.—In cases where a subscriber has to pay in instalments for a site or a house purchased, or a house constructed through a House-Building Co-operative Society or similar agency, he shall be permitted to make a withdrawal as and when he is called upon to make a payment of any instalment and every such payment shall be treated as a payment for a separate purpose for the purposes or rule 14.

- (2) A subscriber who has been permitted to withdraw money from the Fund under rule 14 shall satisfy the Secretary within a reasonable period as may be specified by the Secretary that the money has been utilised for the purpose for which it was withdrawn, and if he fails to do so, the whole of the sum so withdrawn, or so much thereof as has not been applied for the purposes for which it was withdrawn, shall forthwith be repaid by the subscriber in one lump sum together with interest thereon at the rate specified in rule 11 by the subscriber to the Fund, and where the subscriber makes default in making the repayment, the amount withdrawn and interest shall be ordered by the Secretary to be recovered by deduction from the emoluments of the subscriber either in a lump sum, or in such monthly instalments as may be directed by the Secretary.
- (3) (a) A subscriber who has been permitted under clause (d) or clause (e) or clause (f) of sub-rule (1) of rule 14 to withdraw money from the amount of subscription

together with interest thereon standing to his credit in the Fund, shall not part with the possession of the house built or acquired or house-site purchased with the money so whidrawn, whether by way of sale, mortgage (other than mortgage to the Secretary), gift, exchange of otherwise without the previous permission of he Secretary:

Provided that such permission shall not be necessary for-

- (1) the house or house-site being leased for any term not exceeding three years, or
- (ii) its being mortgaged in favour of a Housing Board, nationalised bank or the Life Insurance Corporation or any other Corporation owned or controlled by the Central Government which advances loans for the construction of a new house or for making additions or alterations to an existing house
- (b) The subscriber shall submlt a declaration not later than the 31st day of December of every year as to whether the house or the house-site, as the case may be, continues to be in his possession or has been mortgaged or otherwise transferred or let out as aforesaid and shall, if so required, produce before the Secretary on or before the date specified by the Secretary in that behalf, the original sale, mortgage or lease deed and also the documents on which his title to the property is based.
- (c) If at any time before his retirement, the subscriber parts with the possession of the house or house-site without obtaining the previous permission of the Secretary, he shall forthwith repay the sum so withdrawn by him from the Fund in a lump sum to the Fund, and, in default of such repayment, the Secretary shall, after giving the subscriber a reasonable opportunity of making a representation in the matter, cause the said sum to be recovered from the emoluments of the subscriber either in a lump sum or in such number of monthly instalments, as may be determined by the Secretary.

Explanation.—A subscriber who has taken loan from Govt, and in lieu thereof has mortgaged the house or house site to the Government shall be required to furnish a declaration to the following effect, namely:

- "I do hereby certify that the house or house-site for the construction of which or for the acquisition of which I have taken a final withdrawal from the Provident Fund continues to be in my possession but stands mortgaged to Government.".
- 16. Conversion of an Advance into withdrawal.—(1) A subscriber who has already drawn or may draw in future an advance under rule 12 for any of the purposes specified in clauses (a), (b) or (c) of sub-rule (1) of that rule may convert by written request addressed to the Secretary, the balance outstanding against him in relation to that advance into a final withdrawal if the purpose for which the advance was sanctioned is a purpose for which the withdrawal can be made under rule 14 and the advance satisfies the other conditions specified in rule 14 and 15.
- (2) For the purposes of this rule in calculating the amount that may be allowed to be withdrawn by a subscriber under sub-rule (1) of rule 15, the amount of subscription with interest thereon standing to the credit of the subscriber in the account at the time of conversion plus the outstanding amount of advance shall be taken as the balance of subscription and interest lying to his credit in his account and each withdrawal shall be treated as a separate one and the same principle shall apply in the event of more than one conversion.
- 17. Final Withdrawals of Accumulations in the Fund.—When a subscriber quits the service, the amount outstanding to his credit in the Fund shall, subject to any deduction under rule 20 become payable to him.

Provided that a subscriber, who has been dismissed from the service and is subsequently re-instated in the service shall, if required to do so by the Committee repay any amount paid to him from the Fund in pursuance of this tule, with interest thereon at the rate specified in rule 11, in the manner provided in the proviso to tule 18. The amount so repaid shall be credited to his account in the Fund, the part which represents his subscriptions and interest thereon,

and the par which represents the Committee's contribution with interest thereon being accounted for in the manner provided in rule 6.

Explanation 1.—A subscriber who is granted refused leave shall be deemed to have quit the service from the date of compulsory retirement or on the expiry of an extension of service.

Explanation 2.—A subscriber other than the one who is appointed on contract or one who has retired from service and is subsequently 1c-employed, with or without a break in service, shall not be deemed to quit the service, when he is transferred without any break in service to a new post under a State Government or in another department of the Central Government (in which he is governed by another set of Provident Fund Rules) and without retaining any connection with his former post. In such a case, his subscription and the Committee's contribution, together with interest thereon, shall be transferred.

- (a) to his account in the other Fund in accordance with the rules of the Fund, if the new post is in another department of the Central Government; or
- (b) to a new account under the State Government concerned if the new post is under a State Govt. and the State Govt. consents, by general or special order, to such transfer of his subscriptions, the Committee's contribution and interest.

Explanation 3.—Transfer should be held to include cases of resignations from service in order to take up appointment in another department of the Central Government or under the State Government without any break and with proper ptrmission of the Committee. In cases, where there has been break in service, it shall be limited to the joining time allowed on transfer to a different station. The same shall hold good in cases of retrenchements followed by immediate employment whether under the same or different Government.

Explanation 4.—(a) When a subscriber other than the one who is appointed on contract or one who has retired from service and is subsequently re-employed, is transferred without any break, to the service under another body corporate, owned or controlled by Government or an autonomous organisation, registered under the Societies Registration Act, 1860, the amount of subscriptions and the Committee's contribution together with interest thereon shall not be paid to him but shall be transferred the consent of that body, to his new Provident Fund Account under that body.

- (b) Transfers shall includes cases of resignation from service in order to take up appointment under another body corporate, owned or controlled by Government or an autonomous organisation, registered under the Societies Registration Act, 1860, without any break and with proper permission of the Committee. The time taken to join the new post shall not be treated as a break in service if it does not exceed the joining time admissible under Government rules on transfer from one post to another.
 - 18. Retirement of Subscriber.-When a subscriber-
 - (a) has proceeded on leave preparatory to retirement; or
 - (b) while on leave, has been permitted to retire or declared by competent medical authority to be unfit for further service,

the amount of subscriptions and interest thereor standing to his credit in the Fund shall, upon application made by him in that behalf to the Secretary become payable to the subscriber:

Provided that the subscriber, if he returns to duty, shall if required to do so by the Secretary repay to the Fund, for credit to his account, the whole or part of any amount paid to him from the Fund in pursuance of this rule, with interest thereon at the rate provided in rule 11 in cash or securities, or partly in cash and partly in securities, by instalments or otherwise by recovery from his emoluments or otherwise, as the Secretary may direct.

19. Procedure on Death of Subscriber.—Subject to any deduction under rule 20, on the death of a subscriber be-

fore the amount standing to his credit has become payable or where the amount has become payable, before payment has been made.

- (i) when the subscriber leaves a family,—
- (a) if a nomination made by the subscriber in accordance with the provisions of rule 5 in favour of a member or members of his family subsists, the amount standing to his credit in the Fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination;
- (b) if no such nomination in favour of a member of members of the family of the subscriber subsists or if such nomination relates only to a part of the amount standing to his credit in the Fund, the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate, as the case may be, shall, notwithstanding any nomination purporting to be in favour of any person or persons other than a member or members of his family become payable to the members of his family in equal shares:

Provided that no share shall be payable to-

- (1) sons who have attained majority;
- (ii) sons of a deceased son who have attained majority;
- (iii) married daughters whose husbands are alive;
- (iv) married daughters of a deceased son whose husbands are alive;

if there is any member of the family other than those specified in clause (i), (ii), (iii), and (iv):

Provided further that the widow or widows and the child or children of a deceased son shall receive between them in equal parts only the share which that son would have received if he has survived the subscriber and had been exempted from the provisions of clause (i) of the first proviso.

- Note: (i) Any sums payable under these rules to a member of the family of a subscriber vests in such member under sub-section (2) of section 3, of the Provident Funds Act, 1925.
- (ii) When the subscriber leaves no family, if a nomination made by him in accordance with the provisions of rule 5 in favour of any person or person subsists, the amount standing to his credit in the Fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in the proportion specified in the nomination

Explanation 1.—When a nomince is a dependent of the subscriber as defined in clause (c) of section 2 of the Provident Fund Act, 1925, the amount vests in such nominee under sub-section (2) of section 3 of that Act.

Explanation 2.—When the subscriber leaves no family and no nomination made by him in accordance with the provisions of rule 5 subsists, or if such nomination relates only to part of the amount standing to his credit in the Fund, the relevant provisions of clause (b) and of sub-clause (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 4 of the Provident Funds Act, 1925 are applicable to the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate.

- 20. Deductions.—Subject to the condition that no deduction may be made which reduces the credit by more than the amount of any contribution by the Committee with interest thereon credited under rules 10 and 11, before the amount standing to the credit of the subscriber in the Fund, is paid out of the Fund,—
- (A) The Secretary may direct the deduction therefrom and payment to the Committee of-
 - (i) all amounts representing such contribution and interest, if the subscriber is dismissed from service due to mis-conduct, insolvency or inefficiency:

Provided that where the Secretary is satisfied that such deduction would cause exceptional hardship to the subscriber he may, by order, exempt from such deduction an amount not exceeding two-third of the amount of such contribution and interest which would have been payable to the subscriber if he had retired on medical grounds:

Provided further that it any such order of dismissal is subsequently cancelled, the amount so deducted shall, on his re-instatment in the service be replaced to his credit in the Fund:

- (ii) all amounts representing such contribution and interest if the subscriber within five years of the commencement of his service as such, resigns from the service or ceases to be an employee under the Committee otherwise than by reason of death, superanguation, or a declaration by a competent medical authority that he is unfit for further service, or the abolition of the post or the reduction of establishment;
- (B) The Secretary may direct the deduction therefrom and payment to the Committee of any amount due under a liability incurred by a subscriber to Committee.

Explanation.—For the purpose of sub-clause (ii) of clause (A) of this rule—

- (a) the period of five years shall be reckoned from the commencement of the subscriber's continuous service under the Committee;
- (b) resignation from service in order to take up appointment in another department of the Central Government or under the State Government or under a body corporate owned or controlled by Government or an autonomous organisation, registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) without any break and with proper permission of the Committee shall not be treated as resignation from service under the Committee.
- 21. Manner of payment of amount in the Fund.—(1) When the amount standing to the credit of a subscriber in the Fund, or the balance thereof after any deduction under rule 20, becomes payable it shall be the duty of the Secretary, after satisfying himself, when no such deduction has been directed under that rule that no deduction is to be made to make payment on receipt of a written application in this behalf as provided in sub-rule (3).
- (2) If the person to whom, under these rules, any amount is to be paid, is lunatic for whose estate a manager has been appointed in this behalf under the Indian Lunacy Act, 1912, the payment shall be made to such manager and not to the Lunatic:

Provided that where no manager has been appointed and the person to whom the sum is payable is certified by a Magistrate to be a lunatic, the payment shall, under the orders of the Collector, be made in terms of sub-section (1) of section 5 of the Indiar Lunacy Act, 1912, to the person having charge of such lunatic and the Secretary shall pay only the amount which he thinks fit to the person having charge of the lunatic and the surplus, if any, or such part thereof, as he thinks fit, shall be paid for the maintenance of such members to the lunatic's family as are dependent on him for maintenance.

- (3)(a) Any person who desires to claim payment under this rule shall send a written application in that behalf to the Secretary;
- (b) Payment of amount withdrawn shall be made in India only;
- (c) The persons to whom the amounts are payable shall make their own arrangements to receive payments in India.

Explanation.—When the amount standing to the credit of a subscriber has become payable under rules, 17, 18 or 19, the Secretary shall authorise prompt payment of that portion of the amount standing to the credit of a subscriber in regard to which there is no dispute or doubt, the balance being adjusted as soon after as may be.

- 22. Number of account to be quoted at the time of payment of subscription.—When paying a subscription either by deduction from emoluments or in cash, a subscriber shall quote the number of his account in the Fund, which shall be communicated to him by the Secretary and any change in the number shall similarly be communicated to the subscriber by the Secretary.
- 23. Annual statement of account to be supplied to the subscriber.—
 - (1) (a) As soon as possible after the 31st March of each year, the Accounts Officer shall send to each subscriber a statement of his account in the Fund showing the opening balance as on 1st April of the year, the total amount credited or debited during the year, the total amount of interest credited as on the 31st March of the year and the closing balance on that date.
 - (b) The Accounts Officer shall attach to the statement of account on enquiry whether the subscriber :-
 - (i) desires to make any alteration in any nomination made under rule 5;
 - (ii) has acquired a family in a case where the subscriber has made no nomination in favour of a member of his family under the first proviso to sub-rule (1) of rule 5.
- (2) A subscriber shall satisfy himself as to the correctness of the annual statement and errors shall be brought to the notice of the Accounts Officer within three months from the date of receipt of the statement.
- (3) The Accounts Officer shall, if required by a subscriber, once, but not more than once in a year, inform the subscriber of the total amount standing to his credit in the Fund at the end of the last month for which his account has been written up.
- 24. Application to be addressed to the Secretary.— \lambda l applications under these rules shall be addressed to the Secretary.
- 25. Relaxation of the provisions of the rules in individual cases.—When the Committee is satisfied that the operation of any of these rules causes or is likely to cause undue hardship to a subscriber, the Committee may, notwithstanding anything contained in these rules, deal with the case of such subscriber in such manner as may appear to Committee to be just and equitable.
- 26. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Central Government for its decision, who shall decide the same.

THE FIRST SCHEDULE [See Rule 5(3)]

FORMS OF NOMINATION

I. When the subscriber has a family and wishes to nominate one member thereof.

I hereby nominate the person mentioned below, who is a member of my family as defined in rule 2 of the Shipping Development Fund Committee (Employees Contributory Provident Fund) Rules, 1976, to receive the amount that may stand to my credit in the Fund, in the event of my death before that amount has become payable, or having become payable has not been paid:—

Name and address of nominee	Relationship with subscriber	Age	happening of which the	Name, address and relationship of the person/persons if any, to whom the right of the nomine; shall pass in the event of his predeceasing the subscriber.
Dated the	Day of1	97 .	4	——————————————————————————————————————
at				Signature of Subscriber
Two witnesses to signature:				
1				
2				
II. When the subscriber has a fa	imily and wishes to non	inate more	than one member thereof.	
Fund Committee (Employees Con	ntributory Provident Fun that amount has become	d) Rules, 197 payablo, or	76 to receive the amount that a having become payable has no	le 2 of the Shipping Development, may stand to my credit in the Fund, of been paid and direct that the said mes:————————————————————————————————————
Name and address of Relation Nonuinee Sub	aship with Age scriber	accumulat	tions to be happening of wh	n the Name, address and relation- nich ship of the person/persons if shall any to whom the right of the d nominee shall pass in the event of his predeceasing the subscriber
Dated thisday	of197			
at				
				Signature of subscriber
Two witnesses to singuature: 1				
2. ,,				
III. When the subscriber has no		ominato one	person	
I, having no family as define	ed in rule 2 of the Shippi person montioned below	ng Developm to receive th	cont Fund Committee (Employ ne amount that may stand to	rees' Contributory Provident Fund) my credit in the Fund, in the event —
Name and address of nominee	Relationship with subscriber	Age	happening of which the	Name, address and relationship of the person/persons, if any, to whom the right of the nominee shall pass in the event of his predeceasing the subscriber
Dated this	day of	197		
At	iong Olippin, in			
				Signature of subscriber
Two witnesses to signature :				
1	****			
2				

IV. When the subscriber has no family and wishes to nominate more than one person.

I, having no family as defined in rule 2 of the Shipping Development Fund Committee (Employees' Contributory Provident Fund Rules, 1976, hereby nominate the persons mentioned below to receive the amount that stand to my credit in the Fund, in the event of my death before that amount has become payable, or having become payable has not been paid and direct that the said a nount shall be distributed among the said persons in the manner shown below against their names:—

Name, address and relation-Name and address of Relationship with Amount of share of Contingencies on the Age accumulations to be happening of which ship of the person/persons if nominee subscriber paid to each the nomination shall any, to whom the right of the become invalid nomince shall pass in the event of his predecessing the subscriber At..... Signature of subscriber Two witnesses to signature: [No. 35-MD(28)/72] M. K. RAMASWAMY, Under Socy.

रेल मंत्रालय रेलवे बोर्ड

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1976

सा० का० कि० 94.—सविधान के प्रमुच्छेय 299 खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, इसके द्वारा भारत सरकार, रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की 31-10-1960 की धिधसूचना संख्या एक (एक्स) II-59 सी० एन० टी०-1/1 जिसमें चितरंजन रेल इंजिन कारखाना के जम सम्पर्क और सम्पदा धिकारी को भारतके राष्ट्रपति की ग्रोर में संविदाग्री पर इस्ताक्षर करने का घिषकार दिया गया था, का विखन्दन करते हैं।

[संख्या एफ (एक्स) 1-75/26/1] बी० मोहन्ती, सचिव, रेलवे बोर्ड

सिचव रेलवे बोर्ड एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सिचव

MINISTRY OF RAILWAYS (Railway Board)

New Delhi, the 22nd December, 1976

G.S.R. 94.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 299 of the Constitution, the President hereby rescinds Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) Notification No. F(X)II-59/CNT-1/1, dated 31-10-1960 empowering public Relations and Estate Officer, Chittaranjan Locomotive Works to sign contracts on behalf of the President of India.

[No. F. (X)I-75/26/1]
B. MOHANTY, Secy.
Railway Board
Ex. officio Jt. Secy. to the Govt, of India.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 विसम्बर, 1976

सां० कां० नि० 95.—केन्द्रीय सरकार खान प्रधिनियम, 1952 (1952 का 35) की घारा 58 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, खान नियम, 1955 में कतिपय ग्रीर संशोधन करना चाहती है।

जैमा कि अक्त घिष्ठिनियम की धारा 59 की उपधारा (1) में अपेक्षित है, प्रश्नावित संगोधनों का निम्निलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाणित किया जा रहा है जिनके उससे प्रभावित होने की गंभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस घिसूचना के राज्यक में प्रकाणन की तारीख से बार मास की धविध की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया आएगा।

क्रभर विनिर्दिष्ट तारीखंकी समाप्ति से पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी ग्राक्षेप या मुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी ।

नियमों का प्राक्य

- া इन नियमों का नाम खान (संशोधन) नियम, 1976 है।
- 2 खान नियम, 1955 में,---
- (क) नियम 77 में, प्रस्त में निस्निलिखित शब्द जोड़े जाएंगे, भर्षात्:-
 - "जिसमें खान में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक पृथक पथ्ठ रखा जाएगा ;
- (क्षे) नियम 77 के पश्चान् निम्नलिखित नियम मन्त्र-स्थापित किया जाएगा, मर्थात्:—
 - "77क—पहचान टोकन (1) (क) खान का स्वामी, अभिकर्ता या प्रयन्धक, खान में नियोजित प्रत्येक व्यक्ति की एक धातु का टोकन या कार्ड या लैपेल (जिसे इसमें इसके पश्चात् टोकन कहा गया है) मुक्त देगा, जिस पर एक सक्या, फोटोब्राफ और ग्रन्य विशिष्टियां होंगी जिमसे कि ऐसे व्यक्ति को पहचाना जा सके;

परन्तु यदि किसी खान में, पहचान की उननी ही प्रभावी कोई प्रन्य पद्धति प्रवृक्ष है ग्रीर मुख्य निरीक्षक का उसकी बाबत समाधान हो गया है तो वह उस खान को ऐसी शर्ती के प्रधीन रहने हुए जिन्हें ग्रिधरोपित करना यह उचित समझे, इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

- (ख) खान में मियोजिन कोई भी व्यक्ति खान के किसी भाग में तब नक प्रदेश नहीं गरेगा या उसे प्रवेश करने की अनुजा नहीं दी जाएगी, जब नक कि उसके साथ उसे दिया गया टोकन न हों।
- (ग) टांकन, ऐसी टिकाऊ और मजबूत सामग्री का होगा जो सुगमता
 से क्षत या विकृत न हो सके।
- (ध) टोकन, जिनने समय कर्मचारी द्वारा कर्त्तव्य पर रहता है, उसके साथ रहेगा ।
- (क्र) जहां, सम्बद्ध कर्मकार की किसी तृिट या उपेक्षा से भिन्न किसी कारणवश टोकन क्षण या विकृत हो जाता है या खो जाता है, वहां उस कर्मकार को तुरन्त एक दूसरा टोकन मुक्त जारी किया जाएगा और ऐसे दूसरे टोकन पर, "दूसरी प्रति", का स्टास्प लगाया जाएगा ।

जहां, सम्बद्ध कर्मकार की किसी ख़ुटि या उपेक्षा के कारण टोकन क्षिति या विकृत हो जाता है या खो जाता है, वहा उस कर्मकार को दूसरा टोकन जिसपर "दूसरी प्रति" का स्टाम्प लगा होगा तुरन्त जागी किया जाएंगा धौर वह कर्मकार, उसे जारी किए गए दूसरे टोकन की लागत का पचास प्रतिक्षत संदाय करने का दायी होगा !

- (2) टोकन सख्या घौर धन्य विधिष्टिया जिनसे कि कर्मजारी की पहचान की जा सके, एक पासपोर्ट आकार की फोटो सहित रजिस्ट्रर मे, नियम 77 के अधीन विहित प्ररूप आ में, दर्ज की जाएगी।
- (ग) प्रथम भ्रतुसूची में, प्रकृष ख के स्थान पर, निम्नलिखित प्रकृष रक्षा जाएगा, भ्रथीत :---

"प्ररूप-ख"

[नियम 48 (3), 51 भौर 77-क (2) वेखिए]

- 1. कम संख्या
- 2. कर्मचारी का नाम भौर कुलनाम
- 3. पिताया पतिकान।म
- 4. आयु भीर लिंग
- खान ज्यावसायिक प्रशिक्षण नियम, 1966 के भ्रधीन धारित प्रमाणपत्र यदि कोई हो, की संख्या भौर नारीख
- 6. (क) कर्मचारो का पदनाम
 - (अप) रोजगार की प्रकृति (भूमि के ऊपर या नीचे, और भूमि के ऊपर हो तो क्या वह शिवृत्त संकर्म में है या कहीं धौर हैं)
- कर्मचारी के धर का पता, ग्राम, थाना ग्रीर जिला भो दीजिए।
- 8. रोजगार के प्रारम्भ की तारीख
- 9. वर्तमान स्थामी के पास प्रथम नियुक्ति की तारीख
- 10. रोजगार के घवसान या छोड़ने की तारीख
- किशोर की दशा में, घारा 40 के घंधीन उपयुक्तता के प्रभाणपत्न का निर्वेश
- टोकन संख्या और घन्य विणिष्टियां जिससे कर्मचारी की पहचान की जा सके
- 13. नियोजत व्यक्ति का पासपीर्ट ब्राकार का फोटोग्राफ
- 14. कर्मचारी के हस्ताक्षर या प्रंगुठे का चिन्ह
- 15. टिप्पण

प्रबन्धक के हस्ताक्षर [सं० एम० 11016/13/74/एम-1]

जे० सी० सक्सेना, श्रवर सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 27th December, 1976

G.S.R. 95.—The following draft of certain rules further to amend the Mines Rules, 1955 which the Central Covernment proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 58 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), is published, as required by sub-section (1) of section 59 of the said Act, for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken up for consideration on or after the expiry of a period of four months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

- 1. These rules may be called the Mines (Amendment) Rules, 1976.
 - 2. In the Mines Rules, 1955,-
 - (a) in rule 77 the words "keeping a separate page for each person employed in the mine" shall be inserted at the end;
 - (b) after rule 77, the following rule shall be inserted namly:—
- "77 A. Identity token. (1) (a) The owner, agent or manager of a mine shall issue, free of cost, to every person employed in the mine, a metal token or card or lapel (hereinafter referred to as token), hearing a number, a photograph and other particulars by which such person may be identified:

Provided that if any other equally effective system of identification is in force in any mine and the Chief Inspector is satisfied of the same he may exempt such mine from the operation of this rule, subject to such conditions as he may deem fit to impose.

- (b) No person employed in a mine shall enter or be permitted to enter for work in any part of a mine unless he carries on his person the token issued to him.
- (c) The token shall be of such durable and strong material as cannot be easily damaged or defaced.
- (d) The token shall be carried by an employee on his person during the time he is on duty.
- (e) Where a token is damaged, defaced or lost, due to reasons other than the fault or negligence of the employee concerned a duplicate token shall be issued forthwith to such employee free of charge and such duplicate token shall be stamped "DUPLICATE".
- (f) Where a token is damaged, defaced or lost due to the fault or negligence of the employee concerned, a duplicate token stamped "DUPLICATE", shall be issued forthwith to such employee and such employee shall be liable to pay fifty per cent of the cost of the duplicate token issued to him.
- (2) The token number and other particulars by which the employee may be identified, together with a pass-port size photograph, shall be entered in the register in Form B prescribed under rule 77;"
- (c) in the First Schedule, for Form B, the following Form shall be substituted, namely:—

"FORM-B"

[See rules 48(3), 51, 77 and 77-A(2)]

- 1. Serial No.
- 2. Name and surname of the employee

- 3. Father's or Husband's name
- 4. Age and sex
- No. and date of the Certificate, if any, held, under the Mines Vocational Training Rules, 1966
- 6. (a) Designation of the employee.
 - (b) Nature of employment (whether above or below ground, and if above ground whether in opencast workings or otherwise).
- Home Address of the employee, giving Village, Thana and District.
- 8. Date of commencement of employment:
- Date of first appointment, with the present owner.
- Date of termination or leaving of employment.
- In case of an adolescent reference to certificate of fitness granted under section 40.
- Token number and other particulars by which the employee may be identified.
- 13. Passport size photograph of the person employed.

PHOTO

- 14. Signature or Thumb impression of the employee.
- 15. Remarks.

Signature of Manager."
[No. N-11016/13/74-M-I]
J. C. SAXENA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्य ग्रीर वैकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 15 अनवरी, 1977

केमदीय उत्पाद-शुल्क

सां ब्हां विच 96 — केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक धीर ममक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रवस्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक प्रधिनियम, 1944 में धीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रपत्ति :----

124 GI/76-12

- (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (प्रथम-मशोधन) नियम, 1977 है।
- (2) ये राजपन्न मे प्रकाशन को तारीख की प्रवृत्त होगे।
- केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 के नियम 96 अ के उपनियम (1) में "और विभिन्न प्रकार के कपड़ों के उत्पादन में नियोजित बिजली करणों के लिए विभिन्न दरें नियत कर सकेगा" णब्दों का लोप कर विया जाएगा।

[स । 1/76-केन्द्रीय उत्पाव ग्रहक--फा । स । 55/5/73-सी गु-2]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Banking)

New Delhi, the 15th January, 1977

CENTRAL EXCISES

- G.S.R. 96.—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Central Excise (First Amendment) Rules, 1977.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In rule 96J of the Central Excise Rules, 1944, in subrule (1), the words "any may fix different rates for power-looms employed in the production of different varieties of fabrics," shall be omitted.

[No. 1/77-Central Excise—F. No. 55/5/73-CX.2]

सांका कि 97. केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ 2 में उत्पिक्ति किन्द्रीय उत्पाद-शुक्क भीर नमक भिष्टिनयम, 1944 (1944 का 1) में की प्रथम भनुसूची के मद सं 0 22 में भाने वाले वर्णन के रेयान या कृतिम रेशमी वस्त्रों के नमूनों की उक्त सारणी के स्तम्भ 3 भीर 4 में तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों में भिष्टिकथित सीमाभो भीर शर्तों के भिष्टीन रहने हुए उन पर उद्युहणीय समस्त भुक्क से छूट बेती हैं:——

- सारणी

क्रम स०	-,	ं- संख्या/ग्राकारकी बाब त सीमाएं र्णम	मर्त <u>े</u> -
1	2	3	4
1	साङ्ग्यां	साड़ियों के परेषण में से जिसका मूल्य प्रमाणपन्न के प्रयोजन के लिए पचास हजार रुपए से कम हो, वहां जहां साड़ी की कीमत सौ रुपए से कम है पूरी चौड़ाई सहित 0.9 मीटर भ्रमवा जहां	कारियो ारा

1	2	3	4			TABLE		
	_	कीमत सी रुपए या उससे प्रक्षिक है पूरी चौद्राई सहित 15 सेन्टी-		S. Description of Limitation with regard Conditions. No. goods remov- to number/size. ed as samples				
		षौदार्द्र सहित 15 सेन्टी- सीटर लम्बी कर्दी		1	2	3 4		
2.	साड़ियो से भिन्न ———— [मधिसूचना सं	हुई साड़ियों की बाबन पक्षकार को आवेदन में यह घोषणा करनी होगी कि कढ़ाई में उपयोग की गई सामग्री के लिए निर्यात सहायता की प्रमुविधा नहीं ली गई है। बस्त्रों के प्रत्येक 5000 मीटर या उनके भाग में से पूरी चौड़ाई सहित एक भीटर सम्बा एक नमृता।	बस्त्न मर्मिति के झ्रिष्टि- कारियो द्वारा निकाला गया हो । 	1.	Sarces.	o 9 motre or 15 centi- Drawn by the metres in length by officers of the full width, where the Toxtile Comcost of a sareo is less mittee. than one hundred rupees or, as the case may be, one hundred rupees or more, from the consignment of the sarees the value of the consignment being less than fifty thousand rupees for certificate purpose. In respect of embroidered sarees, the party shall be required to furnish a declaration in the application that export assistance benefit has not been claimed for material used in		
(1) of vernm fabrication thereto the whole tions	rule 8 of the nent hereby e s of the des o annexed [fa e Central Exc of the duty and condition	exercise of the powers co exempts samples of Rayon exempts samples of Rayon exciption mentioned in col- lling under Item No. 22 of cases and Salt Act, 1944 (1 y leviable thereon subjections laid down in the corre- thereof, namely:—	14, the Central Go- n or Artificial Silk umn 2 of the Table of the First Schedule of 1944)] from the set to the limita-	Sí	Other than prees.	the embroidery. One sample of one metre Drawn by offinin length by full width cers of the for every 5000 metres. Toxtile Committee. fabrics. 2/77-Central Excises—F. No. 54/1/76-CX.2 N. OBHRAI, Under Secy.		

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 24 विसम्बर, 1976

सा॰का॰िक॰ 98.---राष्ट्रपति, संविधान के प्रमुख्छेद 309 के परन्तुक हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मुद्रण निवेशालय (निर्माण ग्रौर ग्रावास मंत्रालय) में प्रमुमंधान महायक के पद/पदों पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं धर्षात् :---

- ा. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ .---(1) इन नियमो का संक्षिप्त नाम मुद्रण निदेशालय (ग्रनुसंधान सहायक) भर्नी नियम, 1976 है।
 - (2) में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृक्त होंगे।
- 2. पद संख्या, वर्गीकरण भीर वेतनमान --- उक्त पद/पदों की संख्या, उसका वर्गीकरण भीर उनके वेतनमान वे होंगे जो इससे उपावदा भनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिधिष्ट हैं।
- 3. भर्ती की पद्धति, श्रायु-सीमा श्रीर श्रन्य श्रर्तुताएं श्रावि. उक्त पद/पदों पर भर्ती की पद्धति, श्रायु-सीमा, श्रर्तुताएं श्रीर उससे संबंधित श्रन्य वार्ते वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिश्ट है।
 - 4. निरहंताएं .--वह व्यक्ति---
 - (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवत है, विवाह किया है, या
- (स्त्र) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो ; उक्त पद पर नियुक्ति का पास नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा निवाह ऐसे व्यक्ति श्रौर विवाह के श्रम्य पक्षकार को लाग् स्वीय विधि के श्रधीन श्रमुक्केय है श्रौर ऐसा करने के लिए श्रन्य श्राधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छट दे सकेगी ।

5. शिथिल करने की शिक्त. — जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना श्रावण्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखूंबद करके तथा सब लोक सेवा श्रायोग से परामर्ण करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, श्रादेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे घारक्षणों धौर ग्रन्य रियायतो पर प्रभाव नहीं क्रालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए भादेशों के श्रनुसार अनुसूचित जातियों, भनुसूचित जनजातियों भीर ग्रन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करता धपेक्षित हैं।

अनुसूची

पद का नाम	पदो की सख्या	======================================	बेशनमान	चयन पद ग्रथवा श्रचयन पद		- सीधे भर्ती किए जाने वाले ग के लिए शैक्षिक श्रौट ग्रहनाएं	
1	2	3	4	5	6	7	
	1	साधारण कन्द्रीय सेवा, समन 'ख' घराज- पत्निन र्घालपिकवर्गीय	550-25-750- द्वरो०-30-900 ४०	लागूनही होता	लागू नहीं होता	लागृ नही होना	

सोधी भर्ती किए जाने बाले व्यक्तियों के लिए विहित झायु ग्रीर गैंभिक प्रहेताएं प्रोन्नति की देशा में लागृ होगी या नहीं	परिवीक्षा की श्रवधि यदि कोई हो	प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न	प्रोन्नति/प्रतिनिधुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वश्रीणयां जिनमें प्रोन्निति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जाएगी/किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी सरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सघ लोक सेवा श्वायोग से परामर्ण किया जाएगा
8	9	10	11	12	13
सागू नहीं होता सागू नहीं होता	लागू नही होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण क्षारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार के प्रधीन समूह 'ख प्रराजपित पद धारण करने वाले ऐसे प्रधिकारी, जिनके यास निम्निलिखित हो— (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व- विद्यालय की उपाधि या समतुस्य। (2) भारत सरकार में कम से कम 15 वर्ष की सेवा, जिसमे से 5 वर्ष की सेवा, जिसमे से 5 वर्ष की सेवा, जिसमे से 5 वर्ष की सेवा, जिसमे तुष्य पद की हो। (3) (क) सिवालय प्रशिक्षण प्रौर प्रबंध सस्थान, रक्षा कार्य-प्रध्यन सहा- यक पाठ्यक्रम या भाधारिक प्रवास सेवा पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण या किसी मन्य सस्था में समतुस्य प्रशिक्षण सफलर		सघ लोक सेवा ग्रायोग (परामणें से छूट) विनियम, 1958 के ग्रावीन यथा श्रपे- क्षिम ।

8	9	10	11	1 2	1
			(ख) कार्य-म्राष्ट्रययन या सग-		
			ठन धौ र पद्धति या		
			विक्लेपात्मक या मांख्यि-		
			कीय या सक्तियाश्रन्-		
			संधान ग्रौ र ग्रन्य		
			प्रबन्ध तथा धन्सधान		
			तकनीकों के उपयो ज न		
			का कम से कम एक वर्ष		
			का प्रनुभव । (प्रति-		
			नियुक्ति की ग्रवधि		
			सामान्यतः 3 वर्ष से		
			ग्रधिक नहीं होगी)		

[सं० ए० 12018/1/74-पीएम पी/मुद्रण]

धन राज, धवर समिव

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 24th December, 1976

- G.S.R. 98.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Research Assistant in the Directorate of Printing (Ministry of Works and Housing), namely:
- 1. Short title and commencement:— (1) These rules may be called the Directorate of Printing (Research Assistant) Recruitment Rules, 1976.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. Number of post, classification and scale of pay:—The number of the post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.
- 3. Method of recruitment, age limit and other qualifications:—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith, shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.
 - 4. Disqualification:— No person,—
 - (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.
- 6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

			SCH	EDULE			
Name of post	No of post	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non- selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifica- tions required for direct recruits	
1	2	3	4	5	6	7	
Research Assistant	1	General Central Service, Group 'B', Non- Gazetted, Non- Ministerial	Rs. 550-25-750-EB- 30-900	Not appli- cable	Not applicable	Not applicable	

					
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruit- ment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by pro- motion or deputation or trans- fer, grades from which promo- tion or deputation or transfer to be made	If a Depart- mental Promo- tion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be con- sulted in making re- cruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not appli- cable	By transfer on deputation	Transfer on Deputation Officers holding Group 'B' Non-Gazetted posts under the Central Government who have—	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.
			(i) a degree of a recognised University or equivalent.		
			(ii) a minimum of 15 years' service in the Government of India out of which 5 years' service shall be in Group 'B' non-Gazetted post or equivalent.		
			(iii)(a) Successfully completed		
			training in the Work		
			Study Assistant's		
			Course or Basic Mana-		
			gement Service Course	:	
			of the Institute of		
			Secretariat Training		
			and Management		
			Defence Institute of		
			Work Study or equi-		
			valent training in any		
			other Institution; or		
			(b) have at least 1 year's		
			experience in the app-		
			lication of work study		
			or Organisation and		
			Methods or Analy-		
			tical or Statistical or		
			Operation / Research and other manage-		
			ment and research		
			techniques.		
			(Period of deputation shall		
			not ordinarily exceed 3		
			years).		

राजस्य और वैंकिंग विभाग (राजस्य पक्ष)

नई विल्ली 18 जनवरी, 1977 ग्रौषकीय ग्रीर प्रसाधन विनिर्मिसया

सा० का० कि० 99.—सं० 2 भौषधीय भौर प्रमाधन विनिर्मितिया (उत्पाद-गुरुक) नियम, 1956 के नियम 60 के उपनियम (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार स्थायी समिति के परामणें पर, यह घोषणा करनी है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट विनिर्माताभीं द्वारा सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक नई भौषधीय विनिर्मित को उसके सामने सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट विनिर्मितियो के प्रवर्ग में सम्मिलित किया जाएगा:

सारणी श्रीषधीय विनिर्मिति विनिर्माता का नाम प्रवर्ग क०स० 3 4 2 1 श्रीषधीय श्रीर प्रसाधन मैसर्स श्रीराम श्रीषधि 1 कुमारी श्रासव सं० 3 विनिर्मितिया उत्पाद-भण्डार मखाजन श्रक्षिनियम, सालका, सगमेण्वर गुल्क (1955 (महाराष्ट्र) 1955 का 16) की भ्रनु-2 ग्रशोकारिष्ट -यथोक्त-मुचीकी मद 2(i) –ययोक्त– पुनारवासन के बाधीन बाने वाली वशम्लारिष्ट –ययोक्त– आयुर्वेदिक विनिर्मिति –यपोक्ति– रोहितकारिष्ट --ययोक्ति-सारिवासव -यथोक्ति-जन्वनासव

[फा० सं० 656/25/74-मफीस] लक्ष्मी चन्द मित्तल, उप मचिव

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue wing)

New Delhi, the 18th January, 1977

MEDICINAL AND TOILFT PREPARATIONS

G.S.R. 99.—No. 2. In pursuance of sub-rule (3) of rule 60 of the Medicinal and Toilet Preparations (Excise Duties) Rules, 1956 the Central Government, on the advice of the Standing Committee, hereby declares that each of the new medicinal preparations specified in column (2) of the Table below prepared by the manufacturers specified in column (3) thereof, shall be included in the category of preparations specified against it in column (4) of the said Table:

S.	No.	Medicina Preparation	- 11-11-01 111-	Category
1		2	3	4
1-			M/s. Shri Ram Aushadi Bhandar, Makhajan Tal ingameshwar (Maharash	uka paration Fa-
2.	Asho	karishat	— do-—	item 2(i) of the Schedule
3.	Puna	rvasan	-do-	the Medicinal
4.	Dasi	amularist	do- -	and Toilet Pre- parations (Ex-
5.	Roh	ita karist	do	cise Duties)
6.	Sariv	/asav	—do—	Act, 1955 (16
7.	Char	idanasav	-do	of 1955)

[F. No. 656/25/74-OPIUM]

L. C. MITTAL, Dy. Secy.